फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 | वर्षः 75 | संख्याः 246 | प्रभात | जयपुर, बुधवार 9 अप्रैल, 2025 | डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

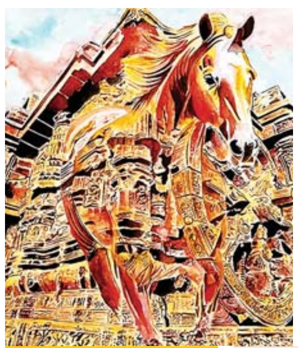

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Five Artists | Today, Rousseau is celebrated as a pioneer of Naïve art, and his influence can be seen in many subsequent artists who embraced a more intuitive, self-taught approach to painting | The Art That Warns Before the World Warms | Diabetes and Footwear

"हमारे अपने" पटेल, गांधी व नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी थी

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में यह प्रस्ताव पारित करके, कांग्रेस ने यह मैसेज भी दिया, कि वह अभी भी इतिहास में जी रही है, और ऐतिहासिक विरासत के लिए संघर्ष कर रही है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। बहुत सालों के बाद कांग्रेस नींद से जागी है और उसे यह समझ में आया है कि भाजपा ने सरदार पटेल व महात्मा गांधी की विरासत को हथिया लिया है। इसी के मद्देनज़र सी.डब्ल्यू.सी. ने "हमारे" सरदार पटेल पर प्रस्ताव पारित किया जिसमें पार्टी ने स्पष्ट किया कि गांधी और नेहरू के साथ सरदार पटेल ने स्वतंत्रता आंदोलन की नींव रखी तथा भाजपा उनके बारे में झूठ फैला रही है।

भाजपा ने लगातार यह कहा है कि पटेल और नेहरू के बीच गंभीर मतभेद थे लेकिन अब कांग्रेस ने मजबूती से यह स्पष्ट करने का निर्णय लिया है कि तीनों नेता बहुत नज़दीक थे, उन्होंने साथ मिलकर काम किया तथा महात्मा गांधी की हत्या के बाद, वो पटेल ही थे जिन्होंने आर.एस.एस. पर प्रतिबंध लगाया।

कांग्रेस अतीत के साथ ही रहना चाहती है। वह ऐसे समय पर भी गुजरात की धरती पर गांधी और पटेल का आव्हान कर रही है, जब उसे अपने पुनर्निमाण पर फोकस करना चाहिये,

- जबकि, उसका फोकस होना चाहिए पार्टी के पुनर्निर्माण पर।
- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने भी इसीलिए अपने सम्बोधन में जोर दिया कि जब तक पार्टी का संगठनात्मक ढांचा दुरुस्त नहीं होता, पार्टी चुनाव नहीं जीत सकेगी।
- उनके अनुसार सन् 2025, पार्टी के संगठन को पटरी पर लाने के लिए समर्पित होना चाहिये। पर, इस दिशा में कोई प्लान नहीं है, राहुल गांधी का, डी.सी. सी.ओ. को मजबूत बनाने के अलावा।
- कल राष्ट्रीय मुद्दों पर तथा 2027 में निश्चित गुजरात के विधानसभा चुनावों के बारे में प्रस्ताव लाया जायेगा।
- राहुल गाँधी ने कहा, विधानसभा चुनावों में पार्टी, भाजपा से गुजरात को छीन लेगी, तथा सरकार बनायेगी। पर, इस घोषणा की क्रियान्विति के लिये जमीन पर कोई तैयारी नहीं दिख रही हैं।

क्योंकि वह इस समय भीषण संकट में है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज अपने भाषण में उस समय इसका स्पष्ट उल्लेख किया, जब उन्होंने कहा कि जब तक संगठन मजबूत नहीं होता, संख्या का कोई महत्व नहीं है तथा पार्टी चुनाव नहीं जीत पायेगी। वर्ष 2025 संगठन को व्यवस्थित करने का वर्ष है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है, सिवाय इसके कि राहुल गांधी जिला कांग्रेस कमेटियों को सशक्त बनाना तथा उन्हें और अधिक अधिकार देना चाहते हैं।

के.सी. वेणुगोपाल कहते हैं कि कांग्रेस एक बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करना चाहती है तथा इस पर काम शुरु हो गया है।

राहुल गांधी पार्टी में दलितों, आदिवासियों तथा अल्पसंख्यकों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लाना चाहते हैं। इससे उनका एजेंडा पूरा हो जायेगा तथा पार्टी मजबूत हो जायेगी।

कल एक प्रस्ताव राष्ट्रीय मामलों पर तथा एक प्रस्ताव गुजरात पर लाया जायेगा, जहाँ 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। राहुल गांधी यह घोषणा पहले ही कर चुके हैं कि इस बार कांग्रेस गुजरात में जीतेगी तथा भाजपा से इस राज्य को छीन लेगी।

अब तक ऐसे कोई संकेत दिखाई नहीं दिये हैं। दरअसल, राहुल जो कहते हैं, उसे क्रियान्वित नहीं करते तथा जहाँ जरूरी है, वहाँ सर्जरी अभी शुरु भी नहीं हुई है।

ऐसे और भी वादे किये जाने हैं, और भी निर्णय जल्दी ही लिये जाने हैं, लेकिन वे जमीन पर नहीं उतरते, क्योंकि पार्टी जो कहती है, उसे क्रियान्वित नहीं करती।

जिंदा बम कांड के चार अभियुक्तों को उम्रकैद

जयपुर, 8 अप्रैल। जयपुर बम कांड मामलों की विशेष अदालत 13 मई, 2008 को शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद चांदपोल हनुमान मंदिर के पास जिंदा मिले बम के मामले में चार अभियुक्तों शाहबाज हुसैन, मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान और सरवर आजमी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सजा के साथ ही अदालत ने अभियुक्तों पर 6.40 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने गत 4 अप्रैल को दोनों पक्षों की बहस सुनकर अभियुक्तों को विभिन्न धाराओं में दोषी करार दिया था।

सुनवाई के दौरान आरोपी शाहबाज हुसैन के वकील मुजाहिद अहमद ने

- अदालत ने अभियुक्तों पर 6.40 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

शायराना अंदाज में कहा कि, "तुम्हारा शहर, तुम ही कातिल तुम ही मुद्दई, तुम ही मुंसिफ, हमें यकीन है, गलती हमारी ही निकलेगी।" इस पर पीठासीन अधिकारी रमेश कुमार जोशी ने जवाब देते हुए कहा कि "कुदरत के फैसले पर कभी शक मत करना, अगर सज़ा मिल रही है तो गुनाह भी किया होगा। सबसे बड़ा कोर्ट हमारा मन होता है, क्या सही है और क्या गलत, उसे सब पता होता है, राह गलत नहीं होती, गलत तो चुनाव होता है।"

अदालत की ओर से गत सुनवाई को चारों आरोपियों को दोष सिद्ध करने के बाद मंगलवार को चारों अभियुक्तों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस हाईकमान ने क्या मन बना लिया है, पायलट को प्रदेश का नेतृत्व सौंपने का?

इसी दिशा में बढ़ते हुए हाईकमान ने वृहद सी.डब्ल्यु.सी. के दौरान, पायलट को जिम्मेवारी सौंपी, मीडिया को ब्रीफ करने के लिए, जिससे पत्रकारों को विश्वास में लिया जा सके, कि 9 अप्रैल को ए.आई.सी.सी. की बैठक में, क्या-क्या होना है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

अहमदाबाद, 8 अप्रेल। राजस्थान पूर्व उपमुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट को एक तरह से राजस्थान में कांग्रेस का नेतृत्व सौंप दिया गया है और राज्य के सत्ता समीकरणों में अशोक गहलोत बहुत पीछे रह गए हैं।

विस्तृत कांग्रेस कमेटी की मीटिंग आज मंगलवार को अहमदाबाद में हुई जिसमें मीडिया से वार्ता के लिए सचिन पायलट को मैदान में उतारा गया, जबकि उस समय सी.डब्ल्यू.सी. की बैठक चल रही थी।

आईडिया ये था कि मीडिया को कुछ पॉइन्ट दिए जाए ताकि यह पता चले कि सी.डब्ल्यू.सी. में चल क्या रहा है और अगले दिन होने वाली ए.आई.सी.सी. बैठक में क्या कुछ हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि इस कदम को गहलोत का कद कम करने और पायलट को राज्य का नेतृत्व सौंपे जाने के संकेत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पुराने कांग्रेस नेतागण हाईकमान के इस निर्णय को स्पष्ट प्रमाण मानते हैं कि हाईकमान के मन में अब कोई "कन्फ्यूज़न" नहीं है, कि राजस्थान को किस के नेतृत्व में चलाना है।
- यह भी सोच सुनिश्चित सा हो गया है, कि राजस्थान के बारे में यह निर्णय ठीक चुनाव के पहले उजागर करने से बेहतर है कि, शीघ्र ही, जल्दी से जल्दी सार्वजनिक किया जाये, जिससे नये नेतृत्व को पूरा समय मिले काम करने के लिए।
- हालांकि, गहलोत के समर्थकों की पुरानी चौकड़ी, जिसमें विधायक दल के नेता टीकाराम जूली, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा, ए.आई.सी.सी. में महासचिव जितेन्द्र सिंह आदि, पायलट के खिलाफ संगठित हो रही है, जिससे पायलट प्रदेश के नेतृत्व की लड़ाई में ज्यादा आगे बढ़ नहीं पायें।
- गहलोत अब नेतृत्व की दौड़ में काफी पीछे छूट गये हैं, पर, फिर, उनकी पायलट से अदावत इतनी गहरी है कि वे पायलट को स्वीकार करने को अभी भी तैयार नहीं, और पायलट के रास्ते में व्यवधान डालने की चेष्टा अनवरत जारी है।

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक व ए.आई.सी.सी. के सत्र में प्रियंका गाँधी नदारद क्यों हैं?

पूछे जाने पर के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, प्रियंका गाँधी ने संसद व गुजरात के जलसे में अनुपस्थित रहने की इजाज़त ले रखी है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। प्रियंका गांधी आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की मीटिंग में मौजूद नहीं थीं तथा कल होने वाले एआईसीसी अधिवेशन में भी उपस्थित नहीं होंगी।

जब उनकी गैर मौजूदगी के बारे में पूछा गया तो के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि उन्होंने संसद तथा गुजरात के अधिवेशन में उपस्थित न हो पाने की पूर्व सूचना दे दी थी, क्योंकि वे इस समय विदेश गई हुई हैं।

उनके विदेश जाने के कारणों की जानकारी नहीं हैं लेकिन आज सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में उपस्थित नेताओं को आश्चर्य हो रहा था कि वे इतनी महत्वपूर्ण मीटिंग में उपस्थित नहीं हैं। सोनिया गांधी के रिटायरमैंट मोड में आ जाने के बाद, राहुल और प्रियंका गांधी ही पार्टी के वास्तविक नेता हैं तथा पार्टी में उन्हीं की चलती है। मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी अध्यक्ष भले ही हैं, लेकिन पार्टी उनका हुकम उस तरह नहीं चलता,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, इस बात पर चर्चा जोरों पर है, कि वे अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के इतने महत्वपूर्ण आयोजन में अनुपस्थित क्यों हैं। यह माना जाता है कि सोनिया गाँधी लगभग रिटायरमैंट की मुद्रा में आ चुकी हैं, अतः, पार्टी में अब राहुल व प्रियंका ही सर्वेसर्वा रहेंगे। क्योंकि, खड़गे साहब की वह अहमियत नजर नहीं आती, तथा वेणुगोपाल तक उनके निर्णयों को "ओवर रूल" कर देते हैं।
- कुछ समय पहले तक यह सम्भावना व्यक्त की जा रही थी, कि, सम्भवतया इलैक्शन मैनेजमैंट कमेटी की वे अध्यक्ष तो बनेंगी। पर, अब इस कमेटी का गठन होता दिख नहीं रहा।

कांग्रेस अधिवेशन में चिदंबरम् की तबियत बिगड़ी

अहमदाबाद, 08 अप्रैल। कांग्रेस अधिवेशन में वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम की तबीयत भारी गर्मी के कारण आज शाम बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की यहां पटेल स्मारक पर दिन में हुई बैठक में चिदंबरम ने हिस्सा

- उनके पुत्र कार्ति ने बताया कि भारी गर्मी के कारण तबियत बिगड़ने पर उन्हें ज़ायडस अस्पताल में भर्ती कराया गया, अब वे सामान्य हैं।

लिया तो चिलचिलाती धूप में बैठक कक्ष की तरफ जाते हुए वह असहज लग रहे थे। शाम को साबरमती आश्रम में प्रार्थना कार्यक्रम में शामिल होने गए तो उनकी तबीयत बिगड़ गई तो उन्हें तत्काल अस्पताल मैं भर्ती करा दिया गया। इस बीच कांग्रेस के लोकसभा सदस्य तथा चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदंबरम ने ट्वीट कर कहा "मेरे पिता पी चिदंबरम को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'देश के संविधान में "पूर्ण वीटो" या "पॉकेट वीटो" का कोई प्रावधान नहीं है'

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडू के राज्यपाल के खिलाफ निर्णय दिया और कहा राज्यपाल को कोई अधिकार नहीं है, असैम्बली द्वारा पारित विधेयक पर अनिश्चित काल तक कोई कार्यवाही नहीं करने का

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। ऐसा लगता है कि सितारे भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की राजनीति को शिखर पर पहुँचाने में लगे हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में बिलों पर हस्ताक्षर नहीं करने के लिए दोषी ठहराया है औरा इससे विधानसभा चुनावों से पूर्व स्टालिन की छवि और ज्यादा चमक गई है।

ऐसा लगता है स्टालिन का नेतृत्व अब तमिलनाडु की सीमा के बाहर भी पहुँच रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्टालिन ने कहा कि यह न केवल तमिलनाडु की जीत है बल्कि उन सभी राज्य सरकारों की जीत है, जो राज्यपाल के हाथों पीड़ित हैं।

स्टालिन ने कहा, सुप्रीम कोर्ट का फैसला राज्य की स्वायत्ता के लिए बड़ी जीत है और वे संघवाद के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

न्यायिक जीत से मुख्यमंत्री छवि और बेहतर हुई है और चुनाव पूर्व यह फैसला आना उनके लिए अच्छी खबर है। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने यह उजागर कर दिया है कि राज्यपाल गैर कानूनी तरीके से काम कर रहे हैं और जो शक्तियाँ उन्हें प्राप्त नहीं हैं उन्हीं भी हथियाना चाहते हैं। तमिलनाडु की जनता सब देख रही है।

मंगलवार को जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन की बैंच ने कहा कि राज्यपाल ने गैरकानूनी तरीके से आचरण किया और राज्य विधानसभा ने सहमति के लिए उन्हें जो विधेयक भेजे थे, उन्हें रोक कर राज्य सरकार के कामकाज में बाधा डाली है। संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल का आचरण अवैध है।

जस्टिस पारदीवाला जिन्होंने यह फैसला लिखा है, ने कहा जब राज्यपाल को कोई बिल भेजा जाता है तो धारा 200 के तहत उसके पास तीन विकल्प होते हैं। मंजूरी दें या मंजूरी रोके और आपत्ति होने पर बिल राष्ट्रपति के पास भेज दें, आर्टिकल 200 में "शीघ्रातिशीघ्र" शब्द डाला गया है और राज्यपाल को बिल रोकने की अनुमति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, राज्यपाल को अधिकतम तीन माह में विधानसभा द्वारा पारित विधेयक पर निर्णय ले ही लेना चाहिए।
- राज्यपाल की ओर से पैरवी करते हुए एटॉर्नी जनरल आर. वैंकटारमणी ने दलील दी कि, विधानसभा द्वारा पारित विधेयक उन कानूनों के खिलाफ थे, जो लोकसभा द्वारा पारित हैं, अतः राज्यपाल उन विधेयकों के राष्ट्रपति के पास नहीं भेज रहे थे।
- पर एटॉर्नी जनरल की यह दलील सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार नहीं की, और तीन माह का अधिकतम समय दिया, विधेयकों पर निर्णय लेने का।

ब्रह्मकुमारी राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी का निधन

आबू रोड (सिरोही), 08 अप्रैल। महिला शक्ति संगठन ब्रह्माकुमारीज़ की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का सोमवार देर रात निधन हो गया। वह 101 वर्ष की थीं।

दादी रतनमोहनी ने गुजरात में अहमदाबाद के जाइडिस अस्पताल में

- दादी के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े तथा मु.मंत्री भजनलाल व अन्य प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया।

कल देर रात एक बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली। उनके निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल के 26 हजार शिक्षकों को पद मुक्त करने के निर्णय को सही बताया

कोलकाता हाईकोर्ट ने तो पहले ही, शिक्षकों कि नियुक्ति को गलत मानते हुए यह निर्णय दिया था। पर अब हाईकोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट की मोहर लग जाने से ममता बनर्जी के पास छुपने का कोई रास्ता नहीं बचा है

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। बंगाल की राजनीति में एक बार पुनः बड़ी उथल-पुथल पैदा हो गई है। इस स्थिति के पीछे 26000 सरकारी शिक्षकों की नियुक्तियां रद्द कर दिये जाने के कारण पैदा हुआ विवाद है। इन नियुक्तियों में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आई थीं। इस पूरे विवाद तथा इस संकट से संबंधित घटनाक्रम ने एक बार फिर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि बहुत ज्यादा खराब कर दी है।

स्थिति बहुत संवेदनशील है, क्योंकि सरकारी स्कूलों में काम कर रहे ये 26000 शिक्षक, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद, एक ही झटके में सरकारी सेवा से हटा दिये गये हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इन नियुक्तियों को, कुछ वकीलों और अन्य प्रभावित लोगों की शिकायत पर, पहले ही रद्द कर दिया था। इन लोगों की शिकायत थी कि स्कूल सर्विस कमीशन (एस एस सी) द्वारा किये गये स्कूली शिक्षकों के चयन में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

इन अनियमितताओं की धधक और तपन, अन्य अधिकांश मामलों की तरह, राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तक भी पहुंची है। सरकार की मुखिया होने के साथ ही, शिक्षा विभाग की प्रमुख होने के नाते, मुख्यमंत्री इन अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार ठहराई गई हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद ममता बनर्जी इस विस्फोट के प्रभाव को राजनैतिक रूप से नियन्त्रित करने की हर संभव कोशिश कर रही हैं, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पा रहीं। उन्होंने बर्खास्त स्कूली शिक्षकों की एक मीटिंग कलकत्ता के इनडोर स्टेडियम में बुलाई थी। लेकिन इस मीटिंग स्थल में प्रवेश को लेकर भी बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

तृणमूल के गुंडों ने कथित रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को 500 रु. में ऐन्ट्री पास बेचे थे। पार्टी के इन गुंडों ने इन हैरान-परेशान और उत्तेजित स्कूली शिक्षकों की पिटाई कर दी तथा उन्हें प्रवेश करने से रोक दिया था।

उल्लेखनीय है कि राज्य के शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बहुत नजदीक हैं, शिक्षा मंत्रालय में भ्रष्टाचार के आरोपों के सिलसिले में जेल में पड़े हैं। उनके विभिन्न ठिकानों और उस फ्लैट, जहां उनकी कथित "गर्लफ्रैंड" रहती थी, पर पड़ी रेड में करीब 60 करोड़ रु. नकद पाये गये थे।

सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले, जिसमें कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्णय की पुष्टि कर दी गई है, के बाद बड़ी अशोभनीय स्थिति पैदा हो गई है, क्योंकि ये 26000 शिक्षक अचानक सड़कों पर आ गये हैं तथा शासन-प्रशासन के लिए एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। उच्च पदस्थ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ममता बनर्जी ने पद मुक्त हुए शिक्षकों की एक मीटिंग रखी, "इनडोर स्टेडियम" में, पर यह प्रयास भी निरर्थक साबित हुआ, क्योंकि, स्टेडियम में प्रवेश पाने के लिए, जो पास दिये जाने थे, वे बाजार में बिके तथा शिक्षकों को मारपीट कर भगा दिया गया।
- दूसरी ओर, सरकार का यह दावा भी झूठा साबित हुआ कि उत्तर पत्रिकाएं सभी नष्ट हो गई हैं। फरीदाबाद की एक कम्प्युटर कम्पनी के पास "उत्तर पुस्तिकाओं" की कॉपी मिल गई। तथा कोलकाता हाईकोर्ट के एक पूर्व जज ने कहा, यह सम्भव है, कि यह मालूम किया जा सकता है, कौन सा उम्मीदवार पैसे देकर पास हुआ और नौकरी पाई, और कौन सा उम्मीदवार अपनी मैरिट से नौकरी में आया है।

पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति पर हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर, 8 अप्रैल । अधिवक्ता पद्मेश मिश्रा की एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) के पद पर नियुक्ति के खिलाफ दायर अपील पर मंगलवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने इस मामले में पद्मेश मिश्रा और राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

- हाई कोर्ट में पद्मेश मिश्रा को एएजी नियुक्त किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने अपील में कहा है कि राज्य सरकार ने विधि नीति में बेतरतीब और मनमाने तरीके से बदलाव करते हुए पद्मेश मिश्रा को फायदा पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में जिस तरीके से विधि नीति में संशोधन किए गए हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दंड अन्यायी के लिए न्याय है। -अगस्तियन

नेता गैर कानूनी काम करने वालों के साथ भी खड़े दिखते हैं!

पहले चुनावी नारों में पूछा जाता था आपका नेता कैसा हो, तो जवाब में लोगों का समूह चिल्लाता था फलां नेता जैसा हो। अब ऐसे नारे नहीं सुनाई पड़ते क्योंकि राजनीति में अब वैसे नेता होते ही नहीं जिन पर अभिमान किया जा सके या उनका अनुशरण किया जा सके। अब तो बद-दिमाग बाहुबलियों और किसी को कुछ न समझने वालों का समय है। युवावस्था में धौंस-पट्टी करते हुए राजनीति की सीढ़ियां चढ़ने का जतन किया जाता है। एक बार विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव जीत कर मिलने आये एक युवा से जब तत्कालीन मुख्यमंत्री ने पूछा कि उसने छात्रसंघ का चुनाव क्यों लड़ा, तो उसका मासूम जवाब था कि वह राजनीति में आना चाहता है और आगे चलकर एमएलए बनना चाहता है। ऐसा ही एक बार यूनिसेफ ने पंचायतों में पहली बार जीतकर आयीं महिला पंचों की एक कार्यशाला रखी जिसमें बहुत सी युवा लड़कियां थी - कुछ जींस पहने भी। वहां सबसे एक सवाल पूछा गया कि वे क्यों इस पद की आकांक्षी हुईं, तो सभी का सहज जवाब था कि वे अब सरकार में अपने परिवार और दूसरे अपने लोगों के काम करवा सकेंगी। ऐसा वे इसलिए बोल गईं क्योंकि उनका राजनीति में परिपक्व होकर यह कहना सीखना कि हम अपने क्षेत्र तथा आमजन के कल्याण के लिए आये हैं बाकी था। लोक कल्याणकारी राज्य की बात भी शायद इसीलिए अब नहीं की जाती। वह ज़माना गया जब अर्थशास्त्री मानते थे कि लोक कल्याणकारी राज्य में तो बजट घाटे का ही होगा और प्रशासनिक खर्चे कम करके विकास पर अधिक पैसा खर्च किया जाएगा। मगर अब सब कुछ उलट गया। अब सरकार हर सेवा का शुल्क लेकर अपना मुनाफा बढ़ाती है और अपने अमले पर खर्च बढ़ाती जाती है। अब राजनीति सेवा का व्रत नहीं एक पेशा बन गई है और राजनेता पेशेवर। राजनेता सफल होने के लिए पेशेवर व्यावसायिक एजेंसियों की सेवाएं भी लेने लगे हैं। व्यावसायिक एजेंसियां उनके लिए जन-संपर्क का काम करती हैं। और तो और पत्रकारिता की उच्च शिक्षा के संस्थानों में विभिन्न माध्यमों पर प्रचार के हुनर सिखाए जाने लगे हैं और जनसंचार के आधुनिक साधनों के विषय में डिग्रियां भी दी जाने लगी हैं ताकि छात्रों को बाद में इस क्षेत्र में रोज़गार मिल सके। कॉर्पोरेट जगत ने पत्रकारिता और राजनीति को भी अपने पाश में बांध लिया है। राजनीति के ऐसे नये माहौल में निर्वाचित प्रतिनिधि अपने को लोकतान्त्रिक व्यवस्था में भी राजा-महाराजाओं या सीईओ जैसा व्यवहार करने लगे हैं तो क्या आश्चर्य है। वे समझते हैं कि संवैधानिक व्यवस्था में निर्वाचित हो जाने पर अब वे ही कानून हैं। वे अपनी राजनीति को चमक देने के लिए कानून तोड़ने वालों के साथ खड़े नज़र आते है। अखबारों में और सोशल मीडिया पर विडिओ के साथ ऐसी खबरें आम पाई जाती हैं कि कोई विधायक साहब लोगों के समूह के सामने सरकारी कर्मचारियों को फटकारते हैं या फोन पर किसी अफसर को डांटते-फटकारते हैं। ऐसा माहौल बनाया जाता है कि जैसे सारा प्रशासन खराब है और जन प्रतिनिधि जिनकी तरफदारी में खड़े दिख रहे हैं वे सब दूध के धुले हैं और पीड़ित हैं। यह भी सब जानते हैं कि इन पीड़ितों में वे भी होते हैं जो कानून तोड़ते हुए कोई भवन खड़े कर रहे होते हैं और वे भी होते हैं जिन्होंने खाली पड़ी सरकारी जमीन या पड़ोसी के जमीन पर कब्जा किया हुआ होता है। उनकी तरफदारी करते हुए वे अपने को रोबिनहुड की तरह प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनेक सांप्रदायिक दावानल भी उगलते हैं।

प्राचीन या मध्यकालीन राजतंत्र में राजाशाही अधिकारों के आधार पर शासन चलता था। वह वंश, रिश्तेदारियों तथा लेन-देन आधारित होता था। दरबार के लोग तथा उनके मातहत कारिंदे सामंतों की कृपा पर आश्रित रहते थे तथा सामंत राजा की कृपा पर। कृपा पाने के बाद वे स्वच्छंद होकर आवाम को अपने अंगूठे के नीचे रखते थे। उनका अपना कानून चलता था। लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के निर्वाचित सदस्यों को एक विधान के तहत काम करना होता है। उनके पास कोई व्यक्तिगत या निरंकुश शक्ति नहीं होती। उनको मिले विशेषाधिकार सदनों के अंदर ही होते हैं बाहर नहीं। किन्तु आज के राजनेता को पुरानी दरबारी संस्कृति भाती है जिसमें कायदे कानूनों की नहीं उनकी मर्जी चलती हो। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आज़ादी अचानक मिल गई। आजादी के बाद गणतांत्रिक व्यवस्था तो संविधान सभा ने बना कर दे दी, किन्तु नयी व्यवस्था के अनुरूप विवेकशील समाज और जागरूक नागरिक बनाने की पूरी तैयारी नहीं हो पाई। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को बाहर कर देने का नहीं था, समाज को बदलने का उद्यम भी था जिसमें हमारे सामान्य व्यवहार में लंबे समय से अंदर गहरे तक धंसी सामंती मानसिकता को जड़ मूल से उखाड़नाभी शामिल था। देशी रियासतों, शासकों, जागीरदारों तथा उनकी कुलीन व्यवस्था को समाप्त करके उनके स्थान पर नयी संवैधानिक व्यवस्था में तब्दील करना भी था। भारतीय गणतंत्र का ढांचा तो बन गया जिसे थामने के लिए संविधान ने एक दूसरे से स्वतंत्र किन्तु एक दूसरे को बैलेंस करने वाले विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के तीन आधार बना दिए। इन तीनों में किसी को एक दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना था। संविधानिक संस्थाओं के सदस्यों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुने जाने की व्यवस्था की गई और जिन्हें जनहितकारी नीतियां बनाने और शासन व्यवस्था को लागू करने दायित्व मिला। उनका कार्य लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के तहत होता है, न कि किसी व्यक्तिगत या सामंती सत्ता के रूप में। लेकिन हम देखते हैं कि राजनीति का पूरा आधार लोकसेवा का नहीं सत्ता का आकर्षण बन गया है। इससे व्यक्तिगत फायदे पाने के लिए लोग इसमें आते हैं और ऐसे लोगों की ही पूछ राजनैतिक दलों में भी होने लगी है। आजादी के बाद देश में अनेक बार कोशिशें हुई कि चुनावों में उम्मीदवार का चयन निर्वाचन क्षेत्र के लोग करें परंतु यह हक़ पार्टी आलाकमानों के हाथों में चला गया और सत्ता का दुरुपयोग होना सामान्य चलन हो गया। भारतीय संविधान में सभी नागरिक बराबर हैं। देश की संप्रभुता यहां के प्रत्येक नागरिक के हाथ में है। संविधान इस कथन के साथ शुरू होता है कि हम भारत के लोग अपने आप को यह संविधान देते हैं। यह संविधान का निचोड़ उसके आमुख या प्रस्तावना में है। लेकिन विधायकों व सांसदों का गैर-जिम्मेदाराना सार्वजनिक व्यवहार निश्चित रूप से खुद को पहला और हम भारत के लोगों को दोयम दर्जे का मानने वाला हो चला है।

> **कॉर्पोरेट जगत ने पत्रकारिता और राजनीति को भी अपने पाश में बांध लिया है। राजनीति के ऐसे नये माहौल में निर्वाचित प्रतिनिधि अपने को लोकतान्त्रिक व्यवस्था में भी राजा-महाराजाओं या सीईओ जैसा व्यवहार करने लगे हैं तो क्या आश्चर्य है। वे समझते हैं कि संवैधानिक व्यवस्था में निर्वाचित हो जाने पर अब वे ही कानून हैं। वे अपनी राजनीति को चमक देने के लिए कानून तोड़ने वालों के साथ खड़े नज़र आते है।**

भारतीय संविधान विधायकों और सांसदों के कर्तव्यों और दायित्वों का निर्धारण करता है। इन दायित्वों का उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रणाली को सुचारू रूप से चलाना, सार्वजनिक भलाई सुनिश्चित करना होता है। कानून निर्माता होने के साथ-साथ निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपने चुनाव क्षेत्रों के मुद्दों को संसद और विधानसभा में उठाने की जिम्मेवारी होती है। लेकिन वे मुद्दे क्या होते हैं यह महत्वपूर्ण है। वे नीति संबंधी मुद्दे और समान न्याय आधारित विकास को सुनिश्चित करने वाले हो सकते हैं। विधायकों और सांसदों का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य सरकार और प्रशासन की निगरानी करना भी होता है। किन्तु इसका अर्थ यह नहीं होता कि वे किसी संवैधानिक न्याय प्रक्रिया से ऊपर हो जाते हों। उन्हें यह सुनिश्चित करना होता है कि सरकारी योजनाएं और नीतियां सही तरीके से लागू हो रही हैं और जनता के हित में हैं। इसके लिए संसद तथा विधानसभाओं के मंच होते हैं जहां उन्हें अपनी बात पुरजोर और तर्कपूर्ण तरीके से रखने का मौका मिलता है। वे प्रश्न पूछकर, समिति रिपोर्ट की जांच करके और विधायिका में चर्चा करके सरकारी कार्यों की समीक्षा करते हैं। मगर पेशेवर नेताओं को सौम्य व्यवहार रास नहीं आता। वे सदनों में भी कार्यवाही को बाधित करने की अपनी क्षमता पर गर्व करते हैं। उन्हें भारतीय संविधान और उसके तहत दिए गए अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का सम्मान करना कौन सिखाये, यह बड़ा सवाल है। विभिन्न राजनीतिक दलों की अपने उम्मीदवारों की छवि की जगह उनमें वोट बटोरने की क्षमता में अधिक रुचि होती है ताकि वे बहुमत पा कर सरकार बना सकें। सत्ता पाने की वैसी ही दौड़ है जैसी कभी रियासती सत्ताओं के बीच होती थी। यह भी सच है कि मतदाता केवल आदर्शवाद या नायकत्व से प्रभावित नहीं होते, बल्कि वे अपने रोज़मर्रा के जीवन में अपने नेताओं से लाभ पाने की भी उम्मीद करते है। अनेक नेताओं की रोबिनहुड जैसी छवि चुनावी रणनीति का हिस्सा बन जाती है। सरकार की जवाबदेही की तो संविधान में व्यवस्था है लेकिन निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही की कोई व्यवस्था नहीं है। मतदाता का अंकुश काम करता नज़र नहीं आता क्योंकि चुनाव में दलीय व्यवस्था में पार्टी संबद्धता के चलते मतदाता द्वारा अनेक बार नापसंद उम्मीदवार को भी समर्थन देते हमने देखा है। कुछ नेता अपनी लड़ाका छवि बनाकर अपनी जाति पर वर्चस्व जमा कर अपनी सामाजिक स्थिति, सामर्थ्य और नेटवर्क से राजनैतिक सौदेबाजी करते हैं। कई नेता प्रशासन के लिए ही सिरदर्द नहीं होते बल्कि निजी संस्थानों के जबरन संरक्षक बनकर भी अपनी सत्ता बनाए रखते हैं जिससे उनके निजी कार्यकर्ताओं का गुजारा होता रहे। इनमें अनेक उत्साही और मुखर दिखने का प्रयास करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों को हम अक्सर अपने विचारों को व्यक्त करते हुए समाज में दरारें भी डालते हुए भी पाते हैं। राजनैतिक दलों का यह दायित्व बनाता है कि वे अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को सिखाये कि उनका सार्वजनिक व्यवहार कैसा हो क्योंकि विनम्रता और ईमानदारी लोकतंत्र की पहली शर्त होती है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

वर्तमान समय में भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता-1

भागचन्द जैन मित्रपुरा

जैन धर्म अनादि, अनंत - शाश्वत- सनातन धर्म है। इस हुंडावसर्पिणी काल में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ थे एवं अन्तिम 24वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर है।

तेइसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष चले जाने के कुछ वर्षो के बाद भारत वर्ष में अनेक मत - मतांतर प्रचलित हो गए थे। उस समय मनुष्य भ्रांतिवश स्वर्ग प्राप्ति के लोभ में जीवित पशुओं को यज्ञ में बलि देते थे। बौद्ध धर्म की क्षिणक वादिता को अपना कर मन में संताप कर रहे थे। वैदांतियों के प्रपंच में पड़कर आत्म हित से परे हो रहे थे। धर्म को अलग अलग तरीके से परिभाषित किया जा रहा था। मिथ्यात्व का तिमिर घर कर गया था। ऐसे समय में कल्याण का मार्ग दिखाने वाले किसी उद्धारक की नितांत आवश्यकता थी। सृष्टि का क्रम जन मानस की आवश्यकतानुरूप हुआ करता है। इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए स्व-पर के कल्याण मार्ग प्रशस्तक के रूप में सोलहवें अच्युत स्वर्ग के पुष्पोत्तर विमान से इंद्र का इस धरा पर वर्धमान नाम से अवरोहण हुआ, जिन्हे तीर्थंकर महावीर के नाम से भी जाना जाता है।

जीवन परिचय-भगवान महावीर का जन्म 599 ई.पूर्व क्षत्रीय कुण्डाग्राम (कुण्डलपुर- वैशाली) वर्तमान बिहार राज्य में हुआ था। इनके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी प्रियकारिणी (त्रिशला) था। महावीर के जन्म के समय स्वर्गलोक से जन्मोत्सव मनाने आए सौधर्म इंद्र ने बालक की शक्ति को अनुभव किया और वीर नामकरण कर दिया। महावीर के जन्म के साथ ही राज्य समृद्ध होने लगा एवं चारो ओर राज्य की कीर्ति फैलने लगी, इसे देखते हुए बालक का वर्धमान नाम रखा गया। कालांतर में दो चारण ऋद्धिधारी मुनियों का शंका समाधान वर्धमान को देखते ही स्वत: ही हो गया, उन्होंने वर्धमान को सन्मति नाम से पुकारा। गजशाला के एक मदोन्मत्त हाथी को वश में करने पर अतिवीर कहलाए। संगम देव द्वारा भयंकर सर्प का रूप धारण कर वर्धमान की शूरवीरता की परीक्षा ली गईं। सर्प को वश में कर लेने पर महावीर के नाम से जाने जाने लगे।

महावीर जन्म से ही आमजन के हितार्थ कार्यों में लग गए थे। महावीर समय के साथ धीरे-धीरे बढ़े होने लगे। उनकी समझ तो बाल्यकाल से ही अद्भुत थी। उन्हें अपने आत्म कल्याण की समझ आने लगी था। वे इस संसार को निस्सार मानते हुए भोगों में कभी प्रवृत्त नहीं हुए और आत्म चिंतन में लीन रहने लगे। इस समय वर्धमान के विवाह के प्रस्ताव आने लगे लेकिन उन्होंने स्वीकार नही किया।

महावीर जब तीस वर्ष के थे, तब पिता राजा सिद्धार्थ ने उन्हें राज कार्य संभालने हेतु कहने पर महावीर ने कहा कि जिस जंजाल से वे स्वयं बचना चाह रहे है उसमें मुझे फंसाने का कोई औचित्य समझ में नहीं आता है। वे माता पिता को अपने प्रयोजन से संतुष्ट करने के बाद तीस वर्ष की अवस्था में ही गृह त्याग कर वन की ओर प्रस्थान कर आत्म ध्यान में लीन हो गए। लगातार 12 वर्ष 5 माह एवं 15 दिन तक तप, संयम एवं साम्यभाव की साधना की, पंच महाव्रत आत्मसात किया। महावीर एक दिन ऋजुकूला नदी के किनारे आत्म ध्यान में लीन थे तब घातिया कर्मो का नाश कर वैशाख शुक्ला दशमी के दिन सम्पूर्ण ज्ञान, केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। इन्द्र की आज्ञा पाकर धनपति कुबेर ने समवशरण की रचना की। लेकिन गणधर के अभाव में, 66 दिन तक उनकी दिव्य ध्वनि नहीं खिरी। इंद्रभूति नामक ब्राह्मण के समवशरण में आने पर ही भगवान की दिव्य वाणी खिरी। इंद्रभूति के प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रथम उपदेश में जीव के स्वरूप का ज्ञान कराया।

इंद्रभूति ही भगवान के प्रथम गणधर बने जो गौतम गणधर के नाम से प्रसिद्ध हुए। तीर्थंकर के 10 और गणधर बने। इनके समवशरण में देव, नर, तिर्यंच गति के जीवों ने सदुपदेश प्राप्त किये। भगवान अर्ध-मागधी भाषा में तत्वों का उपदेश करते थे और गौतम गणधर उसे ठाहण करते थे। एक बार समवशरण में गौतम गणधर ने भगवान महावीर से प्रश्न किया कि, भंते! दो व्यक्ति है, एक तो दिन रात आपकी भक्ति में लगा रहता है, जिससे उसे जन सेवा के लिए समय ही नहीं मिलता। दूसरा व्यक्ति वह है जो दिन रात जन सेवा में लगा रहता है, जिसके पास आपकी भक्ति के लिए समय ही नहीं है। इन दोनों में से कौन श्रेष्ठ है? धन्य है? पुण्यशाली है? महावीर ने समाधान किया कि श्रेष्ठता नाम रटने में या पूजा-अर्चना करने में नही, मेरी आज्ञा पालन करने में है। समवशरण में ही राजा श्रेणिक ने भी 60000 प्रश्न पूछे थे। इन्ही आधार पर ग्रंथो की रचना हुई, जिसे हम द्वादशांग जिनवाणी कहते है।

महावीर ने 30 वर्षों तक देश के विविध अंचलों में पद विहार कर संत्रस्त मानवता के कल्याण हेतु अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह व ब्रह्मचर्य धर्म को आम जन में प्रसारित किया। रत्नत्रय की अवधारणा से परिचित कराया। पूर्णज्ञानी योगी भगवान महावीर ने वैदिकी हिंसा- कर्मकांड, पशुबलि तथा अन्य कुरुतियों को बंद कराया। भगवान महावीर धर्म का प्रचार करते-करते पांवापुर आए, वहां योग- निरोध कर आत्मध्यान में लीन हो विराजमान हो गए। अघातिया कर्मो का नाश कर कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन प्रात:काल के समय 72 वर्ष की अवस्था में, ईसा से 527 वर्ष पूर्व निवार्ण प्राप्त किया। इस दिवस को दीपावली के रूप में मनाया जाता है।

भगवान महावीर एक विलक्षण - सम्पूर्ण जीवन दृष्टा थे।

1. उन्होंने कर्म सिद्धांत को अपनाया, कर्म करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कर्म की प्रधानता की अवधारणा को जागृत किया। यह संदेश दिया कि मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। स्व कल्याण के लिए व्यक्ति स्वयं सक्षम है। मानव जीवन में पूर्णता प्राप्त करने की क्षमता होती है। यह संदेश दिया कि हमारे सुख-दुख के लिए हम स्वंय ज़िम्मेदार है। हमारे द्वारा किये गये कर्मों का फल हमें स्वयं ही भोगना है। पूर्व जन्मों के कर्मों का फल हमे इस जन्म में एवं इस जन्म के कर्मों का फल अगले जन्म में भुगतना पड़ता है।

2. ईश्वर की सत्ता की जगह हम सब में ईश्वर बनने की क्षमता का संचार किया। मनुष्य स्वयं अपना कर्त्ता है। यह सृष्टि अनादि, अनंत है एवं कर्म सिद्धांतो पर चलती है। फल देने का या दंडित करने का कार्य ईश्वर का नहीं है। हम जानते है कि कंप्यूटर में जो कुछ भी फीड किया जाता है, परिणाम तदनुरूप ही आता है। तीर्थंकर महावीर ने अप्पा सो परमप्पा का उपदेश देकर बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जीव और आत्मा को परमात्मा बनने का मार्ग बताया। गुणों की अपेक्षा से पूर्ण विकसित आत्मा ही परमात्मा है। अन्य किसी भी धर्म में मनुष्य को अपने कर्म फल प्राप्त करने का कोई अधिकार नहीं दिया है। अन्य धर्मों में ईश्वर अवतार लेता है एवं उसे कर्त्ता एवं फल प्रदाता माना गया है। मनुष्य के हाथ में कुछ भी नहीं है। लेकिन हम अपने अनुभव से जान सकते है कि कर्म सिद्धांत स्वत: अपना कार्य करते है। भगवान महावीर ने सांसारिक सुख की प्राप्ति एवं साथ ही मोक्षमार्ग पर चलने हेतु श्रावकों को पंच अणुव्रत एवं श्रमणों को पंच महाव्रत (निम्न 3- 7) के सिद्धांत अपनाने पर जोर दिया। स्व कल्याण के साथ, जन कल्याण एवं विश्व कल्याण भी संभव है।

3. अहिंसा व्रत- भगवान महावीर ने अहिंसा के सूक्ष्मतम रूप का व्यापक विश्लेषण किया है। अहिंसा को जीवन शुद्धि का आधार बताया है। अहिंसा परमो धर्म:, अहिंसा ही महान धर्म है। महावीर के जीओ और जीने दो के सूत्र में बहुत ही गूढ़ अर्थ छिपा हुआ है। यह कथन आत्म-साक्षात्कार और सार्वभौमिकता का प्रतीक है। एक मात्र इसी सिद्धांत की पालना से हम विश्व बंधुत्व की परिकल्पना साकार कर सकते है। इसका विश्लेषण करते है तो जानते है कि स्वयं के जीवन के बारे में सोचने में ही किसी अन्य के जीवन की अनुभूति अंतर्निहित है। हम यदि वास्तविकता में स्वयं अच्छा जीवन जीना चाहते है तो हमे न केवल आसपास बल्कि सभी के हितों का ध्यान रखना होगा तभी स्वयं का जीवन निरापद होगा। अहिंसा का अर्थ है किसी प्राणी का घात न करना, अपशब्द न बोलना तथा मानसिक रूप से किसी का अहित न सोचना। एक वाक्य में यदि कहा जाए तो दुर्भाव का अभाव तथा समभाव का निर्वाह ही अहिंसा है। अहिंसा सहअस्तित्व, सहिष्णुता की भावना का प्रतीक है। किसी के प्रति मन मे बुरे विचार आना, बदले की भावना से सोचना आदि को भी हिंसा की श्रेणी मे माना गया। विचारो से ही हमारी मनस्थिति विकसित होती है एवं तदनुसार हम प्रतिक्रिया देते है। शान्तिपूर्ण जीवन के लिए अहिंसात्मक आचरण की आवश्यकता है। जीने का अधिकार प्राणी मात्र को है। सभी को जीने का अधिकार है। किसी दूसरे के अच्छे जीवन की कामना से ही स्वयं का जीवन ख़ुशहाल हो सकता है, यही सत्य है। मन, वचन और कर्म से अहिंसा को आत्मसात करने का संदेश स्थाई शान्ति के लिए महत्वपूर्ण है। भगवान महावीर ने किसी और पर विजय प्राप्त करने की बजाय, जिसकी कोई आवश्यकता भी नहीं है, स्वयं पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

अहिंसा पालन जैन धर्म का एकाधिकार नहीं है, शीर्ष मार्ग दर्शक जरूर है। वर्तमान में इस सिद्धांत की पालना केवल सीमित व्यक्तियों द्वारा ही की जा रही है। यदि संसार के तथाकथित शक्ति के केंद्र जैन धर्म के अहिंसा के सिद्धांत के ऊपरी आवरण का भी पालन कर ले या समझ भी ले तो रूस एवं यूक्रेन, चीन एवं ताईवान, फिलिस्तीन (हमास) एवं इजराइल, आदि देशों के बीच जारी भीषण विभित्सिका को रोका जा सकता है। युद्ध का अंत अवश्यंभावी है, लेकिन महावीर के सिद्धांत अहिंसा से ही संभव है। हमें किसी को भी मारने का अधिकार नहीं है। जैसे कि कुछ मानव मूक पशु-पक्षियों को मारकर खाना अपना अधिकार समझते है। यदि ऐसा है तो मानव अपने से निर्बल व्यक्ति को अपनी स्वार्थ पूर्ति हेतु मारने में एवं एक शक्तिशाली देश अपने से कमज़ोर देश को नष्ट करने मे नहीं हिचकिचायेगा और ये क्रम चलता रहेगा। इसका अन्त अन्तत: सृष्टि के विनाश के रूप में होगा। लेकिन महावीर ने सह अस्तित्व की अवधारणा को जन्म देकर इस सृष्टि को विनाश मार्ग पर जाने से बचा लिया, क्योंकि वर्तमान मे बहुत से लोग भगवान महावीर के सिद्धान्तों का येन केन प्रकरेण पालन करते है।

दूसरों का बुरा चाहकर कोई भी अपना भला नहीं कर सकता है। भगवान महावीर की अहिंसा के अमोघ हथियार को महात्मा गाँधी ने अपनाया और भारत को शक्तिशाली अंग्रेज़ों की दासता से मुक्त कराया। कई धर्मों में अहिंसा धर्म बताया गया है लेकिन जिस सूक्ष्मता के साथ महावीर ने अहिंसा का स्वयं पालन किया है और ज्ञान दिया है, वह समुचित है।

4. सत्य व्रत - जो वस्तु जैसी है, उसे वैसा ही मानना सत्य है। अहिंसा के बाद सत्य का क्रम आता है। सत्य का अर्थ सत् शब्द से आया है जिसका मतलब है वास्तविक होना, वस्तु स्थिति, तथ्य से अवगत होना। सत्य विपरीत मिथ्यात्व इस संसार में भ्रमण का कारण बनता है। अपने निरीह स्वार्थ के कारण सत्य का साथ नहीं छोड़ना, व्यक्ति को जिम्मेदार और विश्वसनीय बनाता है और अंततोगत्वा वह आदर का पात्र बन जाता है। सत्य का शाब्दिक अर्थ सभी का कल्याण। इस कल्याण की भावना को हृदय में धारण करके ही व्यक्ति सत्य बोल सकता है।

(शेषांश कल के अंक में)

संकलन-भागचंद जैन मित्रपुरा,
पूर्व सहायक महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक,
अध्यक्ष, अ.भार. जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर पूर्व कंसल्टेंट एसबीआई लाइफ

केसरीसिंहपुर पालिका में चेयरपर्सन के फर्जी हस्ताक्षर से ईओ और बाबू ने पट्टा जारी किया

■ पालिका चेयरपर्सन ने वसूल की गई 66,917 की राशि के स्थान पर सरकारी रिकॉर्ड में सिर्फ 24 हजार कुछ रुपए ही जमा करवाकर शेष राशि का गबन का भी आरोप लगाया

श्रीगंगानगर, (निसं)। केसरीसिंहपुर नगरपालिका में अधिशासी अधिकारी व ऑफिस के बाबू पर फर्जी तरीके से पट्टा जारी करने व इस पट्टे पर चेयरपर्सन के फर्जी हस्ताक्षर करने का चेयरपर्सन सुमिता रानी ने आरोप लगाया है। चेयरपर्सन ने इस मामले में वसूल की गई 66,917 रुपए की राशि के स्थान पर सरकारी रिकॉर्ड में सिर्फ 24 हजार कुछ रुपए ही जमा करवाकर शेष राशि का गबन करने का भी आरोप लगाया है। अब इस मामले में ईओ ने अपना बचाव करते हुए बाबू के कार्यकाल में रिकॉर्ड की जांच के लिए निकाय विभाग के उपनिदेशक को पत्र लिखा है।

नगरपालिका केसरीसिंहपुर में अपने 96 गुणा 37 फीट के प्लाट का पट्टा जारी करने के लिए आवेदन किया गया। इस पत्रावली को बाबू व ईओ ने आगे बढ़ाते हुए डीएलसी दर की गणना कर 66,915 रुपए का डिमांड नोटिस जारी किया। इसके बाद पत्रावली में राशि जमा होना दर्शाते हुए पट्टा जारी करने के लिए पत्रावली चेयरपर्सन सुमिता रानी के पास भेजी गई। प्लाट का नक्शा टाउन प्लानर से पास नहीं होने के कारण चेयरपर्सन ने इस पट्टे पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। इसके बाद गुपचुप चेयरपर्सन के फर्जी हस्ताक्षर से पट्टा जारी कर दिया गया। मामला संज्ञान में आने पर चेयरपर्सन ने ईओ से इस मामले की जांच करवाने के लिए कहा, लेकिन तीन दिन बीतने के बाद भी जांच नहीं करवाई गई तो चेयरपर्सन ने पट्टा संबंधी रिकॉर्ड मंगवाकर देखा तो उस पर चेयरपर्सन के फर्जी हस्ताक्षर थे।

राशि जमा होने संबंधी रिकॉर्ड देखा तो उसमें सिर्फ 22 हजार कुछ रुपए ही सरकारी खजाने में जमा करवाया जाना पाया गया। ईओ ने इस मामले में अपना बचाव करते हुए अब पट्टा जारी किए जाने वाले समय तैनात रहे बाबू मुकेश कुमार के कार्यकाल में रिकॉर्ड की जांच करवाने के लिए निकाय विभाग के उपनिदेशक को पत्र लिखा है। नगरपालिका में तत्कालीन ईओ के कार्यकाल में चेयरपर्सन सुमिता रानी के पति जवाहर अग्रवाल ने गोल्डन सिटी में क्रय किए 25 फीट गुणा 60 फीट साइज प्लाट का पट्टा जारी करने के लिए आवेदन किया। इसमें 42,000 रुपए की राशि का डिमांड नोटिस जारी कर राशि जमा करवाई गई तथा पट्टा भी जारी कर दिया गया। एक पट्टे में फर्जीवाड़ा पकड़ में आने के बाद चेयरपर्सन ने अपने पति के नाम से जारी पट्टे की जमा राशि का रिकॉर्ड देखा तो राशि जमा ही नहीं होना पाया गया। अब इस मामले की शिकायत निकाय विभाग से की है।

अधिशासी अधिकारी विश्वास गोदारा ने बताया कि पालिका चेयरपर्सन ने इस मामले से अवगत करवाया है। इस मामले में कमेटी गठित कर कनिष्ठ सहायक मुकेश कुमार के कार्यकाल में दस्तावेजों की जांच करवाने के लिए निकाय विभाग के उपनिदेशक को पत्र लिखा गया है।

तत्कालीन कनिष्ठ सहायक मुकेश कुमार ने बताया कि लिपिकीय भूल से कोई चूक हो गई होगी। पुराना मामला है। मेरे संज्ञान में नहीं है। नगरपालिका से पूरी जानकारी मिल सकती है। मेरा स्थानांतरण हो गया।

चेयरपर्सन सुमिता रानी का कहना है कि फर्जी हस्ताक्षर से पट्टा जारी करने का मामला पकड़ में आया है। साथ ही डिमांड नोटिस के अनुसार वसूल की गई राशि भी सरकारी खजाने में जमा नहीं है। अधिशासी अधिकारी व बाबू की मिलीभगत से बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार कर गबन किया गया है। जो पट्टा मेरे फर्जी हस्ताक्षर से जारी किया गया है। उस पर अधिशासी अधिकारी विश्वास गोदारा के हस्ताक्षर हैं। पालिका में बीते वर्षों में किए गए भ्रष्टाचार व गबन मामले की जांच के लिए निकाय विभाग के उच्चाधिकारियों को शिकायत भेजी गई है।

रसद विभाग की टीम ने घरेलू गैस सिलेण्डर व रीफीलिंग उपकरण जब्त किये

उदयपुर, (कासं)। रसद विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच कर घरेलू गैस सिलेण्डर और रिफीलिंग में उपयोग किए जाने वाले उपकरण जब्त किए हैं।

जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में अवैध एलपीजी रिफीलिंग के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से जान-माल की क्षति एवं घरेलू गैस के व्यवसायिक दुरूपयोग के कारण होने वाली राजस्व हानि तथा गैस सिलेण्डरों की अवैध भण्डारण की रोकथाम के लिए विशेष जांच दल द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में जिला रसद अधिकारी के निर्देशन में प्रवर्तन अधिकारी डॉ. निशा मून्दड़ा प्रर्वतन व प्रवर्तन निरीक्षक डॉ. कोमल सिंह सोलंकी द्वारा उदयपुर शहर क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की जांच की। विजय गैस स्टेशन गणपती नगर पर पांच घरेलू गैस सिलेण्डर एवं एक मोटर मय रिफीलिंग मशीन एवं मातेश्वरी गैस सर्विस सविना से 10 गैस सिलेण्डर एवं गैस ट्रांसफर करने हेतु प्रयोग में लाने जाने वाला बांसुरी उपकरण भी जब्त किया गया।

परिसीमन को लेकर मोर्चा खोला

मसूदा, (निसं)। मसूदा क्षेत्र के ग्राम श्यामगढ़, केरिया व चावण्डिया के ग्रामीणों ने परिसीमन को लेकर मोर्चा खोला। मसूदा उपखंड क्षेत्र में राजस्व परिसीमन को लेकर हाल ही में बनी ग्राम पंचायत को लेकर आसपास के ग्रामीण गांव को अदला-बदली के चलते लामबंद हो गए। सतावड़िया केरिया एवं श्यामगढ़ के ग्रामीणों द्वारा उपखंड अधिकारी के समक्ष ज्ञापन प्रेषित किया।

राशिफल

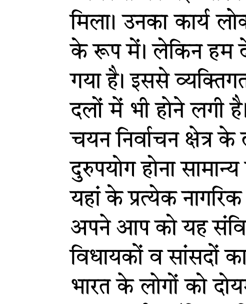

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 9 अप्रैल, 2025

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र प्रात: 9:57 तक, गंड योग सायं 6:25 तक, बव करण दिन 10:04 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग दिन 9:57 से रात्रि 10:56 तक है। आज प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:55 से 12:28 तक, चर 3:36 से 5:10 तक, लाभ 5:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:44

मेष

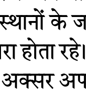

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

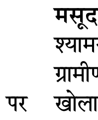

आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक

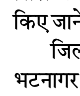

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु

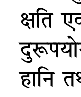

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर

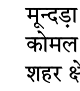

आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

कुंभ

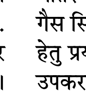

आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मीन

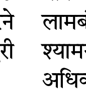

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

एक घंटे तक जयपुर की सड़कों पर कार को 'मौत' बनाकर दौड़ता रहा उस्मान

नाहरगढ़ हिट-एंड-रन की घटना का पूरा रूट मैप बनाने में जुटी पुलिस

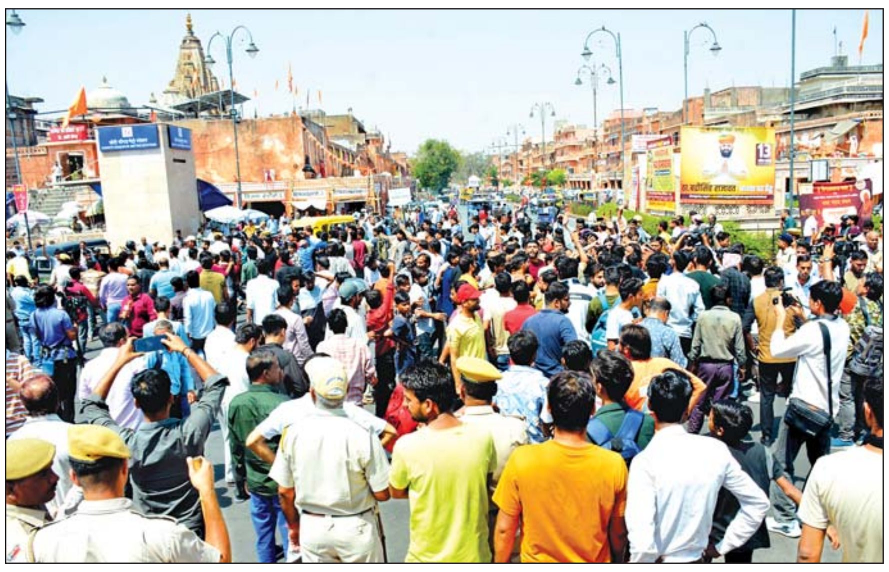

परकोटे में कांग्रेस नेता की कार की टक्कर से तीन लोगों की मौत के बाद मंगलवार को सुबह लोगों ने छोटी चौपड़ पर जाम लगाया और नाहरगढ़ थाने के बाहर पीड़ित परिजनों ने धरना दिया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नाहरगढ़ इलाके में एस.यू.वी. कार से 3 लोगों को कुचलकर मारने वाला कांग्रेस नेता उस्मान करीब एक घंटे तक जयपुर की सड़कों पर कार को "मौत" बनाकर दौड़ाता रहा। पुलिस अफसरों ने मंगलवार सुबह एक्सीडेंट स्थल की दुबारा जांच की। एफ.एस.एल. टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए। पुलिस अब "हिट-एंड-रन" की इस घटना का पूरा रूट मैप तैयार करने में जुटी है। उधर उस्मान खान के खिलाफ मृतक महिला ममता कंवर के पिता ने मामला दर्ज करवाया है।

- **पुलिस अफसरों ने मंगलवार सुबह एक्सीडेंट स्थल की दुबारा जांच की, एफ.एस.एल. टीम ने भी मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए**
- **आरोपी उस्मान खान के खिलाफ मृतक महिला ममता कंवर के पिता ने मामला दर्ज करवाया है**

एडिशनल डीसीपी (उत्तर) बजरंग सिंह शेखावत ने आरोपी उस्मान खान (62) ने सोमवार रात 9.30 बजे सबसे पहले एम.आई. रोड पर एक गाड़ी को टक्कर मारी। उसके बाद शहर की तंग गलियों से कार भगाते हुए वह नाहरगढ़ रोड पहुंचा था। हादसे में शास्त्री नगर निवासी वीरेंद्र सिंह (48), ममता कंवर (50), नाहरगढ़ रोड निवासी मोनेश सोनी (28), मानबाग खोर शारदा कॉलोनी निवासी मोहम्मद जलालुद्दीन (44) घायल हुए। वहीं, संतोषी माता मंदिर के पास निवासी दीपिका सैनी (17), गोविंदराव जी का रास्ता निवासी विजय नारायण (65), जेबुन्निशा (50), अंशिका (24) व लालदास का खाड़ा निवासी अवधेश पारीक (37) को भी घायल स्थिति में हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने ममता कंवर और अवधेश को मृत घोषित कर दिया।

मंगलवार सुबह एक और घायल वीरेंद्र सिंह ने भी दम तोड़ दिया। ममता कंवर और वीरेंद्र सिंह भाई-बहन थे। हादसे में गंभीर घायलों का सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के ट्रोमा वार्ड में इलाज चल रहा है। आरोपी उस्मान खान का भी सोमवार देर रात को ही मेडिकल कराया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वह काफी नशे में था। आरोपी ने नाहरगढ़ क्षेत्र में संतोष माता मंदिर के पास आरोपी ड्राइवर ने पहले स्कूटी-बाइक को टक्कर मारी, फिर सड़क पर गिरे लोगों को कुचलते हुए भाग गया।

आरोपी उस्मान जयपुर के शास्त्री नगर की राणा कॉलोनी का रहने वाला है। कार की टक्कर से मौके पर दम तोड़ने वाले अवधेश पारीक सैनेटरी पैड बेचने का काम करते थे। वह दो भाई और दो बहन थे, जिनमें से एक बहन की पहले ही मौत हो चुकी है और एक भाई दिव्यांग है।

इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश उपजा और लोगों ने पुलिस थाने का घेराव कर लिया। नाहरगढ़ थाने के बाहर प्रदर्शन में विधायक बालमुकुंदाचार्य, भाजपा नेता ज्योति खंडेलवाल, मनीष पारीक और लक्ष्मीकांत पारीक बैठे। भाजपा युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल रहे। नाहरगढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने मुलाकात कर ढाढस बंधाया। उन्होंने घायल लोगों के परिजनों को भी उचित मुआवजा व घायलों को बेहत्तर उपचार दिलाने की बात कहीं।

कांग्रेस ने उस्मान को जिला उपाध्यक्ष पद से हटाया

हादसे के बाद कांग्रेस पार्टी ने कड़ा फैसला लेते हुए आरोपी उस्मान को कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष पद से हटा दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी की विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में लोहे के पलंग बनाने की फैक्ट्री है। उस्मान खान लंबे समय से कांग्रेस से जुड़ा रहा है। वो जयपुर जिला कांग्रेस का उपाध्यक्ष था। मंगलवार सुबह जिला अध्यक्ष आर.आर.तिवाड़ी ने उसे जिला कार्यकारिणी से निष्कासित कर दिया। उस्मान खान के खिलाफ मृतक महिला ममता कंवर के पिता ने मामला दर्ज करवाया है।

ऐसे अपराधी को कड़ी सजा मिले : बालमुकुंदाचार्य

हवा महल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि नाहरगढ़ रोड पर जो दर्दनाक हादसा हुआ, उसने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। एक कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा तेज रफ्तार गाड़ी से आम नागरिकों को कुचलना न सिर्फ अमानवीय है, बल्कि यह कानून की खुली अवहेलना है। इस हादसे में कई मासूमों की जान गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल है। बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि मैं पीड़ित परिवारों के साथ न्याय दिलाने के लिए धरने पर बैठा हूं। मै विश्वास दिलाना चाहता हूं कि दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मैं व्यक्तिगत रूप से इस मामले को देख रहा हूं और ऐसे अपराधी को कड़ी से कड़ी सज़ा दिलवाने के लिए संकल्पित हूं। मुझे अपनी सरकार पर पूरा भरोसा है कि न सिर्फ दोषी को सख्त सजा मिलेगी। बल्कि पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द उचित सहायता और मुआवजा भी मिलेगा। हमारी सरकार हमेशा पीड़ितों के साथ खड़ी रही है, और इस बार भी न्याय पूरी मजबूती के साथ होगा।

घायलों से मिलने पहुंची दिया कुमारी

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए हिट एंड रन मामले में घायलों से मिलने के लिए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एसएमएस के ट्रॉमा वार्ड पहुंची। जहां उन्होंने घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने घायलों के परिजनों से भी मुलाकात की और बेहतर इलाज का आश्वासन देते हुए चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में कोई कोताही ना रहे। साथ ही परिजनों को ढांढस बंधाते हुए उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि इस तरह की घटना से मैं बहुत आहत हूं। नियम कानून सब हैं लेकिन हमें उनके पालन करना भी जरूरी होता है।ऐसे में गाड़ी चलाते हुए उन तमाम चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। सरकार के साथ-साथ आम लोगों को भी इस चीज को समझना होगा। उन्होंने घटना के मृतक व्यक्तियों के प्रति अपनी संवेदनाऐं व्यक्त की और कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सरकार मृतक परिवारों के साथ खड़ी है। परिवारों को उचित मुआवजा भी दिया जाएगा और कोशिश की जाएगी कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो।

- **घायलों की पूछी कुशल क्षेम परिजनों को दिया आश्वासन**
- **'इलाज में नहीं बरती जाएगी कोई कोताही'**

सार-समाचार

नई पीढ़ी का सिंधी भाषा से बढ़ायें जुडाव : वासुदेव देवनानी

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सिंधी भाषा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साहित्यिक परम्परा की वाहक है। सिंधी भाषा का सिंधी समुदाय की पहचान के साथ भाषागत विविधता को बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने सिंधी भाषा से नई पीढ़ी के जुडाव को बढ़ाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुये कहा कि इससे सिंधी भाषा का विकास होगा और युवा अपनी संस्कृति और भाषा से जुड़ सकेंगे। देवनानी मंगलवार को गोवा में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद की अखिल भारतीय स्तर की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में परिषद के सदस्य और अधिकारी ने भाग लिया। देवनानी ने कहा कि सिंधी भाषा के विकास से ही सिंधी भाषा को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि सिंधी समुदाय के लोग अपनी भाषा और संस्कृति को दुनिया से साझा करें। इसी से सिंधी भाषा को संरक्षित करने और भाषा की विविधता को बढ़ावा मिल सकेगा। सिंधी समुदाय की युवा पीढ़ी भी अपनी जडों से जुडी रहेगी। बैठक में परिषद के सदस्यों से चर्चा करते हुये देवनानी ने सिंधी भाषा को बढ़ावा देने और उसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिये अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिये। देवनानी ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में सिंधी भाषा को एक विषय के रूप में शामिल किया जा सकता है साथ ही सिंधी साहित्य के सिंधी लेखकों, सिंधी समाचारपत्रों व मीडिया में सिंधी कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जावें। देवनानी ने कहा कि सिंधी समुदाय के लोगों को सिंधी भाषा के विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

देवनानी की गोवा के राज्यपाल से मुलाकात

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को गोवा राजभवन में गोवा के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई से शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी की पिल्लई के साथ आधे घंटे की इस मुलाकात में गोवा और राजस्थान के ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। पिल्लई ने देवनानी को नव प्रकाशित पांच पुस्तकें भेंट की। देवनानी को पिल्लई ने हेवनली आईस लैण्ड ऑफ गोवा, बेसिक स्ट्रक्चर एण्ड रिपब्लिक, बामन वृक्ष कला, ओह मिजोरम और अहिल्या चिन्ताकाल पुस्तके भेंट की। देवनानी ने पिल्लई को उनकी रचनाओं के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने पिल्लई को विधानसभा का स्मृति चिन्ह और विधानसभा में नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक और विधान सभा की दैन्दिनी की प्रति भेंट की। गोवा के राज्यपाल ने देवनानी द्वारा विधानसभा में किये गये नवाचारों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उनकी इन पहलों को देश के अन्य विधान मण्डलों के लिए अनुकरणीय बताया। देवनानी के गोवा प्रवास के दौरान वहां के सिंधी समाज सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने उनका अभिनन्दन किया। देवनानी का शॉल ओढाकर, साफा पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। देवनानी को गोवा के सिंधी समाज के कविता आसनानी, सन्नी नारंग, राजा मेलवानी और अनिल रहेजा ने गोवा में सिंधी समाज के उत्थान और विकास के लिए आवश्यकताओं पर चर्चा करते हुए समस्याओं के बारे में बताया।

राजस्थान और गोवा पर्यटन के ऐतिहासिक धरोहर : देवनानी

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान और गोवा पर्यटन की दृष्टि से राष्ट्र के ऐतिहासिक धरोहर है। उन्होंने कहा कि गोवा में समुद्र तट और राजस्थान में रेत के धोरे देश व विदेश के लोगो के लिये आकर्षण के केन्द्र है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जीवनशैली सादगी और आतिथ्य प्रेम के लिये और गोवा की जीवनशैली प्रकृति से निकटता से जुडने का माध्यम है। राज्यों की सांस्कृतिक विविधता ही राष्ट्र की एकता का परिचायक है। देवनानी ने गोवा में राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत व केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपद नायक भी उपस्थित रहे। यह समारोह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में राजस्थान के प्रवासी लोग मौजूद थे। समारोह में राजस्थान के लोक नृत्य और गीत प्रस्तुत किये गये। समारोह का शुभारंभ अध्यक्ष देवनानी ने दीप प्रज्जवलित करके किया। देवनानी का गोवा की धरती पर राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत किया गया। देवनानी ने कहा कि राजस्थान के लोग देश और विदेश में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे है। उन्होंने राजस्थान के प्रवासियों को अपनी जड़ों से जुड़ने का आव्हान किया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों के लोगों का सम्मान किया। देवनानी ने गोवा प्रवास के दौरान गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से मुख्यमंत्री आवास पर शिष्टाचार भेंट की। देवनानी ने सावंत से विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। देवनानी ने सावंत को राजस्थान विधान सभा का स्मृति चिन्ह, विधान सभा दैनंदिनी और नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक भेंट की।

नाटक का मंचन होगा

जयपुर। पुण्यश्लोका रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को बिड़ला सभागार में एक भव्य नाटक का मंचन किया जा रहा है।

एकल पट्टा प्रकरण में सुनवाई 15 को

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में मंगलवार को पूर्व मंत्री शांति धारीवाल से जुडे चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता रहे अशोक पाठक को पक्षकार बनाए जाने के मुद्दे पर बहस हुई। वहीं अदालत ने शांति धारीवाल के वकील की मां के निधन के चलते मामले की सुनवाई 15 अप्रैल को रखी है। वहीं अदालत ने मामले में राज्य सरकार की ओर से गठित जस्टिस आर एस राठौड कमेटी के गठन को चुनौती देने वाली याचिका को मामले में अलग कर दिया है। अदालत ने पूर्व आईएएस जीएस संधू की इस याचिका को नियमित बैंच के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव की एकलपीठ ने यह आदेश शांति धारीवाल और राज्य सरकार की आपराधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान संधू और अन्य तत्कालीन सरकारी अधिकारियों के वकीलों ने मामले में अशोक पाठक के पक्षकार बनने के प्रार्थना पत्र का विरोध किया। वहीं राज्य सरकार के स्पेशल पीपी डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों को सुनवाई के लिए सीजे की एकलपीठ में भेजा है।

सी.एम.ने दादी रतनमोहिनी के देहावसान पर शोक जताया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रमुख राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के देहावसान पर गहरा शोक व्यक्त किया। शर्मा ने कहा कि करूणामयी व्यक्तित्व से परिपूर्ण दादी जी ने पूरा जीवन त्याग, तपस्या और मानवता की सेवा के लिए समर्पित किया। उनका देवलोकगमन आध्यात्मिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय दादी रतनमोहिनी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संस्कृत विश्वविद्यालय का बजट रोकने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से गत 17 फरवरी को आदेश जारी कर जगद्गुरू रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का बजट रोकने के मामले में संस्कृत शिक्षा सचिव, वित्त सचिव व विवि के पूर्व वित्त नियंत्रक दुर्गेश राजोरिया से 15 अप्रैल तक जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश विवि के वीसी की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि विश्वविद्यालय में दुर्गेश राजोरिया को वित्त नियंत्रक नियुक्त किया था और उसके पास ही परीक्षा नियंत्रक का भी चार्ज था। इस दौरान उसने बिना एनरोलमेंट के ही करीब 600 स्टूडेंट्स को परीक्षा दिलवा दी। बाद में उन्होंने स्वयं ही प्रस्ताव बनाकर भेजा कि हर स्टूडेंट से 5000 रुपए वसूले जाए। याचिका में कहा गया कि स्टूडेंट्स से यह राशि वसूलने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं था और इसलिए विवि ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति नहीं दी। मामला राज्यपाल के यहां जाने पर इसकी जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई। कमेटी ने राजोरिया को दोषी करार दिया, लेकिन इस दौरान ही मिलीभगत कर राज्य सरकार से आदेश जारी करवा लिया कि जब तक स्टूडेंट्स से राशि की वसूली नहीं होतजी, तब तक विवि को बजट जारी नहीं किया जाए।

आहुति शुक्ला ने दिया कुमारी से भेंट की

जयपुर। अयोध्या की सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर आहुति शुक्ला ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से मुलाकात की। अयोध्या से आहुति शुक्ला उपमुख्यमंत्री से मिलने के लिए जयपुर पहुंची थी। जहां पर्यटन भवन में उनकी मुलाकात हुई।

समर कंटीन्जेंसी के तहत स्वीकृत आकस्मिक कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें : भास्कर ए. सावंत

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने कहा कि समर कंटीन्जेंसी के तहत स्वीकृत कार्य सहित अन्य आकस्मिक कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें, जिससे इन कार्यों का लाभ ग्रीष्म ऋतु में आमजन को मिल सके एवं उन्हें किसी भी तरह की पेयजल की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने बजट घोषणा 2024-25 के तहत स्वीकृत ट्यूबवैल एवं हैण्डपंपों के कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये।

अतिरिक्त मुख्य सचिव मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित अधीक्षण अभियंताओं के साथ बजट घोषणा, समर कंटीन्जेंसी कार्य एवं जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समर कंटीन्जेंसीज के तहत स्वीकृत कार्यों में किसी भी तरह की देरी अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं करने के लिए भी निर्देश दिये। उन्होंने बजट घोषणा 2024-25 के तहत स्वीकृत टय्यूबवैल निर्माण में भरतपुर रीजन की शून्य प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कम प्रगति वाले जिलों में समयबद्ध कार्य योजना बनाकर हर हाल में कार्य पूरा किया जाए। निर्धारित अवधि में कार्य पूरा नहीं होने की स्थिति में जिम्मेदार अभियंताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने गर्मी के मौसम में सुचारू पेयजल व्यवस्था हेतु नलकूप निर्माण कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि बिजली कनेक्शन के कारण चालू नहीं किये जा सके नलकूपों को कार्यशील करने के लिए ऊर्जा विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी अतिरिक्त मुख्य अभियंता सहित अधीक्षण अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक ली।

- **स्वीकृत ट्यूबवैल निर्माण में भरतपुर रीजन की शून्य प्रगति पर गहरी नाराजगी जताई**

सावंत ने कहा कि मुख्य सचिव के निर्देश पर अवैध कनेक्शन लेने वालों के विरुद्ध 22 मार्च से संचालित अभियान में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही अवैध कनेक्शनों के चिह्निकरण के बाद उनके नियमितिकरण के लिए भी विशेष प्रयास किये जाएं। उन्होंने अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई नहीं करने वाले अभियंताओं के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए कहा। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि राइजिंग मेन लाइन से अवैध कनेक्शन लेने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई जाए। साथ ही अवैध कनेक्शन की वजह से जो वाटर सप्लाई बाधित हो रही है, उन्हें हटाने के लिए भी आवश्यक कार्यवाही की जाए, जिससे अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति को भी पानी मिल सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जल जीवन मिशन के तहत कार्य शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से कराए जाएं। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत तोड़ी गई सड़कों को भी ठीक कराया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत ओ एंड एम पॉलिसी शीघ्रता से लागू की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत पर दो नल जल मित्र नियुक्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंस में जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक कमर उल जमान चौधरी, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव संदीप शर्मा, मुख्य अभियंता (ग्रामीण) के.डी गुप्ता, मुख्य अभियंता (शहरी) मनीष बेनीवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

छह जांबाज पुलिसकर्मी "कांस्टेबल ऑफ द मंथ से सम्मानित"

जयपुर पुलिस आयुक्तालय में मंगलवार को पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को कांस्टेबल ऑफ द मंथ अवार्ड से नवाजा।

जयपुर। जयपुर पुलिस आयुक्तालय में मंगलवार को एक खास आयोजन हुआ, जहां उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को कांस्टेबल ऑफ द मंथ अवार्ड से नवाजा गया। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने इन जांबाजों को सम्मानित करते हुए उनके समर्पण और निष्ठा की सराहना की।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा, "हमारे ये पुलिसकर्मी न केवल अपने फर्ज को निभा रहे हैं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। ऐसे ही प्रयास जयपुर को सुरक्षित बनाते हैं।"

- **ये सिर्फ ड्यूटी नहीं, एक मिसाल है : पुलिस कमिश्नर**

वेदवीर (एसएमएस थाना, जिला पूर्व) ने अज्ञात मोबाइल चोरों की तलाश में दिन-रात एक कर दिया। सीसीटीवी फुटेज की गहन पड़ताल कर 2 शातिर चोरों को दबोचा और 7 लाख रुपए से अधिक कीमत के 43 एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए।

सुभाष निठारवाल (कार्यालय सहायक, एसीपी झोटवाड़ा) ने हाथोज बस स्टैंड से स्कॉर्पियो में युवक की जबरन अपहरण की घटना में तुरंत हरकत में आए। स्कॉर्पियो का पीछा कर चार अपहरणकर्ताओं को धर दबोचा, और एक बड़ी वारदात को समय रहते रोका।

गिरधर सिंह (थाना माणक चौक, जिला उत्तर) ने सीसीटीवी की मदद से चार मोटरसाइकिलें और 12 एसी पार्ट्स बरामद किए। चोरी करने वाली गैंग की पहचान कर महत्वपूर्ण लीड दी।

छोटूराम (थाना मानसरोवर, जिला दक्षिण): ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर मूल वाहन बरामद करवाया। साथ ही तीन और वाहन चोरों को पकड़ कर 7 मोटरसाइकिलें जब्त कीं।

संतोष कुमार (यातायात शाखा, जिला पूर्व): ने नारायण सिंह सर्किल जैसे व्यस्त तिराहे पर 8 माह तक दिन-रात ड्यूटी निभाई। यातायात संचालन से लेकर बसों की पार्किंग तक, सब कुछ सुव्यवस्थित रखा।

संगीता (कार्मिक कल्याण प्रकोष्ठ): ने दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों से तत्काल संपर्क कर उन्हें सभी लाभ जल्दी दिलवाए। वर्ष 2024 में आए 28 दावा प्रकरणों में से 24 का त्वरित निस्तारण किया।

राज्य सरकार किसानों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है : भजनलाल

'बजट में इंदिरा गांधी नहर परियोजना के लिए 3400 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया'

हनुमानगढ़ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं किसानों ने स्वागत किया।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ में कार्यकर्ताओं एवं किसानों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में शिरकत की

हनुमानगढ़/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। किसान कल्याण के लिए हम प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। सरकार ने किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रूपए कर दिया है। गेहूं की एमएसपी पर 150 रूपये का अतिरिक्त बोनस देने का निर्णय किया गया है। इस निर्णय का श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले के किसानों को बहुत लाभ मिलेगा, क्योंकि ये राज्य के सर्वाधिक गेहूं उत्पादक जिलों में से है। हमने करीब 47 लाख किसानों को लगभग 29 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण भी वितरित किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को हनुमानगढ़ के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं किसानों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह तथा सर्किट हाउस में आयोजित कार्यकर्ता बैठक को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि मैं स्वयं किसान परिवार से आता हूं। इसलिए किसानों की समस्याओं को भली भांति समझता हूं। सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो, इसके लिए हमने सरकार में आते ही ईआरसीपी को लेकर महत्वपूर्ण समझौता किया। हमने इस परियोजना का नामकरण राम जल सेतु लिंक परियोजना करते हुए इसके तहत 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्य प्रारंभ कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह हमने शेखावाटी को यमुना जल समझौते की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के लिए बजट में हमने 3 हजार 400 करोड़ के कार्यों की घोषणा की है। यहां के किसानों की पक्के खालों के पुनर्निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करने के लिए 590 करोड़ रुपये की लागत से संगरिया, टिब्बी, रावतसर, हनुमानगढ़ और पीलीबंगा के कुल एक लाख सात हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में पक्के खालों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जिससे सिंचाई का तंत्र और अधिक सुदृढ़ होगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। हमारे लिए सबसे पहले राष्ट्र है, पार्टी और व्यक्ति बाद में हैं। इस दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, पूर्व सांसद निहालचंद मेघवाल, पूर्व विधायक धर्मेन्द्र मोची एवं गुरदीप शाहपीनी, भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजपा प्रदेश मंत्री विजेन्द्र पूनिया, भाजपा के हनुमानगढ़ जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू, सभी जिला मोर्चा अध्यक्षों सहित भाजपा कार्यकर्ता, किसान एवं आमजन उपस्थित रहे।

प्लास्टिक के शोरूम में लगी आग से 80 लाख का नुकसान

शॉर्ट सर्किट होने से शोरूम के पीछे गोदाम में आग लगी थी

■ स्टाफ ने फायर फाइटिंग सिस्टम से आग बुझाने की कोशिश की

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक प्लास्टिक के सामान के शोरूम में अचानक आग लग गई। शोरूम खोलने के कुछ ही मिनट बाद आग लग गई जो धीरे-धीरे बेकाबू होती गई। तेज लपटें और धूएं का गुबार देख आसपास लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। आग लगने से करीब 80 लाख रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक प्लास्टिक के सामान के शोरूम में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट रूप से पता नहीं लगा है। स्मार्ट शॉपी नाम के शोरूम में प्लास्टिक के टेबल, कुर्सी सहित बर्तन आदि सामान बेचे जाते हैं। शोरूम में रखा सामान जलकर राख हो गया। ऐसे में लाखों रुपए का भारी नुकसान हुआ है। दुकान मालिक मोहनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि शॉर्ट सर्किट होने से आग शोरूम के पीछे गोदाम में लगी थी। स्टाफ को जब पता लगा तो उन्होंने फायर फाइटिंग सिस्टम से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन धीरे-धीरे आग बेकाबू होते हुए फैलती गई, जिसके बाद स्टाफ ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई। दुकान में लगभग सारा माल जलकर राख हो गया।

मकान का ताला तोड़ जेवर व नकदी चुराई

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में स्थित मकान का चोर ताला तोड़कर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। अन्यत्र पहाड़ा थाना क्षेत्र में सूने मकान से चोर चांदी के जेवरात चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित हेमन्त पुत्र औंकारलाल सोनी निवासी जे ब्लॉक सेक्टर 14 के सूने मकान का अज्ञात चोर गत दिनों ताला तोड़कर सोने का हार, सोने की 2 चेन, चार अंगूठियां, 4 चूड़ियां, चांदी की पायल 4 जोड़ी, बिछियां, 12 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। घर लौटने पर ताला टूटा हुआ एवं सामान बिखरा मिला, तलाश की तो जेवरात व नकदी गायब थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इसी तरह पहाड़ा थाना क्षेत्र मंजू देवी पत्नी दयालाल लबाना निवासी आडीवली के सूने मकान का पांच अप्रैल रात में चोर ताला तोड़ कर चांदी के कड़े व कंदोरा चुरा ले गए। पीड़िता मंजूदेवी नड़ियाद माताजी के दर्शन करने गई थी। वापस लौटी तो ताला टूटा हुआ था एवं सामान बिखरा पड़ा था।

नशे में धुत्त बोलेरो चालक ने बाइकों को कुचला

मालपुरा, (निसं)। मंगलवार की दोपहर लाम्बाहरिसिंह कस्बे मे मोरला रोड पर नशे में धुत्त एक बोलेरो चालक ने सड़क किनारे खड़ी आधा दर्जन बाइकों को कुचल दिया। बस स्टेण्ड पर बैठे लोगों ने बताया कि दोपहर मे नशे में धुत्त एक व्यक्ति बोलेरो कार को बस स्टेण्ड से मोरला रोड तक तेज गति से भगाता हुआ ले जा रहा था। इसी दौरान चालक ने सड़क किनारे खड़ी आधा दर्जन बाइकों को टक्कर मार तकरीबन दो सौ मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। गनीमत रही कि हादसे के दौरान बाइकों पर कोई व्यक्ति सवार नहीं थे। लोगों ने पीछा कर बोलेरो चालक को दबोच धुनाई कर दी। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस को लोगों ने चालक को पुलिस के सुपुर्द किया।

चोरी की 10 बाइक पकड़ी

कोटा, (निसं)। बपावरकलां पुलिस ने पूर्व में पकड़े गये दुपहिया दो वाहन चोरों से पूछताछ के आधार पर चोरी की 10 मोटरसाईकिलों को और बरामद किया हैं। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बपावरकलां पुलिस टीम ने एक फरियादी की मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट पर कार्यवाही कर दुपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया था।

स्कूल से लाखों का माल चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

■ आरोपियों से पुलिस ने चोरी किया नौ लाख का माल बरामद किया

उदयपुर, (निसं)। जिले के झाड़ोल थाना क्षैत्र में मोहम्मद फलासिया स्थित राजकीय विद्यालय से लाखों का माल चोरी करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चोरी किया नौ लाख का माल बरामद किया।

प्रकरण के अनुसार 4 अप्रैल 2023 को हेमन्त पुत्र प्रभुलाल निवासी गोदाणा हाल प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहम्मद फलासिया ने झाड़ोल पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि विद्यालय से राज्य सरकार की योजना के तहत प्राप्त 2 एलईडी, सेटअप बॉक्स व अन्य सामग्री चोरी हो गई हैं, जिसकी बाजार कीमत 9 लाख रूपये है।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक नेत्रपालसिंह के सुपरविजन में झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी रोशनलाल पुत्र दीताराम निवासी मोहम्मद फलासिया, अशोक कुमार पुत्र मालूराम निवासी मोहम्मद फलासिया, लोकेश कुमार पुत्र शिवलाल निवासी मोहम्मद फलासिया को डिटेन कर पूछताद के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों चोरी किया नौ लाख रूपये का माल बरामद किया। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

निजी लैब से जांच कराने पर अधीक्षक जयपुर तलब

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल में मरीजों के निशुल्क इलाज के नाम पर अव्यवस्थाएं थम नहीं रही। बच्चा अस्पताल में मरीजों को दवाएं भी खरीदनी पड़ रही हैं। बुखार, एलर्जी, दस्त जैसी सामान्य दवाएं भी डीडीसी पर नहीं मिल रही हैं। उधर भर्ती बच्चों की जांचें निजी लैब से कराने के मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट लेकर अधीक्षक को जयपुर तलब कर लिया गया है।

पीबीएम बच्चा अस्पताल में बच्चों के बुखार के लिए सिरप पेरासीटामोल, अस्थमा में काम आने वाली सालबुटामोल, एंटी एलर्जी सेट्राजीन, हाइड्रोजन ड्रॉप, नेजल स्लीव, सिरप मल्टीविटामिन, पोटेशियम क्लोराइड, फेनोबार्टियो, एजीथ्रोमाइसिन 250, लैक्टिक एसिड और इंजेक्शन सोडियम वैलप्रोएट की निशुल्क सप्लाई नहीं हो रही। ओपीडी और आईपीडी दोनों ही तरह के मरीजों का यह दवाएं डीडीसी पर निशुल्क उपलब्ध नहीं है। उन्हें मजबूरी में बाहर से खरीदनी पड़ रही है। अधिकांश मरीज बुखार, जुकाम, एलर्जी, दस्त के आ रहे हैं। उन्हें पूरी दवाएं नहीं मिल रहीं। सबसे ज्यादा परेशानी भर्ती मरीजों को हो रही है। रात के समय इमरजेंसी में दवा की जरूरत पड़ने पर अस्पताल से बाहर मेडिकल की दुकानों पर जाना पड़ता है।

पन्द्रह लाख का अवैध-डोडा पोस्त सहित एक गिरफ्तार

भीनमाल पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त सहित एक आरोपी को गिरपतार किया

■ छह प्लास्टिक के कट्टे व एक बोरे में 99 किलो डोडा-पोस्त मिला

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के भीनमाल पुलिस ने मंगलवार को 99 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त परिवहन में प्रयुक्त वाहन स्वीफ्ट कार को भी जब्त किया है। बरामदसुदा अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की बाजार कीमत 15 लाख रूपये आंकी गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली कि एक स्वीफ्ट गाड़ी संदिग्ध लग रही है तथा उसमें अवैध मादक पदार्थ भरा हुआ होने की संभावना है जिस पर जिले में नाकाबंदी शुरू की गई। पुलिस थाना रामसीन एवं भीनमाल की नाकाबंदी तोड़कर फरार होने पर एक स्वीफ्ट कार की गजीपुरा, कोडिटा, सावीदर, खाण्डादेवल में तलाश की गई तथा पीछा कर रामेश्वर भाटी थानाधिकारी भीनमाल मय जाब्ता द्वारा सरहद गजीपुरा से स्वीफ्ट कार मय आरोपी को दस्तयाब किया गया। कार की तलाशी ली गई तो 6 प्लास्टिक के कट्टे व एक बोरे में 99 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त मिला। डोडा-पोस्त को बरामद कर आरोपी धोलाराम उर्फ धिरेन्द्र पुत्र करनाराम तेतरवाल विश्नोई निवासी लापला की ढाणी पुनासा को गिरफ्तार किया गया।

वहीं सहयोगी आरोपी विकास पुत्र किसनाराम जांगु विश्नोई निवासी पुनासा की तलाश जारी है। मुलजिम के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच थानाधिकारी पुलिस थाना रामसीन द्वारा की जा रही है। बरामद अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की बाजार किमत करीबन 15 लाख रूपये आंकी गई है।

खेत में दबिश देकर अफीम डोडा-चूरा पकड़ा

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस को मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत जयपुरा गांव के एक खेत से 74.815 किलो अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी हरजीलाल यादव के मार्गदर्शन में कपासन थाना पुलिस ने यह अहम कार्रवाई अंजाम दी।

कार्यवाहक थानाधिकारी चन्द्र प्रभात के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर जयपुरा गांव स्थित एक खेत में दबिश दी। तलाशी के दौरान खेत में तिरपाल के नीचे छिपाकर रखे गए चार प्लास्टिक के कट्टों में यह मादक पदार्थ मिला। पुलिस ने खेत से 74.815 किलो अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद कर खेत के मालिक कालूराम (25) पुत्र चुन्नीलाल गाडरी निवासी जयपुरा को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

इस कार्रवाई में कार्यवाहक थानाधिकारी चन्द्रप्रभात के साथ कांस्टेबल महेंद्र सिंह, राजेश, बद्रीलाल, कुंज बिहारी, किशनलाल, लक्ष्मीनारायण, वेदप्रकाश एवं चालक युवराज सिंह शामिल थे।

रामगंजमण्डी नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को निलम्बित किया

निलम्बित पालिका अध्यक्ष देवीलाल सैनी

निलम्बित पालिका उपाध्यक्ष रमेश कुमार

■ पालिकाध्यक्ष पर कार्मिकों से मिलीभगत कर पद का दुरुपयोग कर कॉलोनाइजर को लाभ पहुंचाने का आरोप हैं

■ पालिका उपाध्यक्ष रमेश कुमार पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के आरोप हैं

रामगंजमण्डी, (निसं)। स्वायत्त शासन विभाग ने मंगलवार को रामगंजमण्डी नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को निलम्बित किया है। दोनों को अलग-अलग आरोपों के तहत कार्यवाही करते हुए निलम्बित किया गया है। पालिकाध्यक्ष देवीलाल सैनी पर कार्मिकों से मिलीभगत कर पद का दुरुपयोग करते हुए कॉलोनाइजर को लाभ पहुंचाने एवं उपाध्यक्ष रमेश कुमार पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के आरोप हैं। मामले की जांच प्रभावित होने की संभावना के चलते दोनों को निलम्बित किया है। आदेश जारी होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई।

स्वायत्त शासन विभाग निदेशक इंद्रजीत सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार नगर पालिका रामगंजमण्डी में पालिकाध्यक्ष द्वारा पद का दुरुपयोग करते हुए कॉलोनाइजर को लाभ पहुंचाने एवं पालिका उपाध्यक्ष द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के मामले विभाग के सामने आए थे। इन मामलों की जांच डीडीआर कोटा से करवाई गई तो जांच में पालिकाध्यक्ष देवीलाल सैनी द्वारा नियम विरुद्ध रहन रखे गए पट्टों को जारी कर पंजीयन करवाया जाना पाया गया। वहीं पालिका उपाध्यक्ष रमेश कुमार द्वारा विभाग को प्राप्त जांच रिपोर्ट और आरोप पत्र के आधार पर प्रथम दृष्ट्या 1997 व उसके पश्चात से निरंतर नगरपालिका की बगीचा कुंड की भूमि में मोहनलाल सुखाड़िया कॉलोनी के भूखंड संख्या 33 एवं 34 के नियमानुसार निष्पादन (नीलामी) की कार्यवाही को एक से अधिक बार बाधित किया गया है, जिससे नगरपालिका को राजस्व हानि हुई और रमेश कुमार उपाध्यक्ष नगरपालिका रामगंजमंडी एवं उनके परिवार का नगरपालिका रामगंजमंडी की भूमि पर कब्जा है। इस पर पालिकाध्यक्ष और उपाध्यक्ष को नोटिस जारी किए गए, लेकिन विभागीय स्पष्टीकरण के नोटिस पर दोनों के जबाव संतोषप्रद नहीं मिले।

आदेश में बताया गया है कि ऐसे में पालिकाध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने पद का दुरुपयोग किया है और राज्य सरकार की ओर से नगर पालिका अधिनियम में न्यायिक जांच करवाने का निर्णय लेते हुए यह प्रकरण न्यायिक जांच के लिए विधि विभाग को प्रेषित किए हैं। पद पर रहने से जांच प्रभावित होने की संभावना है। तथ्यों, प्राप्त रिपोर्ट और संबंधित रिकार्ड के आधार पर पालिकाध्यक्ष सैनी और उपाध्यक्ष रमेश कुमार को नगर पालिका अधिनियम की धाराओं के तहत सदस्य पद से भी निलंबित किया है। नगर पालिका रामगंजमण्डी के ईओ तरुण कुमार लहरी ने बताया कि पालिकाध्यक्ष देवीलाल सैनी और उपाध्यक्ष रमेश कुमार को डीएलबी ने आदेश जारी कर निलम्बित कर दिया है। इसके आदेश प्राप्त हो गए हैं।

Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad
(3rd Floor, B-Block Udhyog Bhawan, C-Scheme, Jaipur-302005) Contact no. 2227416, 5188112
40(2)RD/RGAVP/Store/2024/-00703/310 Dated :- 07/04/2025
NOTICE INVITING BIDS
Online Bid for Purchase of VC Setup for Meeting Hall AIO Computer and AIO Printer for Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad (Third Floor, B- Block, Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur) by 22/04/2025 till 2 PM. The estimated value of procurement is Rs 18,50,000/-. Bid is to be applied only through e-Proc **https://eproc.rajasthan.gov.in/.** Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal **htpp://sppp.rajasthan.gov.in** of the State and RGAVP portal.
NIB RGA2526A0003, UBN RGA2526GSLB00004
Tender Reference No.: 15395, Tender ID: 2024_RGAVP_429597_1
Raj.Samwad/C/25/433 Project Director (Admin), RGAVP

कार्यालय नगर पालिका कुड़ी भगतासनी जिला-जोधपुर
सेक्टर-सी विवेक विहार योजना, कुड़ी भगतासनी, जोधपुर
ई-मेल- Np.kudi.bh@rajasthan.gov.in
क्रमांक : न.पा.कु./2024-25/717 दिनांक :- 03.04.2025
NOTICE INVITING BIDS
Bid for Annual Rate Contrct of procurement are invited from interested Bidders upto 15.04.2025, 9.00 AM other perticulars of the bid amy be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) or (www.gem.gov.in) of the state, and local self department website.
NIB CODE :- DLB2526A0128
UBN :- DLB25256GSGB00504
Executive Officer
राज.संवाद/सी/25/380 Municipal Board KUDI BHAGTASANI

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/135-37 दिनांक : 04.04.2025
ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 01/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, पर देखें। कार्यो की लागत 6.47 लाख रूपये से 46.38 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :- 1. DLB2526WSOB00598, 2. DLB2526WSOB00600, 3. DLB2526WSOB00602, 4. DLB2526WSOB00605
राज.संवाद/सी/25/474 आयुक्त, नगर परिषद बारां

कार्यालय नगर परिषद बारां
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां (राज0) Phone : 07453-230106
क्रमांक :- न.प.बा./स्वास्थ्य शाखा/2025/153-54 दिनांक :- 04.04.2025
निविदा सूचना संख्या : 02/2025-26
नगर परिषद बारां द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु इस कार्यालय के लिए कचरा उठाने वास्ते ट्रेक्टर-ट्रोली मय डीजल ड्राईवर किराये पर लेने के कार्य हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते वेब पार्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी देख सकते है। निविदायें http://eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से प्राप्त की जावेगी। कार्य की लागत 20 लाख रूपये है। तथा UBN NO. DLB 2526GLOB00703 है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/472 नगर परिषद बारां

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/ दिनांक :- 04/04/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - मुख्यालय/01/2025-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 2 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो जो निविदा की निर्धारित शर्तो को पूर्ण करती है से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है। UBN No.: JOD2526WSOB00004
राज.संवाद/सी/25/426 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां
E Mail ID-npchhabra5@gmail.com Phone No-07452-222025
क्रमांक ::-न0पा0छ0/2025/1841 दिनांक ::- 04.04.2025
-:: ई-निविदा सूचना ::-
NIB NO- DLB2526A0173
नगरपालिका छबडा द्वारा निम्न कार्य हेतू अनुमानित 20.00 लाख रूपये की लागत से उपयुक्त श्रैणी में स्वायत शासन विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/डाक दूर संचार विभाग रेल्वे इत्यादी में पंजिकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के सक्षम श्रैणी में पंजीकृत है से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है संवेदक ई-निविदा को पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर देख सकते है एवं पोर्टल www.eprocument.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

S.No	UBN NO
1	DLB2526WSOB00675

Sppp पोर्टल पर ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	02.04.2025 को साय 4.00 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की प्रारम्भ तिथि	02.4.2025 सांय 5 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	15.04.2025 दोपहर 2 बजे तक
कार्यालय में दस्तावेज जमा कराने की तिथि	15.04.2025 सांय 4 बजे तक
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्राप्त तकनीकी बिड खोलने की तिथि	15.04.2025 सांय 5 बजे बाद

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/378 नगरपालिका छबडा

Jodhpur Development Authority, Jodhpur
जोधपुर विकास प्राधिकरण
E-Auction Programme of Residential, Commercial Plots & Flats in Jodhpur (April-June 2025)
(अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर भव्य ई-नीलामी)
क्रमांक :- एफ46 / नीलामी/2025/अप्रेल / 14598302 दिनांक 03.04.2025
82 भूखण्डों की भव्य ई-नीलामी
दिनांक 30.04.2025 से 11.06.2025 तक
आवासीय, व्यावसायिक भूखण्ड एवं फ्लेट इत्यादि
विवेक विहार में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 455.38 वर्ग मीटर) 57
वोम्बे योजना ग्राम चौखा में कुल भूखण्ड / आवास (41.80 वर्ग मीटर) 06
मेगा आवास योजना ग्राम आंगणवा में कुल फ्लेट (30.20 वर्ग मीटर) 19
ईएमडी जमा दिनांक 30 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ
ऑनलाइन बिड प्रारम्भ तिथि: 30 अप्रैल 2025 अंतिम तिथि : 11 जून 2025
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें।
राज.संवाद/सी/25/463
मोबाईल नं. 80030-94374, 09505-72382 फोन- 0291-2656355.2656356
नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें।
नीलामी की प्रक्रिया SSO ID के जरिये Urban Services के माध्यम से की जाएगी।

'पूर्व विधायक आहूजा को पार्टी की सदस्यता से किया निलंबित

भाजपा में किसी प्रकार की अस्पृश्यता करने तथा जाति, लिंग या मजहब के आधार पर भेदभाव करने वालों के लिए जगह नहीं है : मदन राठौड़

- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि, ''आहूजा का यह कृत्य घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है, उन्हें निलंबित करने के साथ कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।''**
- **'कांग्रेसी नेता उस्मान खान ने मंदिर के बाहर लोगों पर कार चढ़ाई, कांग्रेस को लेना चाहिए गंभीरता से'**

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा को प्राथमिक सदस्यता से निलम्बित करने के बाद मीडिया बाइट में कहा कि भारतीय जनता पार्टी में किसी भी प्रकार की अस्पृश्यता करने वाले तथा जाति, लिंग या मजहब के आधार पर भेदभाव करने वालों के लिए जगह नहीं है। पूर्व विधायक आहूजा के बयान और कृत्य के बाद उन्हें पार्टी ने तत्काल प्रभाव से सदस्यता से निलंबित कर दिया, इसके साथ ही उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। आहूजा का यह कृत्य घोर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। कांग्रेसी नेताओं के पास कोई मुद्दा नहीं बचा तो वे बिना वजह इस मामले को तूल देने का कार्य कर रहे है। आहूजा के बयान के बाद पार्टी ने जब तत्काल कार्रवाई कर दी तो इस मामले पर राजनीति नहीं करनी चाहिए थी। अब कांग्रेस के पास कोई काम बचा ही नहीं क्या।

राठौड़ ने कहा कि भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही यह प्रतिज्ञा दिलाई जाती है कि ''मैं किसी भी रूप में अस्पृश्यता को नहीं मानता हूं, न उसे व्यवहार में आने देता हूं। मैं जाति, लिंग एवं मजहब के आधार पर किसी प्रकार के भेद-भाव पर विश्वास नहीं करता हूं।'' लेकिन आहूजा ने ऐसा कृत्य किया जिसे पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी की ओर से इसे घोर अनुशासनहीनता मानते हुए कार्रवाई भी की। राठौड़ ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा अल्पसंख्यकों के कल्याण और उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है लेकिन कुछ अल्पज्ञान वाले लोगों के चलते हमारी मेहनत खराब हो जाती है। ऐसे में मेरा सभी से आव्हान है कि किसी भी तरह का कृत्य करने या बयान जारी करने से पहले हमें पार्टी की विचारधारा और कार्यशैली को समझने की जरूरत है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस नेता उस्मान खान द्वारा मंदिर के बाहर खड़े लोगों के ऊपर कार चढ़ाने के मामले को कांग्रेस पार्टी गंभीरता से ले, लेकिन इस विषय पर बोलने की बजाय, जो मुद्दा नहीं है, उसे तूल दिया जा रहा है। उस्मान ही नहीं, कर्नाटक के एक कांग्रेसी सांसद ने तो सदन में वक्फ बिल चर्चा के दौरान कांच की बोतल को तोड़कर संयुक्त संसदीय समिति के चेयरमैन जगदंबिका पाल पर फेंकने जैसा घोर निदंनीय कृत्य किया था। इसी आक्रोश से उस्मान खान ने मंदिर के बाहर खडे लोगों पर कार चढ़ाने का काम किया। कांग्रेस को इन विषयों को गंभीरता से लेना चाहिए, लेकिन कांग्रेस इन विषयों पर बोलने की बजाय जो मुद्दा नहीं है, उसे मुद्दा बना रही है यह सही नहीं है।

दिनदहाड़े तीन महिलाओं की चेन और पर्स पार

जयपुर । शहर में तीन महिलाओं से बदमाश सोने की चेन और पर्स ले गए। सहकार मार्ग निवासी तेजपाल सोनी ने नाहरगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह अपनी पत्नी के साथ प्रोग्राम में गया था। वापस लौटने के दौरान बगरू वालों के रास्ते में मिनी बस सवार युवकों से कहासुनी हो गई।

कहासुनी के बाद बस सवार युवकों ने दम्पत्ती से मारपीट की और महिला के गले से सोने की चेन ले गए। घटना के बाद पीडित थाने पहुंचे और मामला दर्ज करवाया। दूसरी घटना में बिंदायका निवासी सोमा कंवर ने नाहरगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह चांदपोल बाजार में बालाजी के दर्शन करने गई थी। इसी दौरान किसी ने उसके बैग से पर्स पार कर लिया। पर्स में 3000 रुपए, सोने की चेन और सोने के टॉप्स रखे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

तीसरी घटना में श्योपुर रोड सांगानेर निवासी सुप्रिया ने माणक चौक थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह गणगौर की सवारी देखने आई थी। त्रिपोलिया गेट पर किसी ने उसके गले से सोने की चेन पार कर ली। घटना का पता चलने पर पीडिता ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रदेश में अधिक से अधिक पशुओं और पशुपालकों को लाभ पहुंचाएं : कुमावत

पशुपालन-गौपालन मंत्री ने जोराराम कुमावत ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों के संयुक्त निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक ली।

जयपुर । पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में मंगलवार को टोंक रोड स्थित आरएलडीबी सभागार में पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में शासन सचिव, पशुपालन और गोपालन डॉ समित शर्मा, पशुपालन निदेशक डॉ आनंद सेजरा, गोपालन निदेशक प्रह्लाद सहाय नामा भी उपस्थित थे। बैठक में पशुपालन मंत्री कुमावत ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में स्वास्थ्य प्रमाण पत्रों की प्रगति, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के संचालन, एफएमडी टीकाकरण की प्रगति और पशु गणना आदि की जिलेवार समीक्षा की और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे जिलों के अधिकारियों से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा में अब तक 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण हो चुका है और 80 हजार से अधिक पशुओं के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी हो चुके हैं साथ ही 5 हजार से अधिक पशुओं की बीमा पॉलिसी भी जारी कर दी गई है। मंत्री कुमावत ने इस पर असंतोष व्यक्त करते हुए बीमा के काम में और गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने शेष रह गए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी शीघ्र जारी करने के निर्देश देते हुए दो महीने के अंदर सभी पशुओं की बीमा पॉलिसी जारी करने के निर्देश दिए।

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के प्रभावी संचालन पर चर्चा करते हुए कुमावत ने कहा कि मोबाइल वेटरिनरी यूनिट भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी और महत्वपूर्ण योजना है। सरकार इस योजना पर काफी बजट खर्च कर रही है लेकिन अभी जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल रहे हैं। अभी क्षेत्र से शिकायतें आती हैं। उन्होंने जिला अधिकारियों से कहा कि अगर कोई समस्या है तो उसे निदेशालय को बताएं उसके निराकरण का प्रयास किया जाएगा।

बैठक में अतिरिक्त निदेशक पशुपालन डॉ सुरेश मीना, डॉ प्रवीण सेन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा सभी संभागीय अतिरिक्त निदेशक और प्रदेश के सभी जिलों के संयुक्त निदेशक ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

कार लेकर जा रहा ट्रेलर पुलिया से नांगल पुलिया से नीचे गिरा

बाइक को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, चालक-खलासी घायल

जयपुर । राजधानी जयपुर के झोटवाड़ा इलाके में बाइक को बचाने के चक्कर में ट्रेलर नांगल पुलिया से नीचे गिर गया। इससे ट्रेलर चालक व खलासी घायल हो गए।

हादसे में ट्रेलर का आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेलर में कार भरी थी। वह मुंबई से गुड़गांव जा रहा था। गनीमत रही कि हादसे के दौरान पुलिया के नीचे कोई गुजर नहीं रहा था। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। हादसे की जांच दुर्घटना थाना पश्चिम कर रही है। पुलिस के अनुसार मंगलवार शाम करीब सवा चार बजे मुंबई से गुड़गांव जा रहा ट्रेलर अचानक सामने आई बाइक को बचाने के चक्कर में नांगल पुलिया से बेकाबू होकर नीचे जा गिरा। हादसे में ट्रेलर चालक व खलासी घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने घायलों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उनका उपचार जारी है। पुलिस ने ट्रेलर को सड़क के साइड में खड़ा करवा दिया है।

51 ग्राम स्मैक के साथ ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

- **स्पेशल टीम ने आरोपी को सांगानेर क्षेत्र से पकड़ा**
- **बरेली का रहने वाला यह तस्कर छोटे-छोटे पैकेट बनाकर ग्राहकों को बेचता था**

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सांगानेर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 51.74 ग्राम मादक पदार्थ स्मैक जब्त की है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि तस्कर यह स्मैक बेचने के लिए लाया था और जिसे ग्राहक को बेचने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपी तस्कर से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने सांगानेर थाना इलाके में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले ड्रग्स तस्कर फैजुल अंसारी (25) निवासी शेरगढ़ बरेली (उत्तर प्रदेश) हाल सांगानेर मालपुरा गेट को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से मिली 51.74 ग्राम स्मैक को जब्त किया गया। पूछताछ में उसने अपने साथी से स्मैक तस्करी कर छोटे-छोटे पैकेट बनाकर अपने ग्राहक को बेचना स्वीकार किया। पुलिस आरोपी से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

विश्व नवकार मन्त्र दिवस आज

जयपुर । आध्यात्मिक उन्नित, शांति और सकारात्मक ऊर्जा को सशक्त करने के उद्देश्य से पूरे भारत में विश्व नवकार मन्त्र दिवस 9 अप्रैल को मनाया जा रहा है। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन की ओर से देशभर में आयोजित हो रहा है। ये आयोजन जयपुर, कोटा, उदयपुर, भीलवाड़ा व अजमेर सहित देश के 75 शहरों और 23 अन्य देशों के श्रद्धालु एक साथ नवकार मन्त्र का जाप करेंगे। 9 मार्च को भव्य रूप से आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम को शहर के 20 से अधिक जगहों पर किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम सी-स्किम स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया जाएगा। सुबह एक साथ नवकार मन्त्र का जाप किया जाएगा। इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े भी शिरकत करेंगे। दिल्ली में विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे।

सार-समाचार

श्रेया बनीं ''मिस प्राइड ऑफ राजस्थान''

जयपुर । ग्लैमर, हुनर और सम्मान का अद्वितीय संगम राजस्थान फैशन फेस्टिवल 2025 के दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ मालवीय नगर स्थित फोर्ट, जश्न में हुआ। वंशिका आर्ट्स एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित इस फेस्टिवल के तहत मिस एंड मिसेज़ प्राइड ऑफ राजस्थान सीजन 3 और राजस्थान प्राइड अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए फाउंडर और आयोजक, पूजा मक्कड ने बताया कि, ''मिस प्राइड ऑफ राजस्थान सीजन 3 की श्रेया अरोड़ा विजयता; पहेली रनर उप मुस्कान वर्मा और दूसरी रनर उप खुशबू कुमावत एंड मिसेज़ प्राइड ऑफ राजस्थान सीजन 3 की विजेता लिपी पांडे पहेली रनर उप अनुकृति और दूसरे रनरउपमाधवीरहीं। जिनका चयन मिस प्राइड ऑफ राजस्थान 2023, दिशा कुमावत; मिसेज़ प्राइड ऑफ राजस्थान 2023, दलजीत परसीजा और मिस फेमिना एफबीबी कलर टॉप 7 फाइनलिस्ट, ऐश्वर्या नौटियाल और मॉडल एंड एक्ट्रेस, दीपांशी तिवारी ने किया। चेयरमैन, के.वी.एस.एस, लालचंद चिराग और ओनर, सनीर बुटीक होटल, प्रतीक सलूजा ने बताया कि, कार्यक्रम का मुख्य और विशेष आकर्षण रहा कैंसर सर्वाइवर द्वारा रैंप वाक जिसमें मनीला सिंह; तमन्ना वर्मा; सिमरन श्रीमाल और शशि छजलानी ने भाग लिया। जिनको एपी कलेक्शंस के अलोक अग्रवाल ने डिज़ाइन किया था। राजस्थान के विभिन्न शहरों से चयनित प्रतिभागियों ने इस भव्य कार्यक्रम में आत्मविश्वास, सौंदर्य और शैली का अद्भुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जयपुर मेयर, ज्योति खंडेलवाल; मिसेज़ इंडिया इंटरनेशनल, दीप्ती सैनी चौधरी; अपनी मूछों की लंबाई के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, राम सिंह चौहान रहे। मनोज सोनी ने इस कार्यक्रम का निर्देशन किया है।

संतोष अग्रवाल जिलाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर । प्रदेश अग्रवाल महासभा राजस्थान में संतोष अग्रवाल को जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। महासभा परिवार ने उनको बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह नियुक्ति प्रदेशाध्यक्ष विनोद गोयल और प्रदेश महामंत्री मक्खन लाल कांडा ने की है।

स्थाई वारंटी रमेश आहुजा गिरफ्तार

जयपुर । सुभाष चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए स्थाई गिरफ्तारी वारंट में रमेश आहुजा को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से इनामी और वांछित स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए सुभाष चौक थाना पुलिस ने रमेश आहुजा उर्फ राहुल उर्फ रामू उर्फ रमू निवासी नाहरगढ जयपुर को किया है। सुभाष चौक पुलिस ने इनामी स्थाई वांरट में गौरीशंकर उर्फ बंटी निवासी बयाना जिला भरतपुर हाल मानसरोवर को पकडा है।

जयपुर पश्चिम के थानों में दर्ज हुए अपराधों की समीक्षा

जयपुर । अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) ने जिला जयपुर पश्चिम का वर्ष 2024 का वार्षिक निरीक्षण किया और जिला पश्चिम जयपुर के थानों में दर्ज अपराधों की समीक्षा की गई। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. रामेश्वर सिंह ने जिला जयपुर पश्चिम का वर्ष 2024 का वार्षिक निरीक्षण किया। कार्यालय पुलिस उपायुक्त जिला पश्चिम की अपराध शाखा, जिला विशेष शाखा, कार्यप्रणाली शाखा, तकनीकी शाखा मानव तस्करी विरोधी यूनिट, बल शाखा एवं गोपनीय शाखा का अवलोकन व निरीक्षण किया। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर द्वारा कार्यालय की शाखाओं के अवलोकन व निरीक्षण से पूर्व कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के पुलिस अधिकारियों की बैठक ली जाकर दर्ज अपराधों एवं कानून व्यवस्था की स्थिति जानी।

जयपुर-मुंबई फ्लाइट को बम से उडाने की धमकी

- **बाथरूम में मिला बम होने का लेटर, जांच में जुटी मुंबई पुलिस**

जयपुर । जयपुर से मुंबई गई इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई - 5282 में बम होने का लेटर मिलने के बाद मुंबई एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। इसके बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एंटी बम स्क्वॉड और पुलिस-प्रशासन को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पूरी फ्लाइट की सघन चैकिंग की गई। इसमें किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद सभी लोगों ने राहत की सांस ली।

दरअसल, जयपुर से मुंबई जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6ई - 5282 में एक धमकी भरा नोट मिलने से सोमवार रात मुंबई एयरपोर्ट पर मिलने से अफरा तफरी मच गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर रात 8 बजकर 43 मिनट पर मुंबई एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। फ्लाइट को सुरक्षित लैंड कराया गया। यह फ्लाइट रात करीब 8 बजकर 50 मिनट पर लैंड हुई। जिसके बाद फ्लाइट को सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत रिमोट बे में पार्क कर सभी पैसेंजर्स को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि फ्लाइट की लैंडिंग के बाद ट्रैकिंग के दौरान एयरलाइंस स्टाफ को फ्लाइट के बाथरूम में एक लेटर मिला था। इसमें फ्लाइट में बम होने की जानकारी थी। इसके बाद एयरपोर्ट सिक्योरिटी और पुलिस की टीम ने पूरी फ्लाइट की सघन चेकिंग की। कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद अब मुंबई पुलिस की टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि धमकी भरी चिट्ठी बाथरूम में किसने और क्यों रखी थी।

कॉलेज छात्रा से सरेराह छेड़छाड़

जयपुर । करणी विहार इलाके में एक कॉलेज छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी रास्ते में पीछा कर गंदे कमेंट करता है। उससे बात नहीं करने पर एडिट फोटोज को वायरल करने की धमकी देता। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

मामले की जांच एसीपी वैशाली नगर आलोक गौत्तम कर रहे है। पुलिस ने बताया कि करणी विहार की रहने वाली 21 साल की युवती ने मामला दर्ज करवाया कि वह एक प्राइवेट कॉलेज में पढ़ती है। आरोप है कि इमरान नाम का लड़का रास्ते से आते-जाते समय उसका पीछा करता है। रास्ते में छेड़छाड़ करने के साथ गंदे कमेंट करता है। उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल-मैसेज कर बात करने के लिए धमकाता है। मना करने पर एआई से फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी देता है। टॉर्चर से परेशान होकर पीड़िता ने करणी विहार थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

चूड़ी कारखाने से पांच बाल श्रमिकों को छुडाया

- **बच्चों से 12 से 14 घंटे तक चूड़ी बनाने का काम करवाते थे आरोपी**

जयपुर । भट्टा-बस्ती थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चूड़ी बनाने के कारखाने में काम कर रहे पांच बालश्रमिकों को छुड़ाया है। वहीं पुलिस की कार्रवाई के दौरान कारखाना संचालक वाल्मीकी चौधरी निवासी नीमचक बथानी जिला गया(बिहार) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि भट्टा-बस्ती थाना इलाके में स्थित एक मकान में चुड़ी बनाने कारखाना है।

जिसमें बालश्रमिकों से काम करवाया जा रहा था। इस पर पुलिस ने मकान पर दबिश दी। इस दौरान वहां पांच नाबालिक बच्चे चुडी बनाते हुए पाए गए, जिन्हे पुलिस ने छुड़वाया। इधर पुलिस कार्रवाई के दौरान कारखाना वाल्मीकी चौधरी को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ बाल श्रमिकों करवाने का मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक मुक्त कराए गए सभी बच्चे बिहार के रहने वाले हैं जिनकी उम्र 10 साल से लेकर 15 साल तक के बीच है।

पूछताछ में सामने आया कि कारखाना मालिक सभी बच्चों से 12 से 14 घंटे तक चूडी बनाने का कार्य करवाते था।

आरोपित बिहार से गरीब तबके के नाबालिग बच्चों को उनके माता-पिता की बिना सहमति से जयपुर लाकर उन बच्चों को चुडी बनाने के काम में लगा देता था।

बारां में आंगनबाड़ी केंद्रों को विकसित करने की धीमी प्रगति पर असंतोष जताया

- **उन्होंने डिस्टेंम्पर, बाला पेंटिंग के साथ आरओ, एलईडी एवं पोषण वाटिका के कार्य समय पर कराने के निर्देश दिए**

महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशक ओपी बुनकर ने मंगलवार को अधिकारियों की बैठक लेकर आंगनबाड़ियों में पोषण वाटिकाओं एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा की।

जयपुर (कासं)। महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) निदेशक ओपी बुनकर ने अधिकारियों को आंगनबाड़ियों में पोषण वाटिकाओं एवं अन्य विकास कार्यों को गति प्रदान कर, शीघ्रता से पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बारां जिले में संचालित सामान्य आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में विकसित किये जाने की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी पर विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित किया जावे।

राज्य के तीन जिलों बारां, करौली एवं धौलपुर में संचालित 213 सामान्य आंगनबाडी केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित करने हेतु मौके पर जो कार्य किये जा रहे हैं उनकी प्रगति की समीक्षा के लिए उन जिलों के उपनिदेशकों एवं संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) की वी सी के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में निदेशक ने धौलपुर एवं करौली जिले के कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया जबकि बारां जिले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने डिस्टेंम्पर, बाला पेंटिंग के साथ आरओ, एलईडी एवं पोषण वाटिका के कार्य समय पर करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

निदेशक आईसीडीएस को उपनिदेशक बारां ने अवगत कराया कि डिस्टेंपर एवं बाला पेंटिंग के कार्य में निविदा की दर 50 प्रतिशत होने से 50 प्रतिशत राशि बाकि (शेष) रह गई है।

एकादशी पर गोविंददेवजी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर (कासं)। नव संवत्सर की पहली एकादशी पर मंगलवार को श्रद्धालु आराध्य देव गोविंददेवजी मंदिर में उमड़ पड़े। सुबह की मंगला झांकी से लेकर रात्रि की शयन झांकी में अपेक्षाकृत अधिक श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के दर्शन किए।

इस मौके पर मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक कर लाल रंग की पोशाक धारण कराई गई। पुष्प, चंदन और आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया। श्रृंगार और राजभोग झांकी में मंदिर परिसर में पैर रखने की भी जगह नहीं बची। सुबह गीता के पाठ भी हुए। पुरानी बस्ती स्थित गोपीनाथजी मंदिर में महंत सिद्धार्थ गोस्वामी के सान्निध्य में एकादशी उत्सव मनाया गया। चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर जी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार किया गया। सुभाष चौक पानो का दरीबा स्थित शुक संप्रदाय की प्रधान पीठ श्री सरस निकुंज में शुक संप्रदायाचार्य अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में एकादशी उत्सव मनाया। प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि सुबह वेदोक्त मंत्रोच्चार से ठाकुर राधा सरस बिहारी सरकार का पंचामृत अभिषेक किया।

एन.जी.ओ. की आड़ में नाबालिग लड़कियों की खरीद-फरोख्त करने वाले 4 गिरफ्तार

आरोपित फेसबुक के जरिए नाबालिगों के परिवार को शादी करवाने के बहाने फंसाते थे और बच्चियों को देह व्यापार के लिए बेच देते थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । बस्सी पुलिस ने एनजीओ की आड़ में नाबालिग लड़कियों की खरीद-फरोख्त करने वाले एनजीओ संचालिका सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपित फेसबुक के जरिए नाबालिग लड़कियों के परिवार को शादी करवाने के बहाने फंसाते थे और फिर एजेंटों के जरिए बहला-फुसलाकर लाई नाबालिग लड़कियों को मोटी रकम लेकर देह व्यापार के लिए बेच देते थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि बस्सी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एनजीओ की आड़ में नाबालिग लड़कियों की खरीद-फरोख्त करने के मामले में एनजीओ संचालिका गायत्री विश्वकर्मा (52) निवासी प्रेम नगर खोह नागोरियान, भगवानदास (27), महेन्द्र (45) निवासी नसीराबाद जिला अजमेर और हनुमान सिंह (32) निवासी कोलवा जिला दौसा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी गायत्री विश्वकर्मा सर्वसमाज गायत्री फाउण्डेशन (एनजीओ) सुजानपुरा बस्सी की संचालिका है।

गिरफ्तार आरोपी एन.जी.ओ. संचालक

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बस्सी इलाके में सर्वसमाज गायत्री फाउण्डेशन नाम का एनजीओ चलता है, जो एनजीओ की आड़ में नाबालिग लड़कियों की शादी करवाने के बहाने खरीद-फरोख्त की जाती है।

पुलिस ने सूचना के आधार पर एनजीओ पर दबिश देते हुए एनजीओ संचालिका सहित चारों आरोपियों को पकडा। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि एनजीओ की ओर से फेसबुक पर प्रचार-प्रसार कर शादी करवाने का झांसा दिया जाता था। लोगों को बुलाकर नाबालिग लड़कियों की शादी करवाने की कहते थे।

इसके अलावा सर्व समाज गायत्री फाउडेण्शन एनजीओ के एजेंट उत्तर प्रदेश, बंगाल, बिहार सहित अन्य राज्यों से गरीब लड़कियों को ढूंढकर बहला-फुसलाकर लेकर आते है और फिर एनजीओ की संचालिका गायत्री विश्वकर्मा को लाकर बेच देते है। जिसके बाद गायत्री खरीदी हुई लड़कियों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर मोटी रकम लेकर अवैध शादियां करवाती है।

आरोपी गायत्री विश्वकर्मा पहले यह कारोबार कानोता इलाके में चलाती थी। इसके खिलाफ मुकदमें अधिक हो जाने के कारण गायत्री विश्वकर्मा ने कानोता इलाका छोड़ दिया। वह पिछले 7-8 साल से यह अवैध कारोबार बस्सी स्थित सुजानपुरा गांव में खोल लिया। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
09 April 2025
A-B

Celebrating True Prosperity

Global Holistic Wealth Day, observed annually, promotes a well-rounded approach to prosperity beyond financial success. It emphasizes emotional well-being, strong relationships, purpose-driven living, and resilience. The concept, pioneered by financial expert Keisha Blair, encourages individuals to cultivate inner peace, adaptability, and sustainable success. Holistic wealth is about balancing financial stability with mental health, self-care, and meaningful connections. On this day, people reflect on their life choices, practice gratitude, and adopt mindful habits for long-term fulfillment. By embracing holistic wealth, individuals can create a life rich in happiness, purpose, and true abundance.

#HEALTH

Diabetes and Footwear

Are Flip-Flops or Sliders the Right Choice?

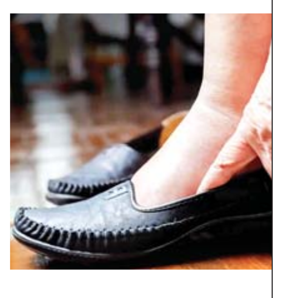

Footwear plays a crucial role in foot health, particularly for diabetics, who need to take extra precautions to prevent foot injuries, ulcers, and infections. While flip-flops and sliders are popular choices for casual wear, they may not be the best options for individuals with diabetes. Understanding their impact on foot health can help diabetics make informed choices.

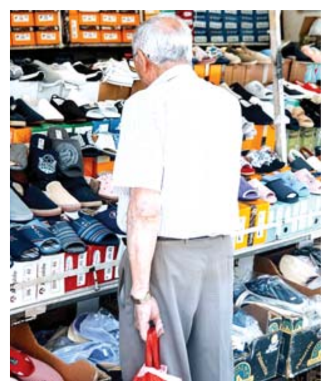

The Diabetic Foot: A Special Concern

Diabetes can cause neuropathy (nerve damage) and reduced blood circulation in the feet, making them more vulnerable to cuts, blisters, and sores that heal slowly. Foot ulcers, if untreated, can lead to severe complications, including infections and even amputations. Thus, selecting the right footwear is essential for protection and comfort.

Flip-Flops: Convenience but at a Cost

Flip-flops are a staple in warm climates and are loved for their ease and breathability. However, they have significant drawbacks for diabetics!

- **Lack of Support:** Flip-flops provide minimal arch support, which can lead to strain on the foot and increase the risk of injuries.
- **Toe Separator Risk:** The thong-style strap that goes between the toes can cause friction, leading to blisters or sores that may not heal quickly.
- **Thin Sole:** Many flip-flops have thin soles that offer little to no cushioning, making them unsuitable for individuals who need extra protection against sharp objects or uneven surfaces.
- **Unstable Fit:** Since flip-flops are not secured around the foot, they can cause instability, increasing the risk of trips and falls.

Sliders: A Slightly Better Option

Sliders, which feature a single wide strap across the foot, can be a better alternative to flip-flops for diabetics. However, they still have limitations.

- **Better Coverage:** Unlike flip-flops, sliders do not have a toe separator, reducing the risk of blisters between the toes.
- **More Secure Fit:** The wide strap offers slightly more stability compared to flip-flops.
- **Limited Arch Support:** While some sliders come with cushioned soles, many lack proper arch support, which is crucial for diabetics to maintain foot health.
- **Risk of Slipping:** Sliders, especially those with flat and smooth soles, can still pose a risk of slipping and falling.

The Best Footwear Choice for Diabetics

Instead of flip-flops or standard sliders, diabetics should opt for more protective and supportive footwear, such as,

- **Diabetic-Specific Sandals:** These are designed with extra cushioning, arch support, and adjustable straps to ensure a snug fit.
- **Closed-Toe Shoes with Breathable Material:** Proper diabetic footwear provides a protective barrier against injuries while allowing air circulation.
- **Orthopedic or Custom Insoles:** These help in distributing pressure evenly and reducing strain on the feet.

Towards A Wise Decision

While sliders may be a slightly better option than flip-flops, neither is ideal for diabetics due to their lack of adequate support and protection. Diabetics should prioritize footwear that offers stability, cushioning, and protection to prevent complications. When in doubt, consulting a podiatrist for recommendations on diabetic-friendly footwear is always a wise decision.

Vikram Joshi
Textile Technologist & Historian

In the world of art, the paths to creative expression are as varied as the artists themselves. While some find their artistic calling early in life, others stumble upon it through unexpected circumstances, often after years spent in entirely different professions. Dr. Sushma Mahajan, a renowned Radiologist from Jaipur, and four other remarkable artists around the world, Anna Mary Robertson Moses, Henri Julien Félix Rousseau, Eugène Henri Paul Gauguin, and Madhvi Parekh, exemplify how life's winding roads can lead to extraordinary creativity.

Gauguin's legacy is complicated. While his work had a profound influence on the development of modern art, his personal life and relationships, particularly with the young Tahitian women he married, have been the subject of much criticism. Nonetheless, Gauguin's impact on the art world is undeniable, and his works continue to be studied and admired for their innovative use of colour and form.

The Five Artists

#BRUSH N COLOUR

Anna Mary Robertson Moses

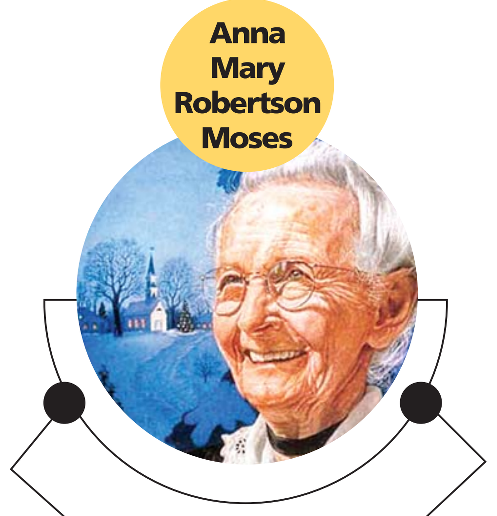

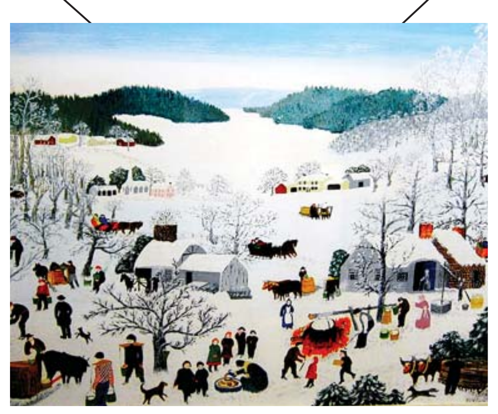

The Late Bloomer Who Captured America's Heart

Anna Mary Robertson Moses, better known as Grandma Moses, is the quintessential example of a late-blooming artist. Born in 1860 in upstate New York, Moses did not take up painting seriously until she was 78 years old. Prior to this, she had lived a full life as a farmer's wife, raising ten children and tending to her household duties. Her initial artistic endeavors were not with paint but with needle and thread, creating intricate embroidered pictures. However, when arthritis made embroidery too painful, Moses turned to painting.

Her paintings, characterized by simple realism, nostalgic atmosphere, and luminous colour, depicted scenes of rural life that resonated with warmth and charm. Despite her late start, Moses quickly gained popularity. By the 1950s, her work was celebrated across the United States, and she was featured on the cover of 'Time Magazine' in 1953. Her autobiography, 'My Life's History,' was published in 1952, and she received two honorary doctoral degrees, underscoring the cultural significance of her work.

Moses' paintings were not only admired but also became commercially successful. Her work was widely reproduced on greeting cards, calendars, and other merchandise, making her a household name. In 2006, her painting 'Sugaring Off' was sold at Christie's New York for $1.2 million, setting an auction record for her work. Moses' story challenges the notion that artistic success must come early in life, proving instead that creativity can flourish at any age.

Eugène Henri Paul Gauguin

The Stockbroker Who Sought Solace in Art

Eugène Henri Paul Gauguin, born in Paris in 1848, is perhaps the most complex of the artists discussed here, both in terms of his personal life and his artistic legacy. Gauguin's journey to becoming a celebrated painter was marked by dramatic shifts in fortune and location, each of which left an indelible mark on his work. Initially, Gauguin pursued a career as a stockbroker, a profession that provided him with financial stability and allowed him to collect art and dabble in painting. However, the financial crisis of 1882 ended his career in finance, prompting him to turn to painting full-time. Gauguin's early works were heavily influenced by the Impressionists, particularly Camille Pissarro, who served as his mentor. However, Gauguin soon began to develop his own distinctive style, characterized by bold, experimental use of colour and a departure from the traditional focus on realistic representation. His work during this period, including his time spent in Brittany and Martinique, reflects his growing interest in depicting native life and exploring the spiritual and symbolic aspects of art. In the 1890s, Gauguin embarked on a journey to Tahiti, seeking refuge from what he saw as the corruption and artificiality of European civilization. His paintings from this period, such as 'Where Do We Come From? What Are We? Where Are We Going?' are characterized by vivid colours, flattened perspectives, and symbolic content. These works, which depict the native people and landscapes of Tahiti, are often seen as a culmination of Gauguin's quest to capture the 'primitive' and spiritual essence of life. Gauguin's legacy is complicated. While his work had a profound influence on the development of modern art, his personal life and relationships, particularly with the young Tahitian women he married, have been the subject of much criticism. Nonetheless, Gauguin's impact on the art world is undeniable, and his works continue to be studied and admired for their innovative use of colour and form.

Henri Julien Félix Rousseau

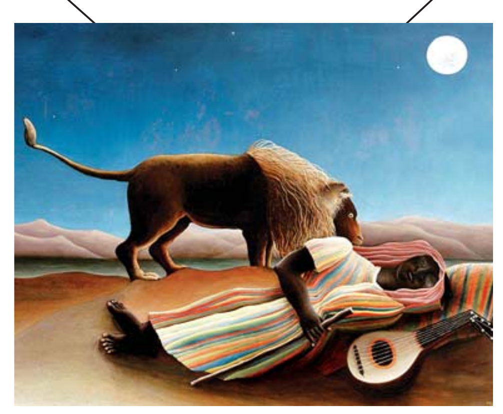

The Customs Officer Who Became a Pioneer of Naïve Art

Henri Julien Félix Rousseau, born in 1844 in Laval, France, is another artist who found his way into the art world later in life. Unlike Grandma Moses, who had no formal training, Rousseau received some artistic education in his youth, winning prizes for drawing and music in high school. However, his path to becoming a full-time artist was anything but direct. Rousseau worked as a toll and tax collector, a job that earned him the nickname 'Le Douanier' (the customs officer). It was not until his early forties that he began to take painting seriously, and he finally retired from his government job at the age of 49 to devote himself entirely to his art.

Rousseau's work is often categorized as Naïve or Primitive art, characterized by a childlike simplicity and lack of formal technique. His paintings, however, are anything but simple in their execution and thematic depth. Despite being self-taught, Rousseau developed a unique style that combined meticulous attention to detail with fantastical, dream-like imagery. His most famous works, such as 'The Sleeping Gypsy' and 'The Dream,' showcase his ability to create complex, evocative scenes that captivate the viewer's imagination. During his lifetime, Rousseau's work was often ridiculed by critics who dismissed his lack of formal training and unconventional style. However, he found champions among the avant-garde artists of his time, including Pablo Picasso and Guillaume Apollinaire, who recognized his genius and helped to secure his legacy. Today, Rousseau is celebrated as a pioneer of Naïve art, and his influence can be seen in the work of many subsequent artists who embraced a more intuitive, self-taught approach to painting.

Dr. Sushma Mahajan

The Accidental Artist

Dr. Sushma Mahajan never anticipated that she would one day discover a passion for painting. As a dedicated medical professional, her life was centered around the demands of radiology, a field that requires precision, attention to detail, and an analytical mind. The rigorous nature of her work left little room for hobbies or creative exploration. Yet, it was her career in medicine that inadvertently led her to art. One evening, during the first phase of COVID, while cleaning up her daughter's room, Dr. Mahajan sought a way to unwind. On a whim, she picked up a paintbrush and began to paint. What started as a simple attempt to relieve stress quickly became an engrossing passion. The blank canvas, initially daunting, soon transformed into a space where she could express emotions and ideas that words and medical reports could not capture. Initially, painting was a private escape for Dr. Mahajan, a way to decompress after long hours in the hospital. But as she continued to explore this new avenue of self-expression, it became much more than a hobby. Encouraged by her husband, Naveen Mahajan, IAS, who was her first critic and family who recognized the unique blend of creativity and precision in her work, Dr. Mahajan began to take her painting more seriously. Her background in radiology, with its emphasis on anatomy and the human form, subtly influenced her art, lending it a distinctive perspective. As her confidence grew, Dr. Mahajan started to share her work more widely. To her surprise, her paintings resonated with others, earning admiration for their depth, emotion, and technical skill. What began as a private pursuit blossomed into an abiding passion, and soon, her art was being featured in exhibitions and galleries. So far, she has done five exhibitions in Jaipur titled as Shokunin, Unicus, Kaizen, Spectrum of life and Vibrant Hues. In Delhi, her two solo exhibitions were curated by renowned art critic, Dr. Alka Pande, titled 'Curious Charms' and 'This Beautiful World,' which was last year. Dr. Mahajan's story is a powerful testament to the unexpected paths that can lead to profound personal and creative fulfillment.

Madhvi Parekh

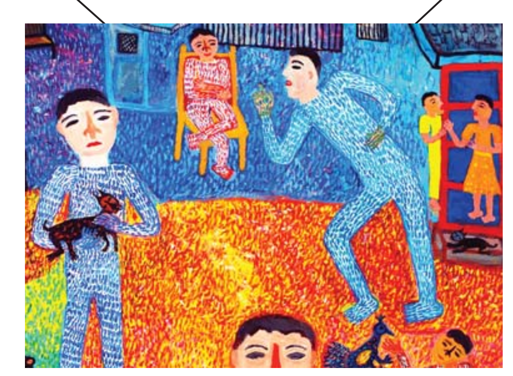

The Self-Taught Artist Inspired by Folk Traditions

Madhvi Parekh, born in 1942 in a small village in Gujarat, India, is another artist whose journey to the art world was anything but conventional. Unlike the other artists discussed here, Parekh did not start her artistic career late in life, but her entry into the art world was marked by a lack of formal training and a deep connection to her cultural roots. Parekh's initial foray into art was inspired by her husband, Manu Parekh, a well-known artist in his own right. Encouraged by her husband, Madhvi began painting in the 1960s, drawing inspiration from the folk stories and traditions of her childhood. Parekh's early work is characterized by its vivid colours and surreal imagery, often depicting memories of her childhood and themes from Indian mythology. Her style is deeply rooted in the folk traditions of India, particularly in the intricate designs of *Rangoli,* a traditional Indian art form. Over time, Parekh's work evolved to incorporate a broader range of techniques and mediums, including oil, acrylic, and watercolour. This evolution allowed her to explore new themes and ideas, including the experiences of women and children in both urban and rural settings. Parekh's work has been widely exhibited in India and abroad, and she has participated in numerous group shows, including notable exhibitions in Turkey and Yugoslavia in the 1980s. Despite her lack of formal training, Parekh has earned a place in the Indian art world as a significant artist whose work bridges the gap between traditional folk art and contemporary painting. Her journey from a small village in Gujarat to the international art scene is a testament to the power of self-expression and the importance of cultural heritage in shaping an artist's vision.

rajeshsharma1049@gmail.com

#CLIMATE CHANGE

The Art That Warns Before the World Warms

As North India Heats Up, Aakash Ranison's 'Below2°' Installation sounds a Climate Alarm!

As North India battles surging temperatures and the India Meteorological Department (IMD) warns of an intense heatwave ahead, a silent yet powerful message rises from the manicured lawns of Karma Lakelands, an eco-conscious resort in Gurugram. It's not a siren, nor a scientific report, but a work of art. Titled 'Below2°,' this installation by climate artist and environmentalist, Aakash Ranison, stands as a creative yet urgent reminder of what lies ahead if humanity continues to ignore the climate crisis. The title refers to the critical threshold set by the Paris Agreement, limiting global warming to well below 2°C above pre-industrial levels, to prevent irreversible damage to our planet.

Art with a Warning

Constructed using recycled materials and minimalist design, 'Below2°' doesn't scream for attention, it commands it. Its presence in a luxury resort might seem ironic at first glance, but that irony is intentional. The juxtaposition is meant to provoke reflection on the role of privilege, lifestyle choices, and environmental responsibility. "This is not just an art piece. It's a mirror," Ranison says. "It reflects our collective future, and the decisions we make today will determine what that reflection becomes tomorrow." As climate activist Greta Thunberg once warned, "Our house is on fire." 'Below2°' takes that metaphor and gives it physical form, right here, where the heatwaves are no longer rare weather events, but seasonal headlines.

The Crisis is Here and Now

According to IMD projections, regions across Delhi-NCR, Rajasthan, Haryana, and Uttar Pradesh are likely to experience sustained heatwave conditions over the coming weeks. In urban sprawls already grappling with poor air quality, water shortages, and shrinking green cover, the warning is no longer theoretical. "Climate change is no longer some far-off problem, it is happening here, it is happening now," said Barack Obama in a past address on environmental policy, words that feel hauntingly apt for the current moment in North India. Ranison's installation leans into this immediacy. The message is loud and clear: We are running out of time.

The Power of Public Engagement

Art, often dismissed as soft activism, becomes a potent medium in Ranison's hands. By bringing 'Below2°' into the heart of an urban ecosystem, the artist hopes to ignite introspection, especially among the urban elite, those with the greatest capacity to influence policy and consumption patterns. "Change won't come only from scientists or politicians," he says. "It will come when everyday people begin to care deeply, and act." His words echo those of environmentalist Bill McKibben, who once said, "The most important thing an individual can do is to be less of an individual." That is, to think collectively, act locally, and embrace sustainability as a shared responsibility.

Karma Lakelands: A Canvas for Change

Set in the sustainably designed Karma Lakelands, an oasis of green amid the concrete rush of Gurugram, the installation gains both visibility and context. With its solar-powered villas, EV stations, and organic farming, the resort complements the ethos of the artwork, reinforcing that sustainable living is not just possible, but necessary.

Visitors to the resort can interact with the installation, scan QR codes for immersive digital storytelling, and even attend climate-awareness workshops held in tandem with the artwork. "The goal," says Ranison, "is to start a conversation. If art can move a heart, it can move the needle."

A Final Reminder

As India prepares for one of its hottest summers yet, 'Below2°' stands as a poignant symbol, a warning, a question, and perhaps, a flicker of hope. It reminds us that the climate crisis is not only scientific or political, it is deeply personal.

In the words of UN Secretary-General António Guterres, "The climate emergency is a race we are losing, but it is a race we can win." Ranison's artwork dares us to believe that. And more importantly, to act on it.

THE WALL

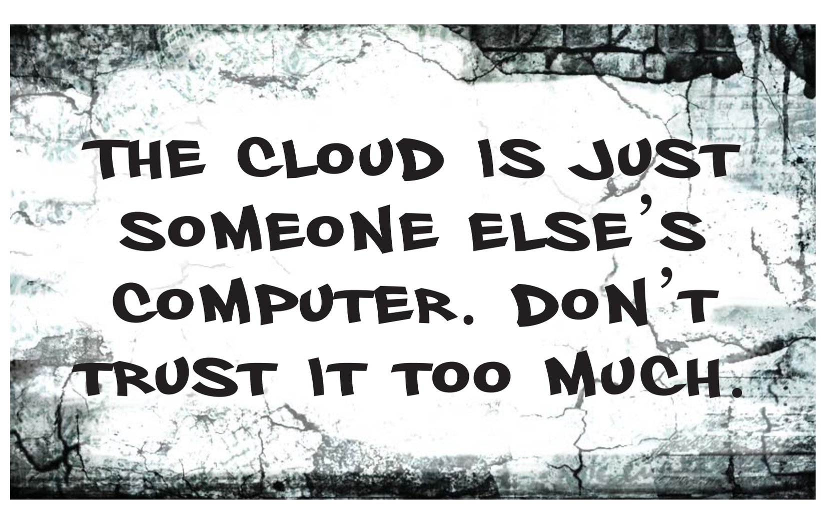

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

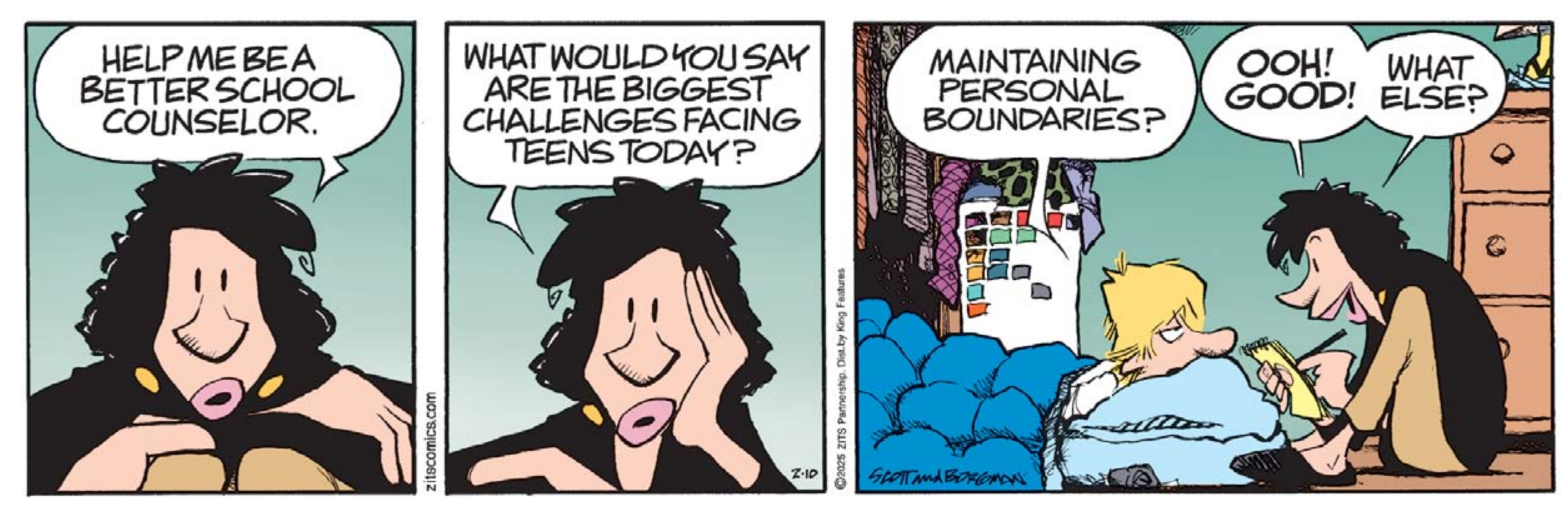

फ्लैट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर दो बार बेचा, आरोपी गिरफ्तार

कागज पर फर्जी सब रजिस्ट्रार की मुहर लगाई, दो बार में 41 लाख रुपए लिए

अलवर, (निसं)। अलवर सदर थाना पुलिस ने पत्नी के नाम दर्ज फ्लैट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर दो बार बेचान करने वाले आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी रवि जैन का अपना घर शालीमार में फ्लैट था, जिसे दो अलग-अलग व्यक्तियों को बेच दिया। दोनों के मुकदमा दर्ज कराने के बाद पुलिस ने आरोपी फ्लैट मालिक को अरेस्ट किया है। वहीं पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

सदर थाने के सहायक उपनिरीक्षक हरलाल ने बताया कि रवि जैन ने उप तहसीलदार और उप पंजीयक की फर्जी मुहर तैयार कर दस्तावेज तैयार कर लिए। पहले सीताराम किराड़ को 21 लाख रुपए में बेचा। उसके बाद मोहित जैन को 20 लाख रुपए में वही फ्लैट बेच दिया। आरोपी ने इतनी सफाई से

धोखाधड़ी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

फर्जीवाड़ा किया कि किसी को शक नहीं हुआ। बाद में दो मालिक सामने आए, तब धोखाधड़ी का पता चला। इसके बाद दोनों खरीददारों ने सदर थाना पहुंचकर रवि जैन के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। इसके साथ

- आरोपी ने इतनी सफाई से फर्जीवाड़ा किया कि किसी को शक नहीं हुआ, बाद में दो मालिक सामने आए, तब धोखाधड़ी का पता चला

रवि जैन की पत्नी ने भी फ्लैट बिक्री को लेकर तीनों के खिलाफ अलग से मामला दर्ज कराया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रवि जैन को गिरफ्तार कर लिया है। सहायक उपनिरीक्षक हरलाल ने बताया कि आरोपी से फर्जी दस्तावेज तैयार करने के तरीके और उसके साथ जुड़े अन्य व्यक्तियों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

5 हजार का इनामी चोर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दो साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर पांच हजार रुपए का इनाम भी रखा था। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में लगी है।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि 20 जनवरी 2024 को उर्मिला पत्नी मुकेश डामोर निवासी सेगल महुडी की ओर से केस दर्ज करवाया गया था। इसमें बताया कि 31 दिसंबर 2023 की रात के समय वह अपने तीन बच्चों के साथ घर के आंगन में सो रही थी। रात के समय उसके घर से पिटारी तोड़ने की आवाज सुनाई दी। जिस पर वह कंबल ऊंचाकर उठ गई। उसी समय आरोपी भागने लगा। उठकर वह उसके पीछे भागी तो उसने जान से मारने की नीयत से उस पर बाल्टी फैंकी, लेकिन वह बच गई। उसके बाद घर से निकलकर उसके दूसरे साथी भी भाग गए। घर में जाकर देखा तो चांदी के जेवरात और मोबाइल चुराकर ले गए। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में जांच करते हुए दो नाबालिग को डिटेन किया गया था। आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी के जेवर और मोबाइल बरामद किया था। साथ ही फरार आरोपी राजू पुत्र नारायण डोडियार, माली थाना पाटिया उदयपुर पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

पांच साल से फरार 15 हजार की इनामी महिला गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की हमीरगढ़ थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में 5 साल से फरार चल रही 15 हजार की इनामी महिला को गिरफ्तार किया है।

हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि 5 मार्च 2020 को तत्कालीन हमीरगढ़ थाना प्रभारी मुलचन्द वर्मा ने नाकाबन्दी के दौरान स्वीफ्ट कार

- नाकाबन्दी में पुलिस को कार में एमडीए पाउडर मिला था

को रूकवाकर चेक किया। कार में 68 ग्राम मेथीलीन ड्राईऑक्सी एम्फीटामाईन (एमडीए) पाउडर मिला, जिसे पुलिस ने कार सहित जब्त कर लिया। साथ ही कार में सवार मोहसीन खान, फिरोज खान व जरीना बेगम के कब्जे से 68 ग्राम मेथीलीन ड्राईऑक्सी एम्फीटामाईन (एमडीए) पाउडर जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया था। उक्त प्रकरण मे मेथीलीन ड्राईऑक्सी एमडीए पाउडर सप्लायर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित ठेके के पास, लोहाखान पीलीखान, अजमेर निवासी कौशर खान उर्फ कौशर बी पत्नी खुर्शिद खान उर्फ खुर्शिद अहमद उर्फ कुडी बाबा (45) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी संजय गुर्जर, दीवान नारायण लाल, कांस्टेबल

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट मामले में महिला को गिरफ्तार किया।

शांतिलाल, महिला कांस्टेबल राधा ने अंजाम दिया।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने धारदार हथियार के साथ एक आरोपी व अवैध शराब के 56 पव्वों के साथ दूसरी आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रामजीलाल ने बताया कि अपराधों पर लगाम कसने के लिए पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान की आदेशों पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र सिंह भाटी व डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा के निकट सुपरविजन में निवाई थाना पुलिस ने मंगलवार को गांव रंभा रोड पर नाले के पास अवैध देशी शराब के 56 पव्वों के साथ रामकिशनपुरा निवासी पप्पूलाल पुत्र रामजीवन मीणा को अपने कब्जे में रखकर शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार एक अन्य पुलिस टीम ने खणदेवत रोड पर दादूदयाल आश्रम के समीप से धारदार हथियार छुर्रा लेकर घूमते हुए पहाड़ी चुंगी नाका के समीप निवाई निवासी राहुल पुत्र कानाराम खंगार को गिरफ्तार किया है।

हादसे में कार चालक की मौत

मालपुरा, (निसं)। जयपुर से केकड़ी सड़क मार्ग पर कोटडी गांव के पास सोमवार की देर रात्रि को हुये दर्दनाक सड़क हादसे मे अज्ञात वाहन की टक्कर से कार चालक की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की देर रात्रि को जूनियां गांव निवासी भरत सिंह पुत्र देवी सिंह पारिवारिक कार्य से निवृत हो भीलवाड़ा से अपने रिश्तेदारों के साथ कोटड़ी गया हुआ था। जहां से उन्हें छोड़ वापस लोटते समय कोटड़ी के पास ही अज्ञात वाहन ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तो कार चालक भरत सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सड़क हादसे की मिली सूचना पर मोर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को पुलिस सुरक्षा में ले टोडारायसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार को परिजनों की मौजूदगी मे पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा गया। थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू की।

एचएच नहर से महियांवाली गांव की सड़क की पुलिया तोड़ आवागमन बंद किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। महियांवाली गांव से एचएच नहर को आने वाली सड़क को फिर से बंद कर दिया है। इस बार अज्ञात लोगों ने एचएच नहर की तरफ से एक खाळे की पुलिया की छत को ही उखाड़कर अलग कर दिया है। इससे यह रास्ता फिर से आवागमन के लिए बंद हो गया है।

यह पुलिया करीब एक सप्ताह के दौरान खोदे जाने की सूचना है, लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से इसको तोड़ने वालों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया है। यहां तक कि चूनावढ़ पुलिस ने भी न तो रास्ता वापस शुरू करवाया है न ही पुलिया तोड़ने वालों के खिलाफ मुकदमा तक दर्ज किया है। पुलिस को इस पुल को तोड़ देने की सूचना तक नहीं है। सरपंच ने मामला संज्ञान में होने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया।

सचिव ने जानकारी नहीं होना बताया और संबंधित विभाग या पुलिस

- यह पुलिया करीब एक सप्ताह के दौरान खोदे जाने की सूचना है, लेकिन ग्राम पंचायत की ओर से इसको तोड़ने वालों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया गया है, पुलिस ने भी रास्ता नहीं खुलवाया

को सूचना देना स्वयं की ड्यूटी नहीं होना बताया है। उल्लेखनीय है कि 10 मार्च को भी इसी तरह से इस रास्ते को मलबा डालकर बंद कर दिया था। 20 मार्च को मामला कलेक्टर के संज्ञान में आने के बाद चूनावढ़ पुलिस को ही इस मलबे को हटवाकर रास्ते पर आवागमन बहाल करवाना पड़ा था।

इधर महियांवाली गांव के इस सड़क के किनारे के किसानों का कहना है कि लोग टोल बचाने को एचएच नहर की पुलिया से होकर महियांवाली गांव के इस रास्ते होकर वापस नेशनल हाइवे पर चले जाते हैं। इससे इस सड़क पर वाहनों का दबाव ज्यादा है। किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली, जमीन जोतने के उपकरण आदि लेकर आते हैं तो भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क संकरी है और आमने सामने दो चौपहिया वाहन बड़ी मुश्किल से ही निकल पाते हैं।

गिरधर, सीईओ, जिला परिषद का कहना है कि सूचना देना ग्राम विकास अधिकारी का पहला नैतिक दायित्व व ड्यूटी का हिस्सा है। सड़क की पुलिया कब तोड़ी गई। सचिव ने सूचना देकर मुकदमा क्यों नहीं करवाया इसकी जांच करवाई जाएगी और दोषी कर्मचारी व सड़क तोड़ने वाले अज्ञात लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

भीम पहलवान ने कामड़े की कुश्ती जीती

नारायणपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत गढ़ी (मामोड) में मंगलवार को तिराए वाले हनुमानजी महाराज का वार्षिक मेला आयोजित हुआ। सुबह से ही मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मेले का मुख्य आकर्षण दोपहर में आयोजित कुश्ती दंगल रहा। इसमें सबसे चर्चित मुकाबला कामड़े की कुश्ती का रहा, जो अलवर के भीम पहलवान और हरियाणा के महिपाल पहलवान के बीच लड़ा गया। जोरदार संघर्ष के बाद भीम पहलवान ने मुकाबला जीत लिया। मेला कमेटी की ओर से उन्हें 21 हजार रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मेले के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन की भूमिका सराहनीय रही। सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रही, जिससे संपूर्ण कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मेला आयोजन की सफलता में स्थानीय ग्रामीणों और मेला कमेटी के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

वीआईपी ट्रेड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एडवोकेट आस्था बैरवा व नवीन बैरवा के तर्कों से सहमत होते हुए वीआईपी ट्रेड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

पीड़ित विजय राव ने एडवोकेट आस्था बैरवा के जरिये न्यायिक मजिस्ट्रेट जितेन्द्र रैया के समक्ष परिवाद प्रस्तुत न्याय की गुहार लगाई। इसका कहना है कि आरोपी अब्दुल समद, इसकी पत्नी कनीजा बेगम, बेटी निलोफर, सहजान पठान, रतनचंद व लोकेश चौधरी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाये। जुलाई 2024 में विजय राव व रतनचंद की मुलाकात आरोपी अब्दुल समद, इसकी पत्नी कनीजा बेगम व बेटी निलोफर से हुई। अब्दुल समद ने कहा कि वीआईपी ट्रेड रजिस्टर्ड वैध कम्पनी है। ट्रेडिंग का लाइसेंस है। इसको पार्टनर लोकेश चौधरी संभालता है। कनीजा बेगम व निलोफर बिजनेस कनसल्टेड चेयरमैन हैं। आप सहित मित्रगण कम्पनी में रूपये इन्वेस्ट करे। फोरएक्स में ट्रेडिंग कर उसका मुनाफा समय पर दे दिया जाएगा। झांसे में आकर पीड़ित विजय राव ने 11 लाख 46 हजार निवेश कर दिया। साथ ही मित्र मोहित ने उधार लेकर 1 लाख 40 हजार, 5 लाख 91 हजार व 5 लाख 25 हजार रूपये, म्यूचल फंड के 1 लाख 50 हजार रुपए इन्वेस्ट कर कर दिये। इसके अलावा अन्य मित्र रवि प्रजापत ने 2 लाख 40 हजार रूपये व 80 हजार रूपये, 3 लाख, 1 लाख 10 हजार रुपए, 1 लाख 50 हजार रुपए इन्वेस्ट कर दिये। आरोपियों ने सेमिनार में करोड़पति बनने जैसे प्रलोभन देकर विश्वास में ले लिया, जब परिवादी ने अपने रूपये व मुनाफा मांगा तो अभियुक्त ने रूपये देने से साफ इंकार कर दिया। साथ ही कनिजा बैगम व निलोफर ने झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दी। अभियुक्त ने योजनाबद्ध तरीके से परिवादी व उसके परिचितों को विश्वास में लेकर वीआईपी ट्रेड कम्पनी में फोरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर धोखाधड़ी कर पैसे ऐंठ लिये। कई बार तकाजा किये जाने के बावजूद रूपये नहीं मिलने पर अदालत की शरण में जाकर न्याय की फरियाद की। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने एडवोकेटआस्था बैरवा के तर्कों से सहमत होते हुए अभियुक्तों के विरूद्ध मदनगंज थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिया।

शॉर्ट सर्किट से गोदाम में आग लगी

आग लगने की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में मंगलवार को शॉर्ट सर्किट के चलते एक अंडा गोदाम में आग लग गई। आग से उठता धुआं और लपटों से गोदाम के आस-पास रहने वालों लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

आसींद थाना प्रभारी हंसपाल ने बताया आसींद में स्थित अंडों के एक गोदाम में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। आग की

- आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठता देख लोग दहशत में आए

लपटें और काले धुएं का गुब्बार गोदाम से उठता देख लोग दहशत में आ गए। लोगों ने इसकी सूचना आसींद नगर पालिका स्थित दमकल विभाग व पुलिस को दी। सूचना पर थाना प्रभारी व दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। उससे पूर्व पानी के टैंकरों के जरिए आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इससे पहले ही गोदाम में रखे अंडे, सामान व टीनशेड आदि जल गया। थाना प्रभारी का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगने की बात सामने आई है।

युवक पर चाकूबाजी मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आरोपी की निशानदेही पर हमले में काम लिया चाकू बरामद किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में रविवार रात पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर हुए चाकूबाजी मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी दानिश पठान को गिरफ्तार कर लिया।

आसींद पुलिस के अनुसार, आसींद निवासी राकेश (28) पुत्र बंशीलाल ढोली ने पांच दिन के लिए शकूर कॉलोनी, आसींद निवासी दानिश उर्फ पाना पुत्र हनीफ पठान को 50 हजार रुपये उधार दिये थे। समय सीमा खत्म होने पर उसने दानिश से अपने रुपयों का तकाजा किया। इसे लेकर रविवार रात दानिश ने राकेश को फोन कर आसींद स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल के पास बुलाया। राकेश ने बताया कि वह, अपने छोटे भाई को साथ लेकर दानिश के बताये स्थान पर गया। उसके वहां जाते ही दानिश ने गाली-गलौच शुरु कर

- रविवार रात पैसे के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से हमला किया था, वारदात को लेकर लोगों ने आक्रोश जताया था

दी और हाथापाई करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। घायल राकेश को मुख्यालय स्थित एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं दूसरी और घटना के विरोध में हिंदू संगठनों ने सोमवार को आसींद के बाजार बंद करवाकर आक्रोश व्यक्त किया। पुलिस ने आरोपित दानिश को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर हमले में काम लिया गया चाकू बरामद कर लिया।

अवैध रूप से गांजा ले जा रहा युवक गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा बरामद किया है, जो सप्लाई करने के लिए जा रहा था।

थानाधिकारी भजनाराम ने बताया

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा बरामद किया

कि पुलिस की ओर से सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों पर कार्रवाई को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ईलाखर में टीबा की ओर जा रहा है, जिसके पास अवैध रूप से लाया गांजा है। सूचना पर पुलिस की ओर से विशेष टीम का गठन कर टीबा सड़क पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान गांजा लेकर जा रहा युवक पुलिस को देखकर नदी की ओर भाग गया। पुलिस ने पिछा

मेहाड़ा पुलिस ने गांजा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

कर युवक को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उसके पास अवैध रूप से लाया गया गांजा पाया गया। जब पुलिस ने युवक से गांजे के बारे में पूछताछ की तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मेंहाड़ा जाटुवास निवासी संदीप कुमार पुत्र शीशराम जाट को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 883 ग्राम गांजा भी बरामद कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस की ओर गिरफ्तार आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी भजनाराम, एएसआई पतराम, कांस्टेबल रोहिताश, कर्मपाल, पवन कुमार आदि शामिल थे।

केसीसी प्रोजेक्ट के सामने पार्क में अचानक आग लगी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी नगर के केसीसी प्रोजेक्ट के सामने जीटी पार्क में मंगलवार को अचानक आग लग गई। इस दौरान खेतड़ी व केसीसी की दमकलों ने दो घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पाया।

सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि भगवती प्लांट के पास बने केसीसी के जीटी पार्क में अचानक आग लग गई। इस दौरान आग की सूचना पर केसीसी की दमकल को लेकर मौके पर पहुंचे। इस दौरान देखा तो सूखी झाड़ियों में आग लगी हुई थी। इस दौरान हवा के साथ आग तेजी से फैलने लगी तो कर्मचारियों ने झाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती जा रही थी।

केसीसी प्रोजेक्ट से बुलाई गई दमकल ने भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन काफी दूर में आग लगने व झाड़ियों के कारण दमकल मौके पर नहीं पहुंच पा रही थी, जिसके बाद आग तेजी से फैलने लगी। इसके बाद खेतड़ी नगर पालिका की दमकल

खेतड़ी नगर में जीटी पार्क में आग लगने से पेड़-पौधे जल गए।

को मौके पर बुलाया गया। इस दौरान करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दोनों दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका।

सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि आग लगने से पेड़-पौधे जल गए, लेकिन गनीमत रही कि आग हवा से पास ही बने 440 केवी पावर हाउस की तरफ ना जा सकी, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। पार्क क्षेत्र में अचानक लगी आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस मौके पर एस शिवदर्शी, अब्दुल तस्लीम आलम, अश्वनी गुरवरिया, मुन्नालाल जेदिया, मुकेश, घनश्याम दास, संगम सोनी, दुलीचंद सैनी, अजय सैनी, शशि, राजपाल, प्रदीप, अजय मीणा, रामस्वरूप, रणधीर पूनिया, अमिलाल, मुकेश कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

पंचायत समिति की बैठक में अधिकारियों के नहीं आने पर जनप्रतिनिधियों में आक्रोश

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पंचायत समिति के सभागार भवन में मंगलवार को साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया। प्रधान मनीषा गुर्जर की अध्यक्षता में हुई बैठक में आमजन की मूलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा करते हुए जल्द समाधान करने की मांग की गई। साधारण सभा की बैठक में अधिकारियों के नहीं आने से जनप्रतिनिधियों ने मुद्दा उठाते हुए कारवाई की मांग की।

पंचायत समिति सदस्य नरेश बड़ाऊ ने कहा कि साधारण सभा की बैठक में अक्सर विभागों के सीनियर अधिकारी गायब रहते हैं। विभागीय अधिकारियों के गायब रहने से आमजन की समस्याओं पर जल्द समाधान नहीं हो पाता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पेयजल की काफी समस्या बनी हुई है। पेयजल की समस्या को लेकर जब जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया जाता है तो जलदाय विभाग के अधिकारी समाधान करना तो दूर, अनदेखी कर देते हैं, जिसके चलते

प्रधान मनीषा गुर्जर की अध्यक्षता में खेतड़ी पंचायत समिति की बैठक आयोजित हुई।

आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पंचायत समिति सदस्य नीरज मान ने गौरीर में लगे सोलर प्लांट का मुद्दा उठाते हुए कहा कि काफी समय से बंद पड़े सोलर प्लांट को शुरू करवाया जाए अन्यथा प्लांट के जमीन दान में देने वाले दानदाता को उसकी जमीन वापस दी जाए। इसके अलावा साधारण सभा की बैठक में पेयजल, बिजली, क्षतिग्रस्त सड़कों व अन्य मुद्दे उठाए गए, जिस पर उपखंड स्तर के अधिकारियों को जल्द ही समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

बैठक में तहसीलदार सुनील

- खेतड़ी पंचायत समिति की बैठक में आमजन की मूलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा हुई
- विभागीय अधिकारियों के गायब रहने से आमजन की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है

कुमार, भाजपा जिला महामंत्री पूनम धर्मपाल गुर्जर, सीबीईओ जितेंद्र सुरोलिया, बीसीएमओ डॉ. हरीश यादव, बीडीओ महादेव सिंह, नंगली सरपंच संदीप सिंह, सरपंच प्रकाश अवाना, जितेंद्र कुमार, श्रवणदत्त नारनौलिया, बद्री प्रसाद सहित अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

संक्षिप्त

कार्यकारिणी का गठन

कोटपूतली। राजमार्ग स्थित श्री सैन मंदिर में मंगलवार को श्री सैन मंदिर विकास प्रबंधक एवं समाज उत्थान (रजि.) समिति की बैठक रामकुमार सैन खड़ब की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यकारिणी में राधेश्याम सैन फतेहपुरा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान लक्ष्मीनारायण सैन जैनपुरबास को संरक्षक, सतीश सैन पवाना को सलाहकार, मनोज सैन मल्लाला को उपाध्यक्ष, संजय सैन खेडकी को कोषाध्यक्ष, वेदप्रकाश सैन को सचिव, मुकेश सैन को उपसचिव नियुक्त किया गया। इस दौरान नेतराम सैन रामपुरा, मनोज सैन, बुधराम सैन, गोविंद राम सैन, नंदकिशोर, विक्रम सैन पवाना, राकेश सैन खडब, लहरी सैन मोलाहेड़ा, भीम सैन पवाना, भामाशाह रणसिंह सैन पूतली, सजीव सैन मल्लाला, कैलाश सैन, मुंशीराम, नरेंद्र सैन, बनवारी लाल सैन, भम्भुराम सैन, ओमप्रकाश सैन, सुरेश सैन समेत अन्य मौजूद रहे।

15 से अधिक अवैध जल कनेक्शन कांटे

श्रीमाधोपुर। जलदाय विभाग के सहायक अभियंता श्रीमाधोपुर के निर्देशानुसार बकाया राजस्व वसूली व अवेध कनेक्शन पर कार्यवाही हेतु टीम का गठन करके अभियान शुरू किया गया। टीम ने रेगर मोहल्ला गंगा माता मंदिर के पास 15 से अधिक कनेक्शन पर करवाई करके मोके पर कनेक्शन काटे गये। बकाया राजस्व वसूली व अवेध कनेक्शन विच्छेद दोनो टीम फील्ड में लगातार सक्रिय है।टीम में कनिष्ठ अभियंता धर्मेंद्र रोज़ व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सहायक अभियंता ने सभी से अनुरोध किया है कि बकाया पानी के बिल को जमा करवाए अन्यथा कनेक्शन काटने की नियमानुसार कारवाई की जाएगी व अवेध कनेक्शन को कार्यालय में संपर्क करके रेगुलर करवाये अन्यथा उचित जुर्माने के साथ कनेक्शन विच्छेद किए जाएँगे। असुविधा के लिए स्वयं ज़िमेदार होंगे।

दीपेन्द्रसिंह खंगारोत का किया सम्मान

निवाई। राजपूत समाज के तत्वावधान में मीराबाई बालिका छात्रावास में बैठक आयोजित हुई जिसमें राजस्थान तीरंदाजी एसोशिएशन के प्रदेशाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित होने पर दीपेन्द्रसिंह खंगारोत को समाज के पदाधिकारियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. तेजभंवरसिंह राठौड़, गोविंदसिंह चौहान, नटवरसिंह राठौड, दशरथसिंह चौहान पलेई, देवराज सिंह, प्रेमसिंह राजावत, महावीर सिंह, सूर्यप्रताप सिंह, भंवरसिंह राजावत, नवलसिंह राजावत, भानुप्रताप सिंह, राजेंद्रसिंह, दीपेंद्रसिंह, गोपालसिंह, कानसिंह, गजेंद्र सिंह, दीपेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, विजेंद्र सिंह व जितेंद्रसिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

जयनारायण वर्मा अध्यक्ष बने

टोंक। रैगर समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति टोंक की बैठक का आयोजन किस्तूर चंद शेरसिया की अध्यक्षता में रैगरान बालाजी का मंदिर तेलियों का तालाब टोंक में की गई। बैठक में 2 फरवरी को आयोजित रैगर समाज द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया व तृतीय विवाह सम्मेलन के लिए नव कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के अध्यक्ष के पद पर जयनारायण वर्मा, महासचिव बजरंगलाल वर्मा, कोषाध्यक्ष नवल कुमार शेरशिया को निर्वाचित किया गया।

10 को अलवर मे मांस-मछली की दुकानें रहेंगी बंद

अलवर । नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि श्री महावीर जयन्ती के अवसर पर 10 अप्रैल (गुरूवार) को अलवर शहर के समस्त बूचडखाने एवं मांस-मछली की दुकानें बंद रहेगी। उल्लेखनीय है कि श्री महावीर जयन्ती महोत्सव का आयोजन 10 से 12 अप्रैल तक किया जाएगा।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'अतिक्रमणों पर कार्यवाही करते हुए यातायात को सुगम व सुरक्षित बनाएं'

■ जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

कोटपूतली। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, समस्त एसडीएम, उप पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र बुरड़क भी मौजूद रहे। बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न बिंदुओं और सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए सड़क दुर्घटनाओं और इसके कारणों पर गहराई से चर्चा की गई। इस दौरान ओवरस्पीडिंग, ट्रैफिक प्रबंधन, ब्लैक स्पॉट, साइन बोर्ड, यातायात नियमों के बारे में प्रचार-प्रसार करने, आपातकालीन सेवाओं और एंबुलेंस रिस्पॉन्स टाइम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श कर संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए।

अधिकारियों की बैठक लेती जिला कलेक्टर।

जिला कलक्टर ने नेशनल हाईवे एवं अन्य सड़कों के मध्य अनाधिकृत समस्त कट्स एवं ब्लैक स्पॉट को चिन्हित करते हुए उन्हें बंद करने के निर्देश दिए, साथ ही सर्वे कर दुर्घटना संभावित स्थानों, अनाधिकृत पार्किंग को चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा जिससे की सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके. उन्होंने सड़कों की मरम्मत, नेशनल हाईवे पर आवश्यक स्थानों पर हेल्प लाइन नंबर प्रदर्शित करने, आईआरडीए ऐप पर दर्ज ब्लैक स्पॉट, एम्बुलेंस रेट चार्टकी स्थिति के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए. उन्होंने स्थानीय आवश्यकता व दुर्घटना कारणों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय से कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए और लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को हाईवे के मद्देनजर किसी प्रकार के हादसे की स्थिति से निपटने के लिए सदैव तैयार रहने के निर्देश दिए। वहीं अतिरिक्त कलेक्टर ने संबंधित विभागों को दिशा निर्देश दिए कि हाईवे पर दुर्घटना संभावित क्रॉसिंग पॉइंट्स को चिन्हित करते हुए फेंसिंग या अवरोधक लगवाने का कार्य करें, साथ ही आवश्यक स्थानों पर साइनेज बोर्ड लगवाया जाना सुनिश्चित करें। इस दौरान अधीक्षण अभियंता पीडब्लयूडी रामावतार कुमावत ने सड़क सुरक्षा समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में उपस्थित एसडीएम बृजेश कुमार, कपिल कुमार, अनुराग हरित, महेंद्र सिंह, अमिता मान, राम किशोर मीणा, डीएसपी राजेन्द्र बुरड़क, जिला परिवहन अधिकारी सुनील कुमार सैनी सहित अन्य अधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की दिशा में सुझाव दिए।

6 दिसम्बर को सूखा दिवस घोषित करने की मांग

शाहपुरा। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस 14 अप्रैल व परिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर को आबकारी विभाग द्वारा सूखा दिवस घोषित किए की मांग को लेकर रामेश्वर घोरेठा, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ.पूरणमल बुनकर, बाबुलाल तानावाड, डॉ रूपनारायण असवाल, एडवोकेट सीएम अटल आदि ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी संजीव कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि सर्व समाज के लोग डॉ. भीमराव अम्बेडकर की विचारधारा को मानने वाले लोग है,जो कि भारत के संविधान को सर्वोपरि मानकर विश्वास के साथ आस्था रखते है। जिसके चलते प्रदेश में बाबा साहेब के जन्म दिवस 14 अप्रैल तथा उनके परिनिर्वाण दिवस 6 दिसम्बर को आबकारी विभाग की छुट्टी रखकर इस दिन को सूखा दिवस घोषित करवाने कि मांग रखी है।

विधायक यादव ने किया पोस्टर का विमोचन

शाहपुरा। उपखंड शाहपुरा की डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में आयोजित भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में विधानसभा स्तरीय रैली व विचार गोष्ठी कार्यक्रम का मंगलवार को शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने पोस्टर विमोचन किया। विधायक यादव ने बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलने एवं उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कहीं। उन्होंने विविधता लिए भारत देश को एक मजबूत किया साथ सभी महिलाओं और पुरुषों को अच्छी शिक्षा लेकर आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया है।आयोजन समिति सदस्यों ने बताया कि 14 अप्रैल को विधानसभा स्तरीय विशाल रैली शाही लवाजमे, डीजे के साथ प्रात: 8 बजे बिदारा मोड़ से उपखण्ड कार्यालय के सामने, नगरपालिका, सरकारी अस्पताल के सामने से होते हुए आदर्श कॉलोनी के पार्क पहुंचेगी जहां विचार गोष्ठी आयोजित होगी।

नव दिवसीय श्री रामचरितमानस अखंड महायज्ञ का समापन

■ भंडारे का प्रसाद मन, बुद्धि, चित को कर देता है निर्मल - पंडित द्वारकेश शास्त्री

पावटा। कस्बा पावटा सुभाष चौक रामभवन स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर पर नव दिवसीय श्री रामचरित मानस अखंड महायज्ञ सुंदरकांड व भंडारे के साथ संपन्न हुआ। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहले हवन यज्ञ में आहुति डाली फिर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य कमाया। श्री रामचरितमानस अखंड महायज्ञ सुंदरकांड व भंडारे का आयोजन जनसहयोग से करवाया गया था। यज्ञ आचार्य पंडित द्वारकेश शास्त्री ने अन्य आचार्यों के सहयोग से संचालित किया। शास्त्री ने बताया कि यज्ञ कम समय में अधिक आहुतियां छोड़ने का महायज्ञ था। जिसमें पांच जोड़ों को आचार्यों ने वेद मंत्रों के साथ यज्ञ सफल कराया।

उन्होंने बताया कि श्री रामचरितमानस महायज्ञ से व्यक्ति भव सागर से पार हो जाता है। श्री रामचरितमानस महायज्ञ से जीव में भक्ति, ज्ञान एवं वैराग्य के भाव उत्पन्न होते हैं। धार्मिक आयोजनों से व्यक्ति के पाप पुण्य में बदल जाते हैं। विचारों में बदलाव होने पर व्यक्ति के आचरण में भी स्वयं बदलाव हो जाता है। उहोंने भंडारे के प्रसाद का भी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि प्रसाद तीन अक्षर से मिलकर बना है। पहला प्र का अर्थ प्रभु, दूसरा सा का अर्थ साक्षात व तीसरा द का अर्थ होता है दर्शन। जिसे हम सब प्रसाद कहते हैं। प्रसाद हर धार्मिक आयोजन या अनुष्ठान का तत्वसार होता है जो मन बुद्धि व चित को निर्मल कर देता है। मनुष्य शरीर भी 'भगवान का दिया हुआ सर्वश्रेष्ठ प्रसाद है। जीवन में प्रसाद का अपमान करने से भगवान का ही अपमान होता है। भगवान को लगाए गए भोग का बचा हुआ शेष भाग मनुष्यों के लिए प्रसाद बन जाता है समापन मंगलवार को दिन में पूर्णाहुति के साथ हवन एवं भंडारा एवं शाम को सुंदरकांड पाठ का आयोजन कराया गया। जिसमे मुख्य यजमान पुष्पा देवी मीणा-कन्हैयालाल मीणा, किरण देवी - कमलेश शर्मा, मंजू देवी - लालचंद खंडेलवाल, आंचुकि देवी - बनवारी लाल शर्मा, ममता देवी - सांवरमल बसंल सहित गांव, गांव से आए श्रद्धालुओं ने भी हवन में आहुति डाली, इसके बाद बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान प्रागपुरा गुजेड़ा धाम महंत श्री भगवत दास,पंडित सोहनलाल, सुदरपुरा ढाढा महंत बिहारीदास, मंदिर पुजारी सत्यनारायण टीलावत, महेश टीलावत, पंडित सुरेश शर्मा, सुगनचंद शर्मा, नरेश बंसल, मामराज मीणा, ध्रुव कुमार सैन, जगदीश प्रसाद सैन, कमल यादव, मनोहर लाल जांगिड, सुशील योगी, गोकुल टेलर, चंद्रमोहन सैन, सुरेन्द्र मीणा, कैलाश चंद बंसल, उमेश टांक, सत्यनारायण बोहरा, अनिल शर्मा, सुरेश सैन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा आज कोटपूतली में

कोटपूतली। स्थानीय राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में बुधवार 09 अप्रैल को वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया जायेगा। प्राचार्य डॉ. आर के सिंह ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा होंगे। जबकि विशिष्ठ अतिथि बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत होंगे। वहीं अध्यक्षता कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल द्वारा की जायेगी। इस अवसर पर विधार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जायेगा। साथ ही सत्र 2024-25 के अंतर्गत विभिन्न प्रकोष्ठ्रें, मसलन सांस्कृतिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी, रोवर रेंजर, खेलकूद, मानवाधिकार क्लब, महिला प्रकोष्ठ आदि के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चि तथा प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरूस्कृत किया जायेगा। अतिथियों द्वारा देवनारायण तथा काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के अंतर्गत लाभान्वित छात्राओं को स्कूटी भी प्रदान की जायेगी।

आपसी सहमति से होगा अंबेडकर भवन का निर्माण

बौंली -बामनवास। निवाई सड़क मार्ग के गुप्तेश्वर रोड बौंली पर भूमि को लेकर मां श्यामा देवी समिति एवं अंबेडकर सेवा समिति के बीच सुलह हो जाने के बाद अब आपसी सहमति से होगा अंबेडकर भवन का निर्माण। उपखंड कार्यालय बौंली के बाहर करीब 7 दिन से चल रहा मां श्यामा देवी मंदिर व अंबेडकर भूमि विवाद व धरना प्रदर्शन मंगलवार 8 अप्रैल प्रशासन द्वारा दोनों पक्षों में सुलह कराने के बाद समाप्त हो गया एवं दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से निर्माण करने पर सहमति जताते हुए समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए।

जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली। बौंली उपखंड कार्यालय पर एसडीएम चंद्र प्रकाश वर्मा के समक्ष दोनों पक्षों में समझौता वार्ता शुरू हुई, वार्ता के बाद अंबेडकर भवन हेतु आवंटित खसरा नंबर 6523/1915 रकबा 0.08 है एवं खसरा नंबर 65 25/1919 रकबा 0.04 कुल किता कल एक कबा 012 है में अंबेडकर सेवा समिति बौंली के पदाधिकारी एवं श्यामा देवी विकास समिति बौंली के पदाधिकारी द्वारा विचार विमर्श कर आपसी सहमति से निर्णय लिया गया कि उक्त खसरा नंबर का आवंटित नक्शे के अनुसार प्रशासन द्वारा सीमाज्ञान कराने के बाद मां श्यामा देवी मंदिर और मोक्ष धाम को यथावत रखते हुए शेष भूमि पर अंबेडकर भवन निर्माण कराया जाएगा जो कि सार्वजनिक होगा।

दोनों पक्षों में सुलह हो जाने पर बौंली के प्रबुद्ध नागरिकों ने राहत की सांस ली, जहां अंबेडकर भवन को लेकर सभी आम जनों की एक राय थी, वहीं रावत समाज के आदिकाल से चले आई मां श्यामा देवी का मंदिर व मोक्ष धाम भी उनकी पुरातन संपदा है यह प्रमाणित था । इस मामले को लेकर प्रशासन ने जो सूझबूझ से कार्य किया है वह अत्यंत सराहनीय है।

पानी की किल्लत, महिलाओं ने प्रदर्शन किया

मनोहरपुर। कस्बे में मंगलवार को पानी की किल्लत से नाराज महिलाओं ने पार्षद प्रेम देवी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया है। इस दौरान वार्ड में आ रही जल की समस्या को लेकर कार्यालय कनिष्ठ अभियांत्रिकी अधिकारी से मिलकर समय पर पानी देने का आव्हान किया। पार्षद प्रेम देवी ने कहा कि इस भीषण गर्मी में जल की समस्या चरम सीमा पर है पानी को लेकर वार्ड में त्राहि त्राहि मच गई है।ओर जलदाय विभाग गहरी नींद में सोए हुए हैं।

इससे पूर्व ही बिशनगढ़ डेयरी के पास ही कई लोगों द्वारा लाइन से कनेक्शन लेकर कृषि करने में लगे हुए थे जिनपर विभाग ने तुरंत कार्यवाही करते हुए उनके अवैध कनेक्शन को काटा गया था।उसके बावजूद भी पानी की समस्या अब तक ठीक नहीं की गई है। पानी की समस्या को लेकर महिलाओं ने जलदाय विभाग में जाकर प्रदर्शन किया।

खरीद केंद्रों पर किसानों को मिलेंगी सुविधायें

■ ग्राम सेवा सहकारी समितियों द्वारा 10 अप्रैल से की जानी प्रस्तावित है, सहकारी रजिस्ट्रार मुनेश यादव ने बताया कि जिले में कुल 06 खरीद केन्द्र स्थापित किये है

कोटपूतली। वित्तीय वर्ष 2025-26 में दलहनर्धतिलहन की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद क्रय-विक्रय सहकारी समितियों व ग्राम सेवा सहकारी समितियों द्वारा 10 अप्रैल से की जानी प्रस्तावित है। सहकारी रजिस्ट्रार मुनेश कुमार यादव ने बताया कि जिले में कुल 06 खरीद केन्द्र स्थापित किये गये है। खरीद हेतु परिवहन व हैण्डिलिंग सम्बंधी निविदाएं प्राप्त कर ली गई है तथा प्रत्येक खरीद केन्द्र पर बिजली, पानी एवं छाया आदि की भी समुचित व्यवस्था कर ली गई है। उन्होंने वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद हेतु निर्धारित दरें, खरीद केन्द्र, खरीद लक्ष्यों व खरीद प्रभारीयों का विवरण देते हुए हुए बताया की रबि फसल चना की नई एमएसपी 5650 रुपए प्रति क्विंटल एवं सरसों की 5950 रुपए प्रति क्विंटल है। उन्होंने बताया कि सरसों व चना खरीद हेतु जिले में खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें कोटपूतली क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड, बहरोड़ क्रय- विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड, उपकेंद्र बानसूर, बहरोड़ क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड, पावटा क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड, उपकेंद्र विराटनगर, क्रय- विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड एवं मैड ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड हैं।

नेता प्रतिपक्ष का अपमान कांग्रेस को नहीं मंजूर, पुतला जलाकर जताया आक्रोश

अलवर । कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गाँधी एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के खिलाफ भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा के द्वारा की गई विवादित टिप्पणी के बाद पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश पनप गया है। अलवर के अंबेडकर सर्किल से विरोध स्वरूप उठी सुनामी शाम तक पूरे प्रदेश में फैल गई। राजस्थान प्रदेश के सभी जिलों सहित अलवर जिले के सभी ब्लॉकों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञान देव आहूजा का पुतला जलाकर विरोध प्रकट किया।

जिले के सभी ब्लॉकों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञान देव आहूजा का पुतला जलाकर विरोध प्रकट किया।

जिला प्रवक्ता रिपू दमन गुप्ता ने बताया कि भाजपा नेता द्वारा की गई आपत्तिजनक और दलित विरोधी टिप्पणी के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर सर्किल पर आहूजा का रावण जैसा दशानन पुतले का दहन किया और आहूजा के पुतले की चप्पलों से जमकर पिटाई कर डाली, नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सर्किल पर जाम लगाकर अपना विरोध प्रदर्शन किया वहां से सामूहिक रूप से अपना घर शालीमार स्थित भगवान श्री राम मंदिर में पहुंचकर रामधुनी कर रघुपति राघव राजा राम के साथ भाजपा नेता को सद्बुद्धि देने के लिए धार्मिक गीत गाये कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष श्री टीकाराम जूली के मंदिर जाने के बाद भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा गंगाजल छिड़कना भारतीय जनता पार्टी की दलितों के प्रति दुर्भावना को दर्शाती है। वर्तमान के दौर में भाजपा नेताओं द्वारा दर्शाई गई संकीर्ण मानसिकता कतई स्वीकार्य नहीं है। इसकी जितने शब्दों में निंदा की जाए वह कम है। जिस मिट्टी में राम बसे हों, वहाँ भेदभाव का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। लेकिन भाजपा और उनके नेताओं की सोच में जाति और धर्म का जहर भरा हुआ है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली जी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देना - सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, एक पूरे समाज का अपमान है।

राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:286 जाहिर आम-सूचना दिनांक:08.04.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में फ्लैट संख्या 28/G/013 (EWS), (एरिया 11.510 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन सुश्री कौशानगी आर्य पुत्री श्री मनोज आर्य को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 10722 दिनांक 16.10.2023 को जारी किया गया। सुश्री कौशानगी आर्य की मृत्यु दिनांक 03.03.2023 को हो जाने के कारण अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर श्री राज मंगनानी पुत्र स्व. श्री तोताराम मंगनानी द्वारा उक्त फ्लैट को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री राज मंगनानी पुत्र स्व. श्री तोताराम मंगनानी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना
मेरा अभिभाष्य श्री नासिर खान पुत्र श्री फकीर मोहम्मद, निवासी- प्लाट नं. 277, केसर वाटिका, खौ-नागोरियान, जगतपुरा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान में रहता है। वाके ग्राम मानगढ खोखावाला पटवार क्षेत्र मानसरखेडी अंतर्गत तहसील बस्सी जिला जयपुर में स्थित भूमि खाता संख्या 242 पुराना 235 खसरा नम्बर 472/ 91 रकबा 0.8884 हैक्टयर हिस्सा भूमि संपूर्ण एवं 473/91 रकबा .0441 हैक्टयर हिस्सा 1/2 की खातेदारी मेरे अभिभाष्य के नाम से हाल राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी में मेरे अभिभाष्य के नाम से दर्ज है जिसका मेरा अभिभाष्य काबिज दाखिल मालिक स्वामी रहा। उक्त वर्णित भूमि कृषि योग्य नहीं रहने के कारण मेरे अभिभाष्य ने उक्त भूमि पारस फार्म्स के नाम से कॉलोनी विकसित कर भूखण्डों में विभाजित कर विक्रय करना शुरू कर दिया इसी अनुक्रम में मेरे अभिभाष्य ने आप सभी प्लॉट- धारको को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र बेचान किया है। यह कि मेरा अभिभाष्य सद्भावी विक्रेता है परंतु मेरे अभिभाष्य को जानकारी हुई कि उक्त भूमि के पास से एक नाला जिसका खसरा नं. 317/55, 318/55 व 93 बह रहा है, जिस पर जयपुर विकास प्राधिकरण अधिकारियों का यह कहना है कि उक्त नाले के आस-पास स्थित 80 मीटर जमीन नाले की है और इस प्रकार से जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 80 मीटर की जमीन के लिए विवाद कारित किया जा रहा है जिस कारण से उक्त भूमि का सीमाक्षेत्र स्पष्ट नहीं हो पा रहा है जिस पर मेरे अभिभाष्य का सभी प्लॉट-धारको से निवेदन है कि आप अपने भूखण्डों का किसी अन्य व्यक्ति को बेचान न करें क्योंकि इस विषय पर मेरे अभिभाष्य ने दिनांक 24.01.2025 एवं दिनांक 07.02.2025 को श्रीमान तहसीलदार महोदय (तहसील-बस्सी, जयपुर), श्रीमान अधिकारी महोदय जयपुर विकास प्राधिकरण जोन-13 एवं श्रीमान सेटेलमेंट कमीश्नर महोदय (जयपुर) को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अधिकारियों से सीमाज्ञान की माप करवाने के लिये अनुरोध किया है। मेरे अभिभाष्य ने पुनः एक प्रार्थना पत्र दिनांक 19.03.2025 को भू प्रबंधक अधिकारी, जयपुर के समक्ष (क्रमांक सं. 1133) प्रस्तुत कर सीमाज्ञान की माप करने का निवेदन किया था जिसमें भू प्रबंधक अधिकारी द्वारा पटवारी को सीमाज्ञान की माप करने के आदेश पारित कर दिए हैं। जब तक सीमाज्ञान नहीं हो जाता तब तक संपूर्ण कॉलोनी का काम बंद हो रखा है और सीमाज्ञान पूर्ण होते ही मेरा अभिभाष्य स्वंम ही सभी को बुलाकर प्लॉट का भौतिक कब्जा सम्भला देगा। यदि फिर भी कोई प्लॉट-धारक सीमाज्ञान होने तक का इतजार नहीं कर सकता है वह स्वयं की इच्छा से अपने भूखण्डों का बेचान मेरे अभिभाष्य के हक में करवाकर बैंक ब्याज सहित अपना पैसा ले सकते है एवं इसके साथ ही लिगल फीस व रजिस्ट्री का खर्चा भी प्राप्त कर सकता है। सूचित रहे । **भवदीय**
(अनिल मोहता) एडवोकेट, मो.नं. 9314021355

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अशोक शर्मा से बदलकर अशोक कुमार पुत्र मदनलाल रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी डी-8-ए, थीम कॉलोनी, मुरलीपुरा, जयपुर

मैंने अपना नाम रेखा शर्मा से बदलकर रेखा पत्नी अशोक कुमार रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी डी-8-ए, थीम कॉलोनी, मुरलीपुरा, जयपुर

मैंनें अपना नाम FARDEEN से बदलकर MOHAMMED FARDEEN पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी 117, हजरत अली नगर, रामगढ मोड, जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे MOHAMMED FARDEEN के नाम से जाना पहचाना जावें।

I, neeraj kumar resident of khanpatti, pindra, varanasi, uttar pradesh pin-221202 have changed my son's name from Aditya Kumar Patel to Aditya singh vide affidavit dated 03/04/2025 before Amer court jaipur rajasthan.

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:91 जाहिर आम-सूचना दिनांक:07.04.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 75/286 (MIG-A), (एरिया 90.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री मनोज कुमार बिदावत पुत्र स्व. श्री विष्णु लाल बिदावत को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1932 दिनांक 29.03.2005 को जारी किया गया। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 11.05.2005 को प्राप्त कर लिया गया। श्री मनोज कुमार बिदावत की मृत्यु दिनांक 08.04.2024 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती मीरा वर्मा पत्नी स्व. श्री मनोज कुमार द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्रीमती मीरा वर्मा पत्नी स्व. श्री मनोज कुमार का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, राज. आवा. मण्डल वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जविप्रा / उपा./ जोन-14/2025/डी-676
सार्वजनिक सूचना दिनांक-8/4/2025
आवेदक श्री यशपाल चन्द्रावत पुत्र श्री गजराज सिंह द्वारा ग्राम बाझपदमपुरा तह. चाकसू के ख.नं. 403 (नवीन ख.नं. 809/403) रकबा 0.126925 हैक्ट, 90ए शुदा भूमि पर वाणिज्य (पेट्रोल पम्प) प्रयोजनार्थ एकल पट्टा मानचित्र अनुमोदन हेतु आवेदन किया गया था। जिसके क्रम में प्राधिकरण की बी.पी.सी. (एल.पी.) समिति की 378वी बैठक दिनांक 17.12.2024 में आवेदित भूमि के लगते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के स्वामित्व के खसरा नम्बर 432 पर विद्यमान सड़क का अधिसूचना दिनांक 10.08.2020 के क्रम में मार्गाधिकार 24 मीटर रखे जाने का निर्णय लिया गया है।
यदि उक्त निर्णय पर किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन के 10 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय जोन-14, जविप्रा में अपने दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त कालावधि में आपत्ति / सुझाव प्राप्त नही होने पर नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लायी जावेगी। सूचित रहे।
यह विज्ञप्ति आज दिनांक को जारी की गई है।
उपायुक्त जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

खोया पाया

मेरे प्लाट नं- A-100 निजी खातेदारी की योजना हरे कृष्णा विहार विस्तार का अपंजीकृत जे.डी.ए पट्टा, साईट प्लान और संगलन स्टाम्प पेपर व अन्य दस्तावेज कही गुम हो गये है मिलने पर सूचित करे ग्यारसी लाल मो.-9057221717

जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर की आवासीय योजना-बक्शावाला जेडीए स्कीम, जयपुर के प्लॉट नम्बर ए-62 का मूल आवंटन पत्र, संशोधित आवंटन पत्र, कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें। लक्ष्मी देवी टांक- मो.नं.7014151080

मेरे भूखण्ड संख्या H-275 अभिनव विहार विस्तार, ग्राम- तितरिया तह. चाकसू का मूल पट्टा एंव मुख्तयारनामा आम गिर / गुम हो गया मिलने पर सूचित करे। जयन्ती मेघवानी मो. 9309469710

मेरे फ्लैट नम्बर 110, यूनिक सांघी अपार्टमेन्ट, महावीर नगर, दुर्गापुरा, जयपुर, के असल दस्तावेजात, गांधी पथ, वैशाली नगर, जयपुर में 26.03.2025 को गिर गये है। मिलने पर सूचित करें। श्रीमती मनु प्रिया दिवान पत्नी श्री अजय दिवान निवासी प्लाट नम्बर-7, जय श्री कृष्ण, अर्जुन नगर, जयपुर, मोबाईलः 9214009940

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
कमांक:एफ()जविप्रा/उपा/जोन-11/2025/डी-5466
सार्वजनिक सूचना दिनांक-5/05/25
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री हर्षित गुप्ता पुत्र श्री रामराय गुप्ता के द्वारा सेज पुनर्वास योजना ग्राम कलवाडा के आवासीय भूखण्ड संख्या 32 क्षेत्रफल 869.40 वर्गमीटर का नाम हस्तान्तरण किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड की लीजडीड श्रीमती रीना गुप्ता पत्नी श्री भूपेश कुमार अग्रवाल एवं श्रीमती शिल्पा जैन पत्नी श्री राकेश कुमार व्यास के पक्ष मे क्रमांक 6034 दिनांक 27.4.2016 के द्वारा जारी की गयी है। श्रीमती आस्था बंसल पत्नी श्री नरेश कुमार बंसल बहैसियत मुख्त्यारआम श्रीमती रीना गुप्ता पत्नी श्री भूपेश कुमार अग्रवाल एवं श्रीमती शिल्पा जैन पत्नी श्री राकेश कुमार व्यास द्वारा उक्त भूखण्ड श्रीमती शालिनी जैन पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार जैन एवं श्रीमती अनिता बाकलीवाल पत्नी श्री अशोक कुमार जैन को विक्रय कर दिया गया। तत्पश्चात श्रीमती शालिनी जैन पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार जैन एवं श्रीमती अनिता बाकलीवाल पत्नी श्री अशोक कुमार जैन के द्वारा उक्त भूखण्ड श्री हर्षित गुप्ता पुत्र श्री रामराय गुप्ता को विक्रय कर दिया गया है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भूखण्ड के नाम हस्तांतरण/लीजडीड किये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति / फर्म/ कम्पनी / संस्था एवं अन्य को आपत्ति हो तो यह सूचना जारी होने के 7 दिवस मे इस कार्यालय मे प्रस्तुत करें। **उपायुक्त जोन-11, जविप्रा, जयपुर**

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 30/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री रामावतार होलानी प्रन्यासी / प्रबंधक ने पंजीकृत प्रन्यास श्री लिखमी चंद होलानी, शिव भक्त ट्रस्ट बी- 15/16 शिव मार्ग, बनीपार्क जयपुर जिसका पंजीयन कमांक 116 जयपुर 2024 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के नाम अचल सम्पत्ति प्लाट न 5-6, कुल क्षेत्रफल 680.20 वर्गगज भूमि योजना बालाजी विहार, जयसिंहपुरा, बड के बालाजी, धनक्या रोड, जयपुर में क्रय की सम्पदा को प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 4/4/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी गया।
आइन्दा तारीख पेशी 9/5/25
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता मुरलीपुरा जोन
नगर निगम, ग्रेटर जयपुर
मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर
क्रमांक :- ज.स.अ./2025/04 दिनांक :- 07/04/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 01 - 19/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं।
UBN No. JMC2526WSOB00001 To 00019
राज.संवाद/सी/25/484
अधिशाषी अभियन्ता (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

आयुष मंत्रालय
भारत सरकार
विदेशी विश्वविद्यालयों में आयुर्वेद और यूनानी पीठों की प्रतिनियुक्ति
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा पद्धित पर पीठ स्थापित करने का प्रस्ताव करता है।
2. आयुर्वेद और यूनानी चेयर के लिए पात्र भारतीय उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप में पूर्णकालिक निश्चित अवधि के अनुबंध के आधार पर एक वर्ष के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सभी चेयर के लिए एक आवेदन पर्याप्त है। चयनित पदधारी को शैक्षिणक वर्ष 2025-26 के दौरान संबंधित चेयर में प्रतिनियुक्त किया जा सकता है।
3. आवेदन का प्रारूप, तथा आयुष चेयर के लिए विस्तृत दिशानिर्देश, जिसमें आयुष चेयर के उद्देश्य और परिणाम, अपेक्षित परिणाम, पात्रता मानदंड आदि का उल्लेख है, मंत्रालय की वेबसाइट http://ayush.gov.in/ पर उपलब्ध है।
4. चेयर के लिए पूरा आवेदन पत्र विज्ञापन के 30 दिनों के भीतर उचित माध्यम से श्री जैनुल अबादीन, अवर सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के पास पहुंच जाना चाहिए। पताः कमरा नंबर 111, आयुष भवन, बी ब्लॉक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली 110023 (भारत)।
5. केवल योग्य उम्मीदवारों को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। द्वितीय श्रेणी एसी किराया प्रतिपूर्ति किया जाएगा।
CBC 17201/11/0001/2526

पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर पुतला जलाया

चौमूं / कालाडेरा । भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा की ओर से नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मन्दिर में प्रवेश करने पर मन्दिर को गंगाजल से धोने के मामले में चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा नगर परिषद चौमूं के सामने तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही प्रदर्शन कर पुतला जलाया गया।

पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली के राम मन्दिर में दर्शन करने पर यह बयान दिया था कि उनके कारण मन्दिर अपवित्र हो गया। विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि रामनवमी के पर्व पर अलवर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मन्दिर जाने के बाद भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा घृणित मानसिकता दिखाते हुए गंगाजल छिड़कने का जो कृत्य किया गया है, वो बेहद निंदनीय है और दलितों के प्रति निरादर और द्वेष भाव को दर्शाता है। ऐसी संकीर्ण, विभाजनकारी और जातिवादी सोच एक लोकतांत्रिक और समावेशी समाज के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है।

यह कृत्य न केवल दलित समाज का अपमान है, बल्कि सामाजिक सौहार्द पर भी आघात है। भगवान राम समस्त मानवता के आराध्य देव हैं, उनके नाम पर ऐसा संकीर्ण राजनैतिक व्यवहार करना भाजपा के द्वारा अत्यंत शर्मनाक है। भाजपा की विचारधारा, बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान और उसके मूल्यों को लगातार आघात पहुँचा रही है। इस दौरान नगर परिषद सभापति विष्णु सैनी, पूर्वी एवं पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश शर्मा, गिरिराज देवंदा, पूर्व प्रधान भगवान सहाय धाँसिल, छीतरमल जलुथरिया, पंचायत समिति सदस्य कैलास यादव, पूर्व सरपंच सरपंच कृष्ण कांत शर्मा, पार्षद, आमिर ख़ान, पार्षद अशोक रच्छौया, पार्षद उत्तम गोठवाल, पार्षद कमल यादव, पार्षद राकेश कुमावत, पार्षद सायरमल सैनी, पार्षद महेश यादव, पार्षद शैलेन्द्र चौधरी, पार्षद महेन्द्र लाम्बा, पार्षद धीरेंद्र सैनी, पार्षद महेन्द्र कुमावत, पार्षद फिरोज नागौरी, पार्षद प्रत्याशी छीतरमल सैनी, पार्षद प्रत्याशी मुकेश सैनी, पार्षद प्रत्याशी विनोद आर्य, पार्षद प्रतिनिधि प्रहलाद गुलिया, पार्षद प्रतिनिधि अभिषेक सैनी, सरपंच अशोक यादव, कैलाश बुनकर, पी. डी. यादव, किशोर कासोटिया, मोहनलाल कुमावत, जगदीश सेरावत, शंकर डागर, गौतम नागर, साजिद पठान, कैलाश अटल, महेन्द्र मीणा, लाला बलेसरा, युवा नेता नवीन शर्मा, चन्द्रकला नागौरी, बंटी सैनी, गजानंद सैनी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर परिषद चौमूं के सामने पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

■ चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला के नेतृत्व में नगर परिषद चौमूं के सामने तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया

किशनगढ़ बास में श्याम बाबा का दो दिवसीय मेला शुरू, भक्तों का उमड़ा सैलाब

किशनगढ़ बास। खाटू नगरी के बाद किशनगढ़ बास के बास कृपाल नगर में 8 वें 9 अप्रैल को भरने वाले दो दिवसीय श्री श्याम प्रभु लक्खी मेले के शुभारंभ पर मंगलवार को रात्रि 9 बजे पहुंचे अलवर सांसद एवं केंद्रीय पर्यावरण वन मंत्री भूपेंद्र यादव, भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य व पूर्व विधायक रामहेत यादव ने मंदिर पहुंचकर श्याम प्रभु के दर्शन किए व शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया आरती की और रात्रि संकीर्तन का विधिवत शुभारंभ किया। मंदिर कमेटी के लोगों ने इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सहित अतिथियों का श्याम दुपट्टा पहनाकर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। बास कृपाल नगर में श्री श्याम प्रभु का यह 51 वा मेला है जो चैत्र शुक्ल ग्यारस को भरता है। मेले के प्रथम दिन सायं मंदिर से श्री श्याम प्रभु रथ पर सवार होकर भव्य झांकी के साथ शहर में भक्तों को दर्शन देने के लिए निकाले गए । श्री श्याम प्रभु के दर्शनों के लिए सड़कों पर अद्भुत नजारा था। पूरे रास्ते भक्त पलक पांवड़े बिछाए सड़कों पर बाबा के दर्शनों के लिए इंतजार में खड़े थे। रथ यात्रा में भक्त नाचते गाते हुए चल रहे। दो दर्जन से अधिक झांकियां श्याम बाबा के रथ के साथ चल रही थी। कदम कदम पर भक्त विभिन्न पकवानों की स्टाल लगाकर प्रसाद का वितरण करते दिखाई दिए। श्री श्याम प्रभु के मेले के अवसर पर पधारे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बाईपास स्थित भाजपा कार्यकर्ता दीपचंद यादव के यहां जनसुनवाई की। जनसुनवाई में किशनगढ़ बास बंबोरा गौठडा माचा सहित आसपास के गांव से पहुंचे कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान राष्ट्रीय परिषद समिति के सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव , संजय नरूका, बन्ना राम मीणा, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल जिला कलेक्टर किशोर कुमार, एसपी मनीष चौधरी, एसडीएम मनीष जाटव, सतीश सिंघल, मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल आदि नेता अधिकारी मौजूद रहे।

■ केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामहेत यादव पहुंचे मंदिर, श्याम प्रभु के किए दर्शन, क्षेत्र की खुशहाली के लिए मांगी मन्नत, कमेटी ने किया सम्मान

किशनगढ़ बास में जनसुनवाई करते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव।

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लिए गए अहम निर्णय

नारायणपुर। कस्बे के आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को मेडिकल रिलीफ सोसायटी (एमआरएस) की बैठक एसडीएम दिनेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में क्षेत्रीय विधायक देवीसिंह शेखावत बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें स्वास्थ्य केंद्र पर बिजली डीपी शिफ्टिंग और सीबीसी मशीन की खरीद को मंजूरी दी गई। इसके अलावा नए वार्डों में शिफ्टिंग के लिए आवश्यक फर्नीचर और बेड की खरीद के लिए भी प्रस्ताव पारित किए गए। स्वास्थ्य केंद्र की नियमित सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए लैब, एक्सरे, प्रिंटिंग और सफाई कार्यों की निविदाएं आमंत्रित करने का भी निर्णय लिया गया।

कलेक्टर ने नगर पालिका, अस्पताल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कोटकासिम। खैरथल तिजारा जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटकासिम का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी रेखा यादव, अस्पताल चिकित्सक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर उपखंड कार्यालय, नगर पालिका कार्यालय, उचित मूल्य की दुकानों का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा।

अस्पताल निरिक्षण के लिए पहुंचे जिला कलेक्टर ने वार्ड में भर्ती मरीजों से हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं एवं डॉक्टर के बारे में फीडबैक लिया और साफ सफाई की व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने इस दौरान मरीजों से बातचीत कर उनको दी जाने वाली सुविधा के बारे जानकारी ली। उपकरण आदि का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अस्पताल ड्यूटी कार्मिकों से उनके कार्य की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए और कहा कि अस्पताल आने वाले मरीज एवं उनके परिजनों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार करे, भर्ती मरीजों को प्रावधान के अनुरूप सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं जिससे मरीजों एवं उनके साथ आने परिजनों को असुविधा नहीं हो। इसके अलावा जिला कलेक्टर ने कोटकासिम की ग्राम सेवा सहकारी समिति का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न का रखरखाव ठीक से नहीं होने पर रसद अधिकारी को मौके पर लाइसेंस सस्पेंड करने के निर्देश दिए। इसी के साथ कलेक्टर ने गांव गुरगचका की उचित मूल्य की दुकान का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने राशन वितरण की पारदर्शिता, स्टॉक रजिस्टर, रेट लिस्ट, अवलोकन किया और मौके पर आमजन से संवाद कर मिलने वाले राशन की मात्रा और समय पर वितरण को लेकर फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं राशन डीलर को स्पष्ट किया कि यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता पाई गई तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

■ कलेक्टर ने उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण कर लाइसेंस निरस्त करने के दिए निर्देश

कोटकासिम अस्पताल निरीक्षण के दौरान मरीजों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का फीडबैक लेते जिला कलेक्टर किशोर कुमार।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी : रामसहाय वर्मा

भाजपा स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए विधायक वर्मा।

निवाई। भाजपा शहर मंडल, अरनिया मंडल, नटवाड़ा मंडल व डागरथल मंडल के तत्वावधान में भाजपा का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, प्रधान रामअवतार लांगडी, मुख्य वक्ता पूर्व जिला प्रमुख सत्यनारायण चौधरी, महिला मोर्चा पूर्व जिला महामंत्री नीलिमा आमेरा रहे।

विधायक वर्मा ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। पार्टी का स्थापना दिवस पर देश सहित प्रदेश भर में प्रत्येक मंडल स्तर पर मनाया जा रहा है। मुख्य वक्ता सत्यनारायण चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सडक़ से सडक़, नदी से नदी को जोडऩे का ऐतिहासिक कार्य किया था। उनका लक्ष्य भारतीय जनता पार्टी को बड़ी पार्टी बनाना था। आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। प्रधान रामअवतार लांगडी ने कहा कि कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की नीति और रीति को घर घर तक पहुंचाने का कार्य करें। पूर्व विधायक किशनाराम सैन को भी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर शहर मंडल अध्यक्ष अंकुर गुप्ता, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर, भाजपा नेता रामप्रसाद शर्मा, पार्षद नितिन छाबड़ा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

गर्मी में पेयजल व्यवस्था में लापरवाही नहीं हो : कन्हैयालाल चौधरी

दौसा। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जलदाय विभाग के आला अधिकारियो की जमकर क्लास ली, साथ ही संतोषप्रद जवाब नही देने पर जमकर फटकार भी लगाई। इधर बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने जलदाय विभाग के आला अधिकारियों को ढर्रा नहीं सुधारने एवं ठेकेदारों को पोषित करने पर निलम्बन की कार्यवाही करने की चेतावनी दी है, जिसके चलते विभाग में हडकम्प मच गया।

बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि कान खोलकर सुन लो सभी, अब फर्जीवाड़ा नहीं चलेगा। अगले माह टीम लेकर आऊंगा, कहीं भी लापरवाही मिली तो मौके पर ही सस्पेंड करूँगा, स्थिति बहुत ही खराब चल रही है। जल जीवन मिशन में अब कोई भी काम होगा वो पूरे मापदंड से ही होगा। आपके प्रोजेक्ट में कहीं पानी नहीं जा रहा, लाइनें बाहर बिखरी पड़ी है अब नहीं चलेगा ये सब, अधिकारी लापरवाह एवं भ्रष्ट ठेकेदारों को पोषित कर रहे हैं। काम में देरी पर भी पेनेल्टी नहीं लगाते, जिसकी औकात 100 करोड़ के काम की नहीं है, वे 500 करोड़ का काम लेते हैं। उन्होने कहा कि गर्मी में पेयजल व्यवस्था में लापरवाही नहीं हो। आवश्यकता वाले स्थानों पर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की देरी नहीं हो। जहां जरूरत हो, वहां ट्ययूबवैल व हैण्डपम्प लगवाएं। पेयजल वितरण व कार्य में देरी करने पर अधिकारी व ठेकेदारों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होने कहा कि जल आपूर्ति कार्य से जुड़े ठेकेदारों और कंपनियों द्वारा बरती गई अनियमितताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जावेगी। जनता को पानी और मुझे आपका काम चाहिए, परिणाम सार्थक नहीं रहा तो लापरवाह अधिकारियों को किसी भी सूरत में बक्शा नहीं जाएगा। बैठक में पूर्व विधायक शंकर शर्मा ने कहा कि जलापूर्ति वितरण में भारी अनियमिततायें है, अधिकारियों की मिली भगत से ठेकेदार फर्जी बिल बनाकर भुगतान उठा रहे है, अधिकारी जल वितरण की समीक्षा तक नही करते है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा शिकायत किये जाने पर उनकी सुनवाई तक नही होती है, पीने के पानी के लिए जनप्रतिनिधियों को अधिकारियों के सामने गिडगिडाना पडता है।

■ कन्हैयालाल चौधरी ने अधिकारियो की जमकर क्लास ली, साथ ही संतोषप्रद जवाब नही देने पर जमकर फटकार भी लगाई

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कलेक्ट्रेट के सभागार में समीक्षा बैठक ली।

पोस्टर का विमोचन किया

पावटा। माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा व माली/ सैनी महासभा पंचायत संस्था तहसील पावटा के तत्वावधान एवं पेंशनर समाज पावटा के मार्गदर्शन व सब्जी मंडी पावटा समस्त आढतिया एवं दुकानदारों के सौजन्य से 11 अप्रैल 2025 शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती पावटा स्थित सब्जी मंडी प्रांगण में मनाई जायेगी। जिसको लेकर श्री श्री 108 मंगलदास महाराज टोरडा धाम के सान्निध्य में माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा के अध्यक्ष मोहनलाल सैनी सामाजिक कार्यकर्ता एवं माली/ सैनी महासभा पंचायत संस्था तहसील पावटा के अध्यक्ष श्री पटेल रामसिंह सैनी, संस्था सचिव भीमराज सैनी, संस्था उपाध्यक्ष गणेश सैनी एवं संस्था के सदस्यों के नेतृत्व में वार्ड पार्षद विजय गुप्ता , संजय खुटेटा, शंकर खंडेलवाल, बद्री प्रसाद चौहान एवं डीपी हॉस्पिटल की डॉक्टर्स टीम द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया। कोषाध्यक्ष बंशीधर सैनी ने बताया कि इस दौरान सबसे पहले महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती उत्सव कार्यक्रम का आयोजन होगा।

संक्षिप्त

रामचरितमानस के अखंड पाठ शुरू

निवाई। ग्राम खणदेवत में स्थित बावड़ी वाले बालाजी मंदिर में आचार्य पंडित मोहनलाल शास्त्री खणदेवत के सानिध्य में श्री रामचरितमानस के अखंड पाठों की विधिवत शुरुआत हुई। आचार्य शास्त्री के निर्देशन में पं. रमेशचंद शर्मा निमेड़ा, रमेशचंद सीन्दरा, पं. विनोद गौतम वनस्थली ने मंत्रोच्चारण के साथ सभी देवी देवताओं की पूजा करवाई। उसके बाद श्री रामचरितमानस की विधिवत पूजा संपन्न करवाई। इसी के साथ व्यास पीठ से श्री रामचरितमानस के पठान शुरू हुए। आचार्य मोहनलाल ने बताया कि बुधवार की सुबह अखंड पाठों की अभिजीत मुहूर्त में पूर्णाहुति होगी।

भक्तों ने दी भजनों की प्रस्तुति

बौंली- बामनवास। चैत्र नवरात्र के समापन के बाद एकादशी के पावन पर्व पर श्री रघुनाथ जी मंदिर आजाद चौक बौंली के प्रांगण में सुर संगम के निदेशक सीताराम त्रिवेदी के नेतृत्व में श्याम वेद के प्रमुख गायको ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी, एकादशी पर महिलाओं के पूजा अर्चना के बाद पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी हंसराज शर्मा ने एकादशी पावन कथा सुनाने के बाद भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान अनिल कुमार गौतम, महेंद्र वैष्णव, दीपक जांगिड़, व पत्रकार श्रद्धा ओम त्रिवेदी सहित अनेको भजन गायक व श्रद्धालु महिला, पुरुष उपस्थित थे।

ग्राम विकास अधिकारी संघ की बैठक संपन्न

पीपलू। पंचायत समिति सभागार में राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ की बैठक आयोजित हुई। जिसमें ग्राम विकास अधिकारियों की व्यक्तिगत सामूहिक व संगठन आत्मक समस्याओं सहित स्वामित्व योजना आवास सर्वे व नियमित सफाई के मुद्दों पर चर्चा की गई। जिला संयुक्त मंत्री सचिन शर्मा व ब्लॉक मंत्री लोकेश चौधरी ने विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर प्रकोष्ठ बैठक आयोजित करने का निवेदन किया। बैठक में ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र गुर्जर, महावीर गुर्जर, राजाराम गुर्जर, बलराम जाखड़, सूर्यकांत प्रजापत, नितेश व कन्हैयालाल चौधरी व सहित कई कर्मचारी मौजूद थे।

हनुमान जयंती 12 को

श्रीमाधोपुर । कस्बे के इच्छापूर्ण बालाजी स्टेशन रोड मंदिर में 11 अप्रैल शुक्रवार को प्रात: 7:30 से रामायण स्थापना होगी । मंदिर के बालाजी भक्त राजू नाई ने बताया कि 12 अप्रैल शनिवार को रामायण की पूर्णाहुति प्रात: 11 बजे तत्पश्चात हवन का आयोजन किया जाएगा ।श्याम 4 से पंगत प्रसादी शुरू की जाएगी जो देर शाम तक चलती रहेगी सैन ने बताया कि बालाजी भक्ति अधिक से अधिक पहुंचकर पंगत प्रसादी का लाभ उठाएं।

नरेंद्र सिंह समिति के सदस्य बने

श्रीमाधोपुर। ग्राम मऊ के नरेंद्र सिंह को नगर निगम जयपुर हेरिटेज में अवैध भवन निर्माण निरोधक समिति के सदस्य बनाया। ग्राम के राकेश शर्मा ने बताया कि मऊ ग्राम के नरेंद्र सिंह शेखावत को नगर निगम जयपुर हेरिटेज में अवैध भवन निर्माण निरोधक समिति का सदस्य बनाया गया है। सदस्य बनाए जाने पर ग्रामवासियों ने उनको बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भैरव मंदिर जागरण में निकाली माता की सुंदर झांकी

बहरोड़/ नीमराना। बहरोड़ के इंदिरा कॉलोनी स्थित बाबा भैरव मंदिर के रात्रि जागरण में भजन कीर्तन पार्टी के साथ ही माता की सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई। भक्तों ने बाबा भैरव के रात्रि जागरण कार्यक्रम में माता की सुंदर झांकी निकालकर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणवी भजन पार्टी के साथ ही मंदिर कमेटी के सदस्य एवं अनेक बुजुर्ग तथा महिला एवं पुरुष व बच्चे मौजूद रहे।

बाल विवाह के प्रभावी रोकथाम के निर्देश

अलवर । जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अक्षय तृतीया के पर्व एवं पीपल पूर्णिमा अबूझ सावा पर बाल विवाहों की प्रभावी रोकथाम हेतु उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं अधिकारियों को कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है।

सार-समाचार

ज्ञानदेव आहूजा का पुतला जलाया

पावटा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के ख़िलाफ़ भाजपा पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा द्वारा दिए गए शर्मनाक एवं अमर्यादित बयान को लेकर मंगलवार को कांग्रेस कमेटी ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व प्रधान महादेव यादव, सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी पावटा कस्बा स्थित सुभाष चौक पहुंचे। जहां ज्ञानदेव आहूजा का पुतला बनाकर जलाया गया व विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आहूजा के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। सभी ने एक स्वर में ज्ञानदेव आहूजा के बयान का कड़ा विरोध किया। ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व प्रधान महादेव यादव व सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला ने बताया कि भाजपा पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा की इसके पीछे उनकी ओछी मानसिकता है। यह उनकी विकृत मानसिकता का परिचय है। सबको समानता का अधिकार है इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस सचिव जगदीश मीणा, रामकरण यादव बड़नगर सरपंच,करण पंसारी सागर वर्मा पूर्व सरपंच, करतार सिंह शेखावत, गणेश सैनी, जितेंद्र यादव, वेदप्रकाश बाकोलिया, विकास वर्मा रवि सैन, विनोद यादव, सीताराम सिंघल, विजय राठी सहित कांग्रेस के लोगों ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली विधानसभा में दलित , पिछड़े, वंचित, शोषित युवाओं व किसानों सहित हर वर्ग की आवाज और सवाल मजबूती से उठाते हैं। इसलिए भाजपा नेता उनके खिलाफ इस तरह का बयान दे रहें है।

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

निवाई। गांव कांटोली को ग्राम पंचायत नोहटा में ही रखने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी सुरेशकुमार हरसोलिया को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन किया जा रहा है। जिसमें ग्राम कांटोली को ग्राम पंचायत नोहटा से हटाकर रामनगर धतूरी में किया जा रहा है। जबकि कांटोली ग्राम नोहटा की सीमा से लगता है। दोनों में मात्र एक डेढ किलोटमीटर की दूरी है तथा ग्राम कांटोली का पटवार हल्का व गिरदावर हल्का भी नोहटा में ही लगता है। ग्राम कांटोली व नोहटा गांव की जमीन एक दूसरे की सीमा में आती है ।आने जाने हेतु डामरीकरण सडक़ व सुलभ रास्ते हैं फिर भी ग्राम कांटोली को ग्राम पंचायत नोहटा से हटाकर रामनगर में जोडा जा रहा है। जो न्यायोचित नहीं है। ज्ञापन देने वालों में मांगीलाल गुर्जर, आरडी गुर्जर, नादानसिंह करीरिया, रणजीतसिंह मीणा, पप्पूलाल सैन, दिलराज खटाना, दयाशंकर पोसवाल, हनुमान, जगन्नाथ बैरवा, हरनाथ लांगड़ी, कजोड़मल, गिर्राज शर्मा, सुरज्ञान, रामस्वरूप, हंसराज पटेल, गोविंद मीणा, हेमराज चौधरी, रामजीलाल जाट, सीताराम व मुकेश बैरवा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

अभ्रद टिप्पणी पर किया पुतला दहन

टोंक। जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा के नेतृत्व में घंटाघर चौराहा टोंक नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर भाजपा नेता द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा की राज्य सरकार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने कहा कि भाजपा के नेताओं में दलितों के प्रति जो निरादर और द्वेष भरा है वो जगजाहिर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष और दलित समाज के प्रतिनिधि टीकाराम जूली ने अलवर में प्रभु राम के मंदिर में दर्शन किये थे, इस दौरान भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा ने गंगाजल छिड़क कर पवित्र करने की बात कही है, उससे उनकी दलितों के प्रति घृणित मानसिकता और संकीर्ण सोच सामने आई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञानदेव आहूजा का बयान भाजपा की दलितों के प्रति मानसिकता का परिचायक है, राजस्थान की जनता से भाजपा के नेतृत्व को क्षमा माँगनी चाहिए।

सप्तम पोषण पखवाड़े का शुभारम्भ

कोटपूतली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार 08 से 22 अप्रैल 2025 तक मनाये जाने वाले सप्तम राष्ट्रीय पोषण पखवाड़े का मंगलवार को शुभारम्भ जिला स्तर पर रैली निकालकर एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पोषण संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग उपनिदेशक सतपाल यादव ने बताया कि पखवाड़े के दौरान मुख्य रूप से 04 थीम पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जायेगी। जिनमें जीवन के प्रारम्भिक एक हजार दिनों पर ध्यान केद्रित करना, पोषण ट्रेकर में लाभार्थी मॉड्यूल का लोकप्रियकरण, सीएमएएम मॉड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन एवं बच्चों में मोटापे की समस्या से निपटने के लिये स्वस्थ जीवनशैली शामिल है। उन्होंने बताया कि पोषण पखवाड़े के दौरान थीम आधारित गतिविधियों के अतिरिक्त सामुदायिक सम्पर्क और जन जागरूक के माध्यम से कुपोषण को समाप्त करने से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान पोषण रैली का आयोजन किया गया। इस मौके पर महिला पर्यवेक्षक संतरा यादव, शारदा देवी, वरिष्ठ सहायक नैना, ब्लॉक सुपरवाईजर किरण, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार शर्मा समेत एएनएम व आशा सहयोगिनी अन्य मौजूद रहे।

दुष्कर्म का वांछित आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सागवान के निर्देशन में रामसिंह पुलिस उप अधीक्षक देवली एवं दौलत राम गुर्जर थानाधिकारी देवली के नेतृत्व में नाबालिक का अपहरण कर दुष्कर्म के प्रकरण में वांछित 5 हजार रूपये का ईनामी आरोपी की तलाश हेतु विशेष टीम का गठन कर टीम द्वारा तकनीकी संसाधनों की सहायता एवं संकलित सूचनाओं के आधार पर ग्राम सिरोही, कस्बा दूनी, टोंक, जयपुर शहर, हिण्डोली, सावर, काछोला, जहाजपुर में कई संभावित स्थानों पर दबिश दी गई तथा मुखबीर की सूचना पर आरोपी अशोक पुत्र पांचु जाति खटीक उम्र 36 साल निवासी ग्राम सिरोही थाना देवली को कस्बा जहाजपुर जिला भीलवाडा से डिटेन कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ सामूहिक बलात्कार की धाराओं में मामला दर्ज है तथा घटना में शामिल अन्य आरोपीयों के बारे में गहनता से पूछताछ की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी का नाबालिक के साथ भतिजी का रिश्ता बताया गया है, तथा पूर्व में आरोपी दुष्कर्म के प्रकरण में रह चूका 2 साल जैल में रह चुका है।

बैठक का आयोजन

कोटपूतली। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में खनिज विकास को दृष्टिगत रखते हुए वैधानिक खनन की व्यवहारिक समस्याओं का निराकरण करते हुए पर्यावरण अनुकूल खनन को बढावा देने एवं अवैध खनन की रोकथाम हेतु जिला स्तरीय खनिज विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं अवैध खनन निगरानी समिति की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण सहित संबंधित अधिकारी एवं समिति सदस्य दीपसिंह शेखावत, प्रतिनिधि एनजीओ आपकी आवाज फाउण्डेशन (पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में कार्यरत एनजीओ), खनन पट्टाधारी सीताराम अग्रवाल, मोहन सिंह शेखावत, सुनील कुमार यादव, शंकर स्वामी (खनन पट्टाधारी) उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर ने गठित समिति के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि उक्त समिति जिले में अवैध खनन/निर्गमन की रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही करवाकर अवैध खनन/निर्गमन पर निगरानी करेगी।

मंगल पांडे का बलिदान दिवस मनाया

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम सांगटेड़ा स्थित ज्ञानदीप आदर्श विद्यालय में मंगलवार को समाजसेवी रतनलाल शर्मा के नेतृत्व में मंगल पांडे का 168 वाँ बलिदान दिवस मनाया गया। समाजसेवी शर्मा ने कहा कि मंगल पांडे ने 29 मार्च 1857 को बैरकपुर परेड ग्राउंड में लेफ्टिनेंट ब्रांऊ और मेजर सार्जेंट हुसन पर गोली चलाई थी। हिंदुस्तान की आजादी की पहली गोली से अंग्रेज भयभीत हो गये। अंग्रेजों को मंगल पांडे ने मौत के घाट उतार दिया। शहीद मंगल पांडे को 08 अप्रैल 1857 को फांसी दे दी गई। जिससे पूरे देश में आजादी के लिए सुर उठने लगे। मंगल पांडे नेटिव इन्फैंट्री की 34 सी रेजीमेंट में सिपाही थे। इस दौरान विद्यालय में भारत माता जिंदाबाद मंगल पांडे अमर रहे नारे गूंजे और 02 मिनट का मौन रखा गया। निदेशक बाबूलाल चौधरी ने विधार्थियों को देश भक्ति के लिए प्रेरित करते हुये कहा कि राष्ट्र सेवा से बढकर कोई कार्य नहीं। इस दौरान प्रताप सिंह, रामानंद, जितेंद्र, महेंद्र मुक्कड़, कुलदीप समेत छात्र मौजूद रहे।

शहीद संत कंवर का जन्मोत्सव 13 को

किशनगढ़ बास। अमर शहीद संत कंवर राम साहिब के जन्म उत्सव 13 अप्रैल रविवार बैसाखी पर्व पर धूमधाम से मनाए जाने के लिए संत कवर राम हरि मंदिर गुरुद्वारा पर समाज के मुखी गोकुल दास की अध्यक्षता में सिंधी पंचायत की बैठक हुई और अमर शहीद संत कंवर राम साहब के जन्म उत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाए जाने के लिए जिम्मेवारी सोपते हुए अनेक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्णय लिए।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी से मुंबई इंडियंस को सपोर्ट मिलेगा, जिसकी उन्हें जरूरत थी।
- शेन वॉटसन

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, बुमराह की वापसी से मुंबई इंडियंस को सपोर्ट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हेनरिक क्लासेन

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 2025-26 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी कर दी है। दक्षिण अफ्रीका ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट में कुल 18 खिलाड़ियों को शामिल किया है। हैरानी की बात ये है कि इस लिस्ट में विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन को शामिल नहीं किया गया है।दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिक क्लासेन को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर करने की वजह नहीं बताई है। क्लासेन के अलावा कई और ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर किया गया है। इसमें कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, एंडिले फेहलुकवायो और तबरेज शम्सी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भुवनेश्वर कुमार अब आईपीएल इतिहास के सबसे सफल पेसर बन गए हैं। उन्होंने ड्वेन ब्रावो को पछाड़ दिया है, जिन्होंने इस लीग में 183 विकेट लिए।

पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 18 रनों से हराया

मुल्लांपुर, 8 अप्रैल। प्रियांश आर्य (103) की शतकीय, शशांक सिंह (नाबाद 52) और मार्को यानसन (नाबाद 34) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पंजाब किंग्स ने मंगलवार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 22 मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 18 रनों से हरा दिया। पंजाब की चार मैचों में यह तीसरी जीत है। वहीं चेन्नई सुपर पांच मैचों में चौथी हार के साथ नौवें पायदान पर पहुंच गई है।

220 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए रचिन रविंद्र और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने सधी हुई शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। सातवें ओवर में ग्लेन मैक्सवेल ने रचिन रविंद्र को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। रचिन रविंद्र ने 23 गेंदों में 36 रन बनाये। अगले ही ओवर में लॉकी फर्ग्युसन ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (एक) को आउट कर चेन्नई को दूसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये शिवम दुबे ने डेवन कॉन्वे के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 89 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में लॉकी फर्ग्युसन ने शिवम दुबे को आउटकर पंजाब को तीसरी सफलता दिलाई। शिवम दुबे ने 27 गेंदों में (42) रन बनाये।18वें ओवर की पांचवी गेंद पर डेवन कॉन्वे के रिटायर्ड आउट होने पर चेन्नई के मैच जीतने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा।

डेवन कॉन्वे ने 49 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (69) रन बनाये। 20वें ओवर की पहली गेंद पर यश ठाकुर ने एमएस धोनी 12 गेंदों में (27) को आउटकर पंजाब को बड़ी सफलता दिलाई। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 201 रन ही बना सकी और 18 रनों से मुकाबला हार गई। रवींद्र जडेजा (नौ) और विजय शंकर (दो) रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब किंग्स की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट लिये। ग्लेन मैक्सवेल और यश ठाकुर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट दूसरे ही ओवर में प्रभसिमरन सिंह (शून्य) के रूप में गवां दिया। उन्हें मुकेश चौधरी ने बोल्ड आउट किया।

प्रियांश आर्य ने जड़ा आईपीएल 2025 का सबसे तेज शतक

मुल्लांपुर, 8 अप्रैल। पंजाब किंग्स के प्रियांश आर्य मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ महज 39 गेंदों शतक बनाकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सबसे तेज शतक बनाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए। आज यहां 22 वर्षीय दाएं हाथ के इस बल्लेबाज प्रियांश चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इस पारी के साथ, प्रियांश आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले लोगों की सूची में शामिल हो गए। वह ट्रैविस हेड (2024) के साथ बराबरी पर हैं। वह क्रिस गेल (30 गेंद, 2013), यूसुफ पठान (37 गेंद, 2010) और डेविड मिलर (38 गेंद, 2013) से पीछे हैं। प्रियांश ने संकट के समय तूफानी बल्लेबाजी की पथिराना और रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों पर करारे प्रहार किये। उनकी यह पारी दिल्ली प्रीमियर लीग में उनके कारनामों की याद दिलाती है, जहां उन्होंने एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। प्रियांश ने अपनी 103 रनों की पारी में नौ छक्के और सात चौके लगाये। प्रियांश इस शतक के साथ शॉन मार्श (2008), मनीष पांडे (2009), पॉल वल्थाटी (2011), देवदत्त पडिक्कल (2021), रजत पाटीदार (2022), यशस्वी जायसवाल (2022) और प्रभसिमरन सिंह (2023) सहित अनकैप्ड खिलाड़ियों द्वारा आईपीएल शतकों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गये है।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को चार रन से हराया

कोलकाता, 8 अप्रैल। निकोलस पूरन (नाबाद 87), मिचेल मार्श (81) की अर्धशतकीय और एडन मारक्रम (47) की तूफानी पारियों के बाद गेंदबाजों शानदार प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 21वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को चार रन से हरा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की यह इस सत्र की तीसरी जीत हैं।

239 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 37 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक (15) का विकेट गवां दिया। क्विंटन डी कॉक को तीसरे ओवर में आकाश दीप ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सुनील नारायण के साथ पारी को संभाला। सातवें ओवर में दिग्वेश राठी ने सुनील नारायण (30) को एडन मारक्रम के हाथों कैच आउटकरा कोलकाता को दूसरा झटका दिया। 13वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने अजिंक्य रहाणे को निकोलस पूरन के हाथों कैच आउट कराकर लखनऊ को तीसरी सफलता दिलाई।

अजिंक्य रहाणे ने 35 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। कोलकाता का चौथा विकेट रमनदीप सिंह (एक) के रूप में गिरा। उन्हें रवि बिश्नोई ने आउट किया। 15वें ओवर में आवेश खान ने अंगकृष रघुवंशी (पांच) को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट करा दिया। 16वें ओवर में आकाश दीप ने वेंकटेश अय्यर को मारक्रम के हाथों कैच आउटकरा कर पवेलियन भेज दिया।

वेंकटेश अय्यर ने 29 गेंदों में एक छक्के और छह चौकों की मदद से (45) रन बनाये। 17वें ओवर में शार्दुल ठाकुर ने आंद्रे रसल (सात) को आउट किया। रिंकू सिंह ने अंतिम ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी और अपनी टीम को जीत की दहलीज तक तो ले गये लेकिन जीत नहीं दिला पाये। रिंकू सिंह ने 15 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 38) रनों की पारी खेली। हर्षित राणा (10) रन बनाकर नाबाद रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 234 रन ही बना सकी और चार रन से मुकाबला हार गई।

आईपीएल के आयोजन को लेकर पवन की अध्यक्षता में बैठक आज

जयपुर, 8 अप्रैल। आईपीएल 2025 का आयोजन 13 अप्रैल 2025 से 16 मई 2025 के मध्य सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में होगा। आईपीएल के आयोजन को सफल बनाये जाने एवं विभिन्न व्यवस्थाएं बाबत् चर्चा एवं समन्वय हेतु राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की ओर से एक मीटिंग का आयोजन बुधवार 9 अप्रैल को दोपहर 12.30 बजे शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, डा. नीरज के. पवन की अध्यक्षता में अर्जुन मीटिंग हॉल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में आहुत की गई है। उक्त मीटिंग के लिये जिला कलक्टर, जयपुर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध / कानून एवं व्यवस्था / प्रशासनिक आयुक्तालय, जयपुर, आयुक्त, नगर निगम, जयपुर, पुलिस उपायुक्त, यातायात /मुख्यालय/ पूर्व, जयपुर, पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (सुरक्षा) राजस्थान, जयपुर, अधीक्षण अभियन्ता, पीडब्ल्यूडी, जयपुर, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, नगर निगम, जयपुर, अधीक्षण अभियन्ता,, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर, स्टेफन शेख, वेन्यू मैनेजर, बीसीसीआई, एसएमएस स्टेडियम, जयपुर, राजीव खन्ना-उपाध्यक्ष, राजस्थान रॉयल्स, जयपुर मय विभिन्न कार्यों के संयोजक, सहायक पुलिस आयुक्त, अशोक नगर, जयपुर दक्षिण, थानाधिकारी-ज्योतिनगर, जयपुर दक्षिण को उपस्थित होने के लिये लिखा गया है।

प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन 5 के खिलाड़ियों का ऑक्शन सम्पन्न

जयपुर, 8 अप्रैल। प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन 5 के खिलाड़ियों का ऑक्शन जयपुर की निर्वाणा पैलेस होटल में संपन्न हुए। लीग पैट्रन डॉ संदीप निझावन ने बताया कि इस सीज़न की 16 सीनियर व 5 जूनियर टीमों के लिए खिलाड़ियों का ऑक्शन हुए। लीग चेयरमैन डॉ जयंत सेन ने बताया कि इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रियंका हॉस्पिटल के डॉ पीयूष जोशी ने टीम ऑनरस को सम्मानित किया । लीग़ के आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि सीनियर टीम की आइकन कैटेगरी में डॉ जयंत सेन को महात्मा गाँधी हॉस्पिटल ने 40 लाख में, प्रीमियम केटेगरी में उदयपुर के डॉ विकास शर्मा को 31 लाख में आर जे 13 किंग्स ने, प्लेटिनम कैटेगरी में झुनझुनु के डॉ राकेश जांगिड को 43 लाख में टीम के सी मैमोरियल ने, स्टार कैटेगिरी में दीपेन्द्र शेखावत को 29 लाख में के डी हॉट शॉट ने ख़रीदा । लीग को चेयरमैन डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि जूनियर वर्ग में आइकन कैटेगरी में उदयपुर के अपूर्व जैन को 45 लाख में 4 डी डायग्नोस्टिक ने, प्रीमियम कैटेगरी में पुनीत रायसिंहानी को 39 लाख में जयपुर गैस्ट्रों ने, प्लेटिनम केटेगरी में अर्जव जैन को 11 लाख में एक्सेलकेयर ने व स्टार कैटेगरी में नीरज को 39 लाख में माया आई हॉस्पिटल ने ख़रीदा।

एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम में तीन नये खिलाड़ी

मुम्बई, 8 अप्रैल। श्रीलंका में होने वाले एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम में काशवी गौतम, एन श्री चरनी और शुचि उपाध्याय को पहली बार शामिल किया गया है। चयनकर्ताओं ने जनवरी में आयरलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में बाहर बैठने के बाद हरमनप्रीत कौर को बतौर कप्तान के रूप में टीम में जगह दी है। इसके अलावा स्नेह राणा, यास्तिका भाटिया, अरुंधति रेड्डी और अमनजोत कौर को भी टीम में शामिल किया गया हैं। चयनकर्ताओं ने चोटिल रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और तेज गेंदबाज तीतास साधु के नाम पर विचार नहीं किया गया।

एमजेजे की पारी में जयंत तांबी का शतक डीएसजे के लिए हिमांशु राणा का पंजा

जयपुर, 8 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में आज खेले गए मैचों में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में एम जे जे ग्रुप ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए त्रिलोक सैनी के 32 रन, भावित कुमावत के 75 रन, जयंत ताम्बी के 113 रन, सचिन जाट के 45 रन, अभय शर्मा के 53 व कुशाग्र ओझा के 20 रनों से 81.3 ओवर में 369 रन बनाए। डी एस जे टीम के लिए हिमांशु राणा ने 66 पर 5, राजवीर सिंह ने 80 पर 4 व अभिजय भंडारी ने 71 पर एक विकेट लिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक डी एस जे टीम ने 5 ओवर में बिना विकेट खोए 14 रन बना लिए थे।

दूसरे मैच में जयपुरिया ग्राउंड पर एस के आई टी इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अविनाश शर्मा के 34 रन, वरदान शर्मा के 18 रन, सिद्धांत शर्मा के 41 रन, सिद्धांत जायसवाल के 70 रन, केशव डीडवानिया के 22 रन व मनीष गोस्वामी के 37 रन से 52.1 ओवर में 236 रन बनाकर आउट हुई। आर एच सी एल एस एस टीम के लिए मिहित अग्रवाल ने घातक गेंदबाजी करते हुए 80 रन पर 7 विकेट लिए, हिमान्य भारद्वाज ने 29 पर 2 व आयुष आमेरिया ने 62 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में आर एच सी एल एस एस टीम ने रोहन राजभर के 14 रन, प्रशांत यादव, नाबाद 41 रन, मोहम्मद सैफ के 15 रन व हिमान्य भारद्वाज के 29 रनों से पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 34 ओवर में 7 विकेट पर 132 रन बनाए। एस के आई टी इलेवन के लिए निखिल कोहली ने 20 पर 3, अनुज मीणा ने 27 पर 1, सौरभ यादव ने 38 पर 2 व मोहम्मद कैफ ने 18 पर एक विकेट लिया।

रजत पर लगा धीमे ओवर रेट का जुर्माना

मुम्बई, 8 अप्रैल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख रूपये जुर्माना लगा हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार पर सोमवार रात मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस पर जीत के दौरान धीमे ओवर रेट के लिए यह जुर्माना लगाया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में आरसीबी पर पहली बार धीमे ओवर रेट अपराध के लिए जुर्माना लगा हैं। इससे पहले हार्दिक पंड्या, रियान पराग और ऋषभ पंत पर भी धीमे ओवर रेट के लिये जुर्माना लगा चुका हैं।

जहीरुल हसन क्लब ने ज्योतिबा फूले को 4 रन और आरसीसी ने सुराणा क्लीनिक को 9 विकेट से हराया

जयपुर, 8 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए पूल ए के मैच में जहीरुल हसन क्लब ने ज्योति बा फूले क्लब को 4 रन से हराया तथा पूल बी के मैच में आर सी सी क्लब ने सुराणा क्लीनिक को 9 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर ज़हीरुल हसन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सियाराम चौधरी के 101 रन, आलोक गुर्जर के 50 रन, तुषार चेलानी के 16 रन, चंदन चौधरी के 66 रनों से 50 ओवर मे 9 विकेट पर 272 रन बनाए। ज्योति बा फूले क्लब के लिए आरव महर्षि ने 66 पर 5, नयन माली, भव्य व चर्चित निर्वाण ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में ज्योति बा फूले क्लब की टीम ने उत्कृष सैनी के 119 रन, शिवांजल अग्रवाल के 22 रन, सात्विक जैन के 44 रन, हर्षवर्धन मित्तल के 49 रनों से 48.1 ओवर में 268 रन बनाकर आउट हो गई। लाला राम, गौरव पुनिया व चंदन चौधरी ने 2 - 2 विकेट, रुद्राक्ष व युवराज सिंह ने 1-1 विकेट लिया। अरावली ग्राउंड पर खेले गए पूल बी के मैच में सुराणा क्लीनिक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मोहन सैनी के 30 रन व चेतन मीणा के 14 रनों से 18.1 ओवर में मात्र 62 रन बना कर आउट हो गई। आर सी सी के लिए हुसैन खान ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 पर 5 विकेट तथा दक्ष तंवर ने 11 पर 3, मौलिक झरवाल व यश शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में आर सी सी ने यश शर्मा के 33 रन व अरमान खान के 23 रनों से 6.4 ओवर में 1 विकेट पर 64 रन बनाकर मैच जीत लिया। सुराणा क्लीनिक के लिए विनय शर्मा ने 1 विकेट लिया।

कोटा क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव पर रोक

जयपुर, 8 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने एडहॉक कमेटी की ओर से कोटा जिला क्रिकेट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के होने वाले चुनाव पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश कोटा जिला क्रिकेट एसोसिएशन और अमीन पठान की ओर से दायर याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अपीलीय अधिकारी याचिका में दिए स्टे आदेश से प्रभावित हुए बिना लंबित अपील का निस्तारण करेंगे। याचिका में अधिवक्ता एसएस होरा ने अदालत को बताया कि उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां ने गत 24 जनवरी को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता एसोसिएशन के प्रबंधन के लिए एड-हॉक कमेटी का गठन कर दिया। इससे पूर्व उप रजिस्ट्रार ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन को सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया। वहीं इस आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ता की ओर से अतिरिक्त मुख्य खेल सचिव के समक्ष अपील पेश की गई है। याचिका में कहा गया कि एक ओर अपीलीय प्राधिकारी लंबित अपील और स्टे प्रार्थना पत्र पर सुनवाई नहीं कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एड-हॉक कमेटी ने चुनाव घोषित कर दिए हैं। याचिका में कहा गया कि एड-हॉक कमेटी ने चुनाव के लिए एसोसिएट सदस्यों की नई सूची से चुनाव कराना तय किया है, जबकि आरटीआई के तहत पूर्व में याचिकाकर्ता को दूसरी सूची दी गई थी। ऐसे में एड-हॉक कमेटी की ओर से घोषित चुनाव पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने चुनाव पर रोक लगाते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब तलब किया है।

राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता जोधपुर में

जयपुर, 8 अप्रैल। राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ द्वारा राजस्थान राज्य सीनियर व जूनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता दिनांक 10 से 13 अप्रैल 2025 को जोधपुर में चैनपुरा इंडोर स्टेडियम जोधपुर में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डॉ. शक्ति सिंह रावलोत ने बताया कि इस अवसर पर आज दिनांक को भूतपूर्व महासचिव भारतीय जिम्नास्टिक्स महासंघ एवं सीईओ राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के नेतृत्व में आयोजन स्थल व प्रतिभागियों के आवास आदि व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

परमेश्वर प्रजापत सचिव राज्य संघ के अनुसार अभी तक उदयपुर, अजमेर, जयपुर, नागौर, जैसलमेर, अलवर, बीकानेर, भीलवाडा, जोधपुर, राजसमन्द, दौसा, पाली आदि टीमों अपनी प्रविष्टि प्रदान की है तथा अन्य जिलों से प्रविष्टि अभी प्राप्त होनी है, इस प्रकार कुल 17 टीमों के 250 महिला व पुरुष जिमनास्ट सहित निर्णायक व अधिकारीगण भाग लेंगे।

रॉयल फुटबॉल क्लब ने राजस्थान राइजिंग को रौंदा

जयपुर, 8 अप्रैल। ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ग्राउंड गाड़ोता, रॉयल फुटबॉल क्लब ग्राउंड और चौगान स्टेडियम जयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के मुख्य अतिथि भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन अवॉर्डी मगन सिंह राजवी रहे उन्होंने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आज 4 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया। सभी 110 मैचों को होमअवे के सिद्धांत से खेले जाएंगे। अभी तक 9 मैच खेले जा चुके है।

प्रथम मैच में ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और जिंक फुटबाल अकादमी के बीच खेला गया मैच गोल रहित रहा दोनों टीमों ने ही आक्रमण खेल का प्रदर्शन किया।

आज रॉयल फुटबाल क्लब के मैदान में भी दो मैच खेले गए

दूसरे मैच राजस्थान राइजिंग फुटबॉल क्लब और रॉयल फुटबाल क्लब जयपुर के बीच खेला गया रॉयल क्लब ने मैच 4-0 से जीता।

तीसरा मैच सनराइज फुटबाल क्लब और सिटी वाल्स फुटबाल क्लब के बीच खेला गया सिटी वाल्स क्लब ने मैच 2-0 से जीता।

आज चौगान स्टेडियम जयपुर के मैदान खेले गए मैच

चौथे मैच में जयपुर एलिट फुटबाल क्लब ने ए एस ल फुटबाल क्लब को 2-0 से पराजीत किया। आगामी फुटबाल लीग के मैच 10 अप्रैल को खेले जाएंगे।

राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी अकादमी की नवा रायपुर में होगी स्थापना

रायपुर, 8 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक तीरंदाजी अकादमी की स्थापना होने जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रस्ताव व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण ने लगभग 10.03 एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया है। यह भूमि सेक्टर-33 के ग्राम उपरवारा क्षेत्र में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 40,614.216 वर्गमीटर है। मिली जानकारी के अनुसार खेल एवं युवा कल्याण विभाग को 90 वर्षों की लीज पर भूमि प्रदान की जाएगी। तीरंदाजी अकादमी के निर्माण में एनटीपीसी लिमिटेड अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। यहां आउटडोर और वातानुकूलित इनडोर तीरंदाजी रेंज, हाई परफॉर्मेंस ट्रेनिंग सेंटर, छात्रावास जैसे निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। अकादमी के बनने से नवा रायपुर न केवल खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाएगा।

ई-एथलीड ने जयपुर में डिजिटल क्रिकेट कोचिंग प्रोग्राम 'महागुरु का मास्टर क्लास' शुरू किया

जयपुर, 8 अप्रैल। श्राची स्पोर्ट्स की सहायक कंपनी ई-एथलीड ने 'महागुरु का मास्टरक्लास' लॉन्च किया है, जो एक अभिनव डिजिटल क्रिकेट कोचिंग सीरीज है, जिसे महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों और कोचों को उच्च-गुणवत्ता का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पूर्व विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेटर और कोच संदीप पाटिल की देखरेख में और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विकसित, इस विशेषज्ञ-नेतृत्व वाली ट्यूटोरियल सीरीज को पिछले महीने कोलकाता में इसके शुरुआती लॉन्च के बाद आज शाम जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान क्रिकेट अकादमी (आरसीए) में आधिकारिक तौर पर पेश किया गया।

इस पहल का उद्देश्य एनसीए-संरेखित कोचिंग सामग्री को महत्वाकांक्षी क्रिकेट कोचों के लिए अधिक सुलभ बनाना है, साथ ही युवा क्रिकेटरों को उच्च-स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना है। लॉन्च कार्यक्रम में संदीप पाटिल और दिनेश नानावटी सहित प्रतिष्ठित पूर्व खिलाड़ी और कोच शामिल हुए। इस व्यापक श्रृंखला में बल्लेबाजी को समर्पित दस एपिसोड शामिल हैं, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कोच दिनेश नानावती के मार्गदर्शन में चार एपिसोड में विकेटकीपिंग को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर चार-एपिसोड का खंड पूर्व क्रिकेटर और कोच गौतम शोम द्वारा संचालित किया जाता है।

समग्र प्रशिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए, कार्यक्रम में शारीरिक फिटनेस पर केंद्रित दो एपिसोड भी शामिल हैं, जिन्हें फिटनेस वैज्ञानिक राहुल पटवर्धन द्वारा संचालित किया जाता है। कार्यक्रम में बोलते हुए, संदीप पाटिल ने भारत में संरचित क्रिकेट कोचिंग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''भारत में क्रिकेट सिर्फ़ एक खेल नहीं है, फिर भी कोचिंग काफ़ी हद तक अनियमित है। सिर्फ़ कुछ प्रतिशत कोच ही उचित प्रमाणपत्र रखते हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने राजस्थान की संगीत प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए हुनर मंच लॉन्च किया

जयपुर, 8 अप्रैल। स्थानीय कलाकारों को रॉयल्स के आईपीएल 2025 के घरेलू मैचों के दौरान सवाई मानसिंह स्टेडियम में लाइव प्रदर्शन करने का जीवन में एक बार मौका मिलेगा। राजस्थान रॉयल्स ने हुनर मंच शुरू करने की घोषणा की है, जो राजस्थान के स्थानीय संगीत कलाकारों की खोज और उन्हें बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अनूठी प्रतिभा खोज है। यह पहल स्थानीय कलाकारों को आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के घरेलू मैचों के दौरान जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में लाइव प्रदर्शन करने का जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर प्रदान करती है।

रॉयल्स हुनर मंच पहल के बारे में बात करते हुए, राजस्थान रॉयल्स के सीईओ, जेक लश मैक्रम ने कहा, ''राजस्थान हमेशा से ही अविश्वसनीय प्रतिभा और जोश की भूमि रहा है, और रॉयल्स हुनर मंच के साथ, हम उस ऊर्जा को एक ऐसे तरीके से जीवंत करने के लिए उत्साहित हैं जो वास्तव में स्पेशल है। यह पहल राजस्थान में बनी हर चीज का जश्न मनाती है संगीत, जुनून, प्रतिभा और रॉयल्स हुनर मंच यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि राजस्थान के जादू को सुना, महसूस किया और मनाया जाए।''

राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रतिभा के पोषण में अपने गहरे विश्वास का जश्न मनाने के लिए जानी जाने वाली रॉयल्स इस अनूठे मंच के माध्यम से क्रिकेट को संगीत के साथ मिलाकर मेड इन राजस्थान भावना को जीवंत कर रही है। विशेष रूप से राजस्थान के निवासियों के लिए खुला, यह पहल यह सुनिश्चित करती है कि घरेलू कलाकारों को सवाई मानसिंह स्टेडियम में हजारों उत्साही क्रिकेट फेंस के सामने एक अच्छी तरह से योग्य मंच प्राप्त हो। हुना आर आर मंच के साथ, राजस्थान रॉयल्स सपनों को वास्तविकता में बदल रहा है। स्थानीय प्रतिभाओं को चमकने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान कर रहा है, जबकि मैच के दिन के अनुभव में लाइव संगीत और मनोरंजन का एक रोमांचक नया आयाम जोड़ रहा है।

कैसे भाग लें : प्रतिभागी अपने प्रदर्शन का 1 से 3 मिनट लंबा वीडियो रिकॉर्ड करके और इसे व्हाट्सएप के माध्यम से 7400440983 पर भेजकर अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं। प्रविष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल, 2025 है। शॉर्टलिस्ट किए गए कलाकारों को राजस्थान रॉयल्स के घरेलू मैचों में लाइव प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर मिलेगा, जहां उन्हें स्टेडियम में हजारों दर्शकों के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

राजस्थान रॉयल्स लगातार फैंस के जुड़ाव को गहरा करने और राज्य के सार का जश्न मनाने की दिशा में काम कर रहा है, हुनर मंच संगीत और क्रिकेट को एक साथ लाने के लिए तैयार है जैसा पहले कभी नहीं था।

पुकोवस्की ने चोट के कारण क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबर्न, 8 अप्रैल। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर विल पुकोवस्की ने चोट के कारण क्रिकेट से सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया हैं। विल पुकोवस्की ने मंगलवार को मेलबर्न में एसईएन रेडियो पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, बहुत निराश हूं, यह बहुत कठिन साल रहा है। उन्होंने कहा कि काश मैं बेहतर परिस्थितियों में होता। उन्होंने कहा कि सरल संदेश यह है कि मैं फिर से किसी भी स्तर पर क्रिकेट नहीं खेलूंगा। 27 वर्षीय पुकोवस्की ने 2021 में भारत के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। वह पिछले वर्ष शेफील्ड शील्ड में मैच के दौरान तस्मानिया के खिलाफ रिले मेरेडिथ की गेंद हेलमेट पर लगने के बाद वे चोटिल होकर रिटायर हर्ट हो गए थे। पिछले वर्ष ही चोट लगने के बाद एक स्वतंत्र मेडिकल पैनल ने पुकोवस्की को क्रिकेट से संन्यास लेने का सुझाव दिया था। उन्हें किशोरावस्था में फुटबॉल खेलते समय पहली बार सिर में चोट लगी थी। वह कंस्यूशन से पीड़ित थे।

मुख्यमंत्री ने पंजाब, हरियाणा और हनुमानगढ़ के विभिन्न हेड का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, कि आई.जी.एन.पी. के सुदृढ़ीकरण के लिए 34 सौ करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ के लखूवाली हैड, घग्गर डाइवर्ज़न पैनल की कार्यप्रणाली व घग्गर नदी के बहाव क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा बाढ़ सुरक्षा के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन पंजाब, हरियाणा तथा हनुमानगढ़ में विभिन्न हेड, नहरी तंत्र तथा बैराज का अवलोकन किया।

जयपुर, 8 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन हनुमानगढ़ में किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, माही बेसिन प्रबंधन, इंदिरा गांधी नहर परियोजना के सुदृढ़ ीकरण सहित, विभिन्न निर्णय लिए हैं, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए तथा आमजन को पर्याप्त पेयजल मिल सके। उन्होंने कहा कि आईजीएनपी के सुदृढ़ ीकरण के लिए 3 हजार 400 करोड़ रूपये के कार्य करवाए जाएंगे। साथ ही, भाखड़ा और गंग नहरों से जुड़ी खालों संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए भी आवश्यक कार्य किए जाएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान पहले दिन पंजाब, हरियाणा तथा हनुमानगढ़ में विभिन्न हेड, नहरी तंत्र तथा बैराज का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री सबसे पहले पंजाब के तरनतारन जिले में स्थित हरिके बैराज गए, वहां उन्होंने हरिके हेड पर नहरी तंत्र की प्रक्रिया का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से नहरी तंत्र के सुदृढ़ ीकरण के सम्बन्ध में चर्चा की। इसके बाद शर्मा ने मल्लेवाला हेड, बल्लेवाला हेड, बीकानेर केनाल, फिरोजपुर फीडर एवं इंदिरा गांधी फीडर का हवाई निरीक्षण किया। हवाई निरीक्षण के बाद, मुख्यमंत्री ने हरियाणा के सिरसा जिले के लोहगढ़ हेड में भाखड़ा सिंचाई परियोजना के लिए इंदिरा गांधी फीडर और सरहिन्द फीडर के मध्य बने लिंक का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ के लखूवाली हेड, घग्घर डायवर्जन चैनल तथा घग्घर नदी का निरीक्षण किया। उन्होंने घग्घर नदी की जल प्रवाह क्षमता तथा डायवर्जन चैनल की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों को राहत देने तथा बाढ़ से जन-धन की हानि को रोकने के लिए घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र में 325 करोड़ रूपये की लागत से बाढ़ सुरक्षा की दृष्टि से कार्य करवाने की घोषणा की थी।

कांग्रेस हाईकमान ने क्या मन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में देखा जा सकता है।

यह पता ही है कि अशोक गहलोत के इशारे पर राजस्थान में कांग्रेस विधायक दल के नेता टीकाराम जूली, पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा, ए.आई.सी.सी. महासचिव भंवर जितेन्द्र सिंह व कुछ अन्य ने सचिन पायलट के खिलापु गुट बना लिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे नेतृत्व की दौड़ में आगे न निकल जाएं।

गहलोत को पायलट की हर बात ना पसंद है और वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि पायलट नेतृत्व के पद तक न पहुंच पाएं। लेकिन पार्टी के नेतृत्व के आज के कदम से स्पष्ट है कि उसने अपना मानस बना लिया है और अगर इसे अगले चुनाव में सत्ता पाने का गंभीर प्रयास करना है तो पायलट पर दांव लगाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। पार्टी में गंभीर विचार चल रहा है कि इस निर्णय को चुनाव आने तक के लिए नहीं टाला जा सकता है। इसे जल्द से जल्द लागू करना होगा।

समस्या यह है कि गहलोत से कैसे डील किया जाए जो पायलट के रास्ते में अड़चने पैदा करने से बाज नहीं आएंगे।

पद्मेश मिश्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उससे साफ जाहिर है कि इस नियुक्ति से पहले महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता और विधि विशेषज्ञों व विभाग से कोई राय-मशविरा नहीं किया है, क्योंकि पद्मेश मिश्रा को पहले पैनल लॉयर के पद पर नियुक्त किया गया था, जिसके लिए 5 वर्ष का अनुभव चाहिए था। इसके बाद पैनल लॉयर नियुक्त होने के महज 3 दिन बाद ही उन्हें अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर नियुक्ति दे दी गई, जबकि इस पद के लिए न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव होना आवश्यक है। सुनील समदड़िया का कहना है कि विधि नीति में जो फेरबदल किए गए हैं, वह परस्पर विरोधाभासी प्रतीत होते है, क्योंकि एक तरफ राज्य सरकार किसी भी व्यक्ति को अतिरिक्त महाधिवक्ता (ए.ए.जी.) के पद पर नियुक्त कर सकती है, दूसरी ओर ए.ए.जी. पद के लिए 10 वर्ष का अनुभव भी वर्णित है।

कार से कुचलने की घटना से आक्रोशित लोगों ने परकोटा जाम किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 8 अप्रेल। राजधानी के नाहरगढ़ इलाके में तेज रफ्तार एस.यू.वी. कार से 3 लोगों को कुचलकर मारने वाले कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष उस्मान खान के खिलाफ आक्रोशित लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। अलसुबह लोगों ने नाहरगढ़ पुलिस थाने को घेर लिया और छोटी व बड़ी चौपड़ पर जाम लगाकर आवाजाही रोक दी। दिनभर चले उग्र प्रदर्शन के बाद शाम साढ़े 4 बजे मृतकों के परिवारों को 50-50 लाख रु. मुआवजा और संविदा पर नौकरी की बात पर सहमति बनी, जिसके बाद धरना खत्म हुआ। उधर कांग्रेस जयपुर शहर अध्यक्ष आर.आर.तिवाड़ी ने आरोपी उस्मान को जिला कार्यकारिणी से निष्काषित कर दिया है।

गौरतलब है कि सोमवार देर रात को नशे में धुत्त कांग्रेस नेता उस्मान खान ने तेज रफ्तार एस.यू.वी. कार से 7 किलोमीटर के दूरी में 9 लोगों को टक्कर मारी थी। नाहरगढ़ रोड पर हुए

■ **मृतक के परिजनों को 50-50 लाख का मुआवज़ा व संविदा नौकरी की सहमति पर धरना समाप्त हुआ।**

इस हादसे में भाई-बहन, सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि घायल 6 लोगों का उपचार जारी है।

इस हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां ममता कंवर और अवधेश को मृत घोषित कर दिया गया था। मंगलवार सुबह एक और घायल वीरेन्द्र सिंह ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी उस्मान खान को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है, अब उससे पूछताछ की जा रही है। एडिशनल डीसीपी (उत्तर) बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी उस्मान खान (62) ने सबसे ज्यादा टक्करें करीब 500 मीटर के एरिया में मारीं। नाहरगढ़ क्षेत्र में संतोषी माता मंदिर के पास पहले स्कूटी-बाइक को टक्कर मारी, फिर सड़क पर गिरे लोगों को कुचलते हुए भाग गया। उस्मान खान ने थाने के बाहर खड़ी गाड़ियों को भी टक्कर मारी। आरोपी ने सोमवार रात 9.30 बजे सबसे पहले एमआई रोड पर एक गाड़ी को टक्कर मारी थी।

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिस तरह चलना चाहिये। कभी-कभी तो के.सी. वेणुगोाल तक महत्वपूर्ण पार्टी निर्णयों में उनके निर्णय के विरूद्ध फैसला ले लेते हैं।

कुछ दिनों से पार्टी-हल्कों में ऐसी अफवाहें चल रही हैं कि प्रियंका से चुनाव प्रबंधन समिति की अध्यक्ष बनने के लिये कहा जा सकता है। ज्ञातव्य है कि चुनाव प्रबंधन के मामले में यह उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी होती है। अभी यह कमेटी बनी नहीं है तथा यह दर्शाने वाली कोई हलचल भी दिखाई नहीं दे रही है कि प्रियंका को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है।

वे ऐसी एआईसीसी महासचिव हैं, जिनके पास कोई पोर्टफोलियो या जिम्मेदारी नहीं है और इस स्थिति को एक साल से ज्यादा समय हो गया।

वे स्वयं को सुर्खियों और चर्चाओं से दूर रखे हुये हैं। विवादित वक्फ विधेयक, जिसका कांग्रेस तथा पूरे विपक्ष ने विरोध किया था, पर भी वे सक्रिय दिखाई नहीं दीं।

जयराम रमेश तो इस बात से खुश नहीं थे कि केवल प्रियंका गांधी की गैरमौजूदगी के बारे में प्रश्न क्यों किया जा रहा है, जबकि विस्तारित सीडब्ल्यूसी की इस मीटिंग में 35 सदस्य उपस्थित नहीं हुये हैं।

■ **जयराम रमेश जरूर इस बात से झुंझलाये हुए से लगे, कि प्रियंका गाँधी की अनुपस्थिति पर इतनी चर्चा क्यों हो रही है, क्योंकि वे अकेली नहीं जो इस महत्वपूर्ण आयोजन में अनुपस्थित हैं, पैंतीस ऐसे सदस्य हैं, जो आमंत्रित होने के बावजूद बैठक में या ए.आई.सी.सी. के सत्र में नहीं आये हैं।**

उनकी अनुपस्थिति के बारे में पूछे जाने का कारण संभवत: यही है कि वे गांधी परिवार से हैं तथा कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व का हिस्सा हैं। यह वजह है कि उनकी गैरमौजूदगी को लेकर अत्यधिक अटकलें लगाई जा रही हैं।

'देश के संविधान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं है उसे इन पर वीटो पावर नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि गर्वनर्स के लिए एक समय सीमा निर्धारित होनी चाहिए जैसा कि आर्टिकल 200 और संघीय नीति के तहत आवश्यक है कि राज्यपाल का आचरण न्यायिक मानदंडों के अनुरूप हो। समय सीमा का पालन नहीं करने पर संबंधित राज्यपाल के आचरण की न्यायिक समीक्षा की जाएगी।

स्टालिन ने निर्णय का स्वागत करते हुए तमिलनाडु विधानसभा में कहा कि, यह न केवल तमिलनाडु की बड़ी जीत है बल्कि देश की सभी राज्य सरकारों की जीत है। उन्होंने कहा, तमिलनाडु ने द्रमुक के सिद्धांतों के संरक्षण के लिए संघर्ष किया है जैसे राज्य की स्वायत्तता और संघवाद तमिलनाडु संघर्ष करेगा और जीतेगा। स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु सरकार, तमिलनाडु के विधायकों व तमिलनाडु की जनता, जिसने हमें चुना है की तरफ मैं सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करता हूँ जिसने राज्य विधानसभा के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की।

कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत अन्तर्निहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए माना कि दस विधेयकों को कानून बनाने के लिए स्वीकृति मिल गई है। न्यायालय ने कहा कि यह राज्यपाल द्वारा इन विधेयकों पर निर्णय लेने में की गई देरी और शीघ्र कार्यवाही की वकालत करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व निर्णयों के प्रति उनके "अल्प सम्मान" के लिए एक उपयुक्त प्रतिक्रिया होगी।

जैसी की उम्मीद है, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस खबर का स्वागत किया, क्यों वे भी इसी तरह की समस्या से ग्रस्त है। उन्होंने कहा तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का फैसला लोकतंत्र की जीत है और राज्यपालों द्वारा विधानसभा की शक्तियों को हड़पने की प्रवृति के खिलाफ चेतावनी है।

सुप्रीम कोर्ट में गत नवम्बर में राष्ट्रपति के विचार के दस विधेयकों को रोकने की राज्यपाल आर.एन. रवि की कार्यवाही को गलत व अवैध घोषित किया, क्योंकि राज्य विधानसभा उन्हें दोबारा पारित कर चुकी थी।

जिंदा बम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सजा सुनने के लिए न्यायिक अभिरक्षा से बुलाया गया। सजा सुनने के बाद चारों अभियुक्तों के चेहरे पर जरा भी शिकन नज़र नहीं आई, बल्कि वे हंसते-मुस्कुराते हुए कोर्ट कक्ष से बाहर निकले।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों और राज्य प्रशासन के प्रमुख की जानकारी में आये बिना, इतनी बड़ी और व्यापक अनियमितताएं आखिर हो कैसे गईं।

उम्मीदवारों ने नियुक्ति पाने के लिए राजनेताओं तथा तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को रिश्वत दी थी, तथा उन सक्षम शिक्षकों, जिन्होंने प्रतियोगी परीक्षा में काफी अच्छे अंक प्राप्त किये थे, के नाम मैरिट लिस्ट से हटा दिये गये थे। प्रतियोगी परीक्षा की "ओ एम आर" शीटों में हेर-फेर तथा परिवर्तन करने के स्पष्ट सबूत मिले हैं। अपने कुकृत्यों को छिपाने के लिए, एस एस सी अधिकारियों ने अदालतों में कह दिया कि सभी स्कोर शीट्स नष्ट की जा चुकी हैं। लेकिन सी बी आई ने फरीदाबाद के कुछ प्रतिष्ठानों से उम्मीदवारों के वास्तविक अंकों की कम्प्यूटर प्रतियां हासिल कर लीं।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अविजित गांगुली ने अब जोर देते हुए कहा है कि उन सक्षम उम्मीदवारों, जिन्होंने नौकरी पाने के लिए किसी को रिश्वत नहीं दी थी, को भ्रष्ट उम्मीदवारों से अलग किया जाना संभव है। गांगुली ने कहा कि भ्रष्ट एवं सक्षम उम्मीदवारों को पृथक करने की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद, असली और ईमानदार चयनित उम्मीदवारों की नौकरी बहाल होना संभव किया जाना चाहिए।

कांग्रेस अधिवेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अहमदाबाद में अत्यधिक गर्मी और पानी की कमी के कारण दिक्कत हो गई जिसके बाद उन्हें अहमदाबाद के ज़ाइडस अस्पताल में निगरानी में रखा गया है। वह अस्पताल में है और डॉक्टर उनके स्वास्थ्य नज़र रखें हैं और उनकी स्थिति सामान्य है। मौसम विभाग ने अहमदाबाद के लिए मंगलवार को भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया था और यहां दिन का तापमान या 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था।

ब्रह्मकुमारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा अनेक गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

उनके पार्थिव शरीर को राजस्थान के आबू रोड में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के मुख्यालय शांतिवन आश्रम के सभागार में अंतिम दर्शनार्थ रखा गया है। ब्रह्माकुमारीज के अनुसार दादी रतनमोहिनी का 10 अप्रैल को पूर्वाह्न 10 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908